हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, मंगलवार 30 अप्रैल 2024

मोदी के नाम, काम और मोदी की गारंटी, उससे भरोसा है कि जीतेंगे छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटें

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दस साल के कार्यकाल में जो काम किए हैं, श्री मोदी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। उसी के साथ हमारी सरकार ने सौ दिनों में जिस तरह से मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम किया, उससे भरोसा है कि प्रदेश की जनता इस बार भाजपा को 11 की 11 सीटों पर आशीर्वाद देकर जीत दिलाने का काम करेगी। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से चुनावी संवाद में हुई बातचीत के अंश प्रस्तुत हैं।

▸▸ शेष पेज 5 पर

हरिभूमि विशेष

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से डॉ. हिमांशु द्विवेदी का चुनावी संवाद

लोकसभा चुनाव में क्या लग रहा है?

वातावरण बहुत अच्छा दिख रहा है, मोदी जी की लोकप्रियता लगातार बढ़ी है। उनको तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की बात है, सभी लोग उत्साहित हैं। हम अभी तक 45 से ज्यादा विधानसभाओं में चुनावी सभाएं कर चुके हैं। मोदी जी के दस साल के कामों का असर जनता में है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने सौ दिनों में मोदी की गारंटी को पूरा करने का भी काम किया है, इसका भी असर दिख रहा है। दूसरे चरण के चुनाव में भी अच्छा मतदान हुआ है। भाजपा के प्रति अच्छा रूझान लोगों का है।

बड़े लक्ष्य ले लिए हैं, चार सौ पार, छत्तीसगढ़ में सभी 11 सीटें जीतने का?

देखिए 2014 में अकेले भाजपा को 282 सीटें मिली थीं। 2019 में जनता ने मोदी जी के काम को देखते हुए 303 सीटें भाजपा को दी थीं। जनता मोदी जी के दस साल के कामों को देख रही है। मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 को समाप्त किया है। पार्टी का लक्ष्य है अकेले भाजपा 370 से ज्यादा सीट जीतने और एनडीए 400 पार करेगी। जहां तक छत्तीसगढ़ का सवाल है हमें भरोसा है कि यहां भी भाजपा सभी सीटें जीतेगी। पिछले विधानसभा चुनाव में सरकार से आऊट होने के बाद 11 में से 9 सीटें जीती थीं, इस बार पूरी सीटें जीतेंगे। हमारी सरकार ने तीन माह में जो काम किया है, इसी के साथ कांग्रेस में जिस तरह का बिखराव है, उससे भरोसा है कि जनता भाजपा को सभी सीटों पर आशीर्वाद देगी।

पहली बार है जब मुख्यमंत्री के तौर पर चुनाव लड़वा रहे हैं कितने दबाव में हैं आप?

हमारे लिए पहला अवसर है, मुख्यमंत्री के नाते चुनाव प्रचार करना है। 11 लोकसभा हैं, 90 विधानसभा हैं, लोगों का रूझान भाजपा और मोदी जी के पक्ष में है। लोगों से मिलकर अच्छा लग रहा है। तनाव थोड़ा तो रहता है, चुनाव को चुनाव की दृष्टि से ले रहे हैं। सामने वाले को कमजोर नहीं मान रहे हैं। लोग जब मोदी जी और भाजपा के पक्ष में विश्वास दिखाते हैं तो सारा तनाव और थकान मिट जाती है।

कांग्रेस ने बड़े-बड़े दिग्गज मैदान में उतारे हैं, भाजपा ने अपने सासंदों की टिकट काट दी, क्या कहते हैं?

कांग्रेस की बड़ी दुर्गति है, कांग्रेस ने जनता का विश्वास खोया है। सरकार में आने से पहले कांग्रेस ने जो 36 वादे किए थे, वो पूरे ही नहीं किए। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा के चुनाव में प्रत्याशी नहीं मिल रहे थे, इसलिए इन नेताओं को मैदान में उतारा गया है। कांग्रेस में इस समय बहुत ज्यादा बिखराव है, कुछ ही समय में 25 हजार से ज्यादा कांग्रेसी भाजपा में आए हैं।

पुराने कार्यकर्ता सवाल नहीं करते हैं कि क्यों कांग्रेसियों को भाजपा में शामिल किया जा रहा है?

हमारे कार्यकर्ता ऐसे नहीं हैं। जो प्रवेश कर रहे हैं, उनसे हमारे कार्यकर्ता घुल मिल जाते हैं। जो आ रहे हैं, वो देश की सेवा करने और मोदी जी के कामों से प्रभावित होकर ही आ रहे हैं। आने वाले समय में इनका भी काम दिखेगा।

राजनांदगांव से भूपेश बघेल के मैदान में रहने से कितनी परेशानी हुई?

कोई परेशानी नहीं हुई है। हम तो कहते हैं कि कांग्रेस ने भूपेश बघेल को मैदान में उतारकर हमारे युद्ध को और आसान कर दिया। भूपेश बघेल से अपने पांच साल के कार्यकाल में जनता का भरोसा खोने का ही काम किया है। उन्होंने पूरे छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बनाने के साथ भ्रष्टाचार का भी गढ़ बनाने का काम किया। घोटाले भी लगातार हुए हैं। इसकी वजह से कई अधिकारी भी जेल में हैं। अपराध का सरगना अगर आज राजनांदगांव से चुनाव मैदान में है तो इससे हमें चुनाव में आसानी ही हुई है।

भूपेश बघेल दुर्ग और रायपुर से क्यों नहीं लड़े, आपको क्या लगता है?

उनको अपना गृह नगर सुरक्षित नहीं लगा होगा। भाजपा के सांसद विजय बघेल पिछला चुनाव चार लाख से ज्यादा मतों से जीते थे, इसलिए उनको हार का खतरा रहा होगा। इस बार भी विजय बघेल रिकार्ड मतों से जीतेंगे।

भूपेश बघेल का भविष्य क्या लगता है?

पूरे देश में जिस तरह के कांग्रेस पार्टी जनता का विश्वास खो चुकी है। भूपेश बघेल ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ की जनता के साथ अपने शासनकाल में धोखा किया है, उससे इनका भविष्य अच्छा नहीं लगता है।

जब सब कुछ अच्छा चल रहा है तो फिर इतने दौरे करने की जरूरत क्यों है?

वातावरण भाजपा के पक्ष में है, यह बात ठीक है, पर विपक्ष को कभी कमजोर मानकर नहीं चलना चाहिए। हम लोगों को विश्वास है लेकिन अतिविश्वास में नहीं है। जहां तक कोरबा की बात है यहां से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय हमारी प्रत्याशी हैं। इनको बड़ा अनुभव है। सामने कांग्रेस की प्रत्याशी ज्योत्सना महंत हैं, पांच साल सांसद रही हैं, इन पर निष्क्रियता का आरोप है। इनको क्षेत्र में लोग पहचानते तक नहीं हैं। इसका लाभ भी भाजपा को मिल रहा है। इस बार कोरबा का चुनाव हमारे लिए आसान है।

खबर संक्षेप

दो प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जजों के तबादले

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने मंगलवार को दुर्ग एवं बिलासपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों के तबादला आदेश जारी किए हैं। दुर्ग की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीता यादव को बिलासपुर का जिला एवं सत्र न्यायाधीश बनाया गया है। उनकी जगह छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल सुधीर कुमार को दुर्ग जिले का प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ▸▸ शेष पेज 5 पर

सेंसेक्स 941 अंक चढ़ा निफ्टी 22650 के करीब

मुंबई। शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन दमदार

शुरुआत हुई है। सोमवार को सेंसेक्स 941.12 (1.27%) अंकों की बढ़त के साथ 74,671.28 पर रहे। निफ्टी 223.46 (1.00%) अंक मजबूत होकर 22,643.40 पर बंद हुआ।

सकरी की सभा में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लगाई वादों और घोषणाओं की झड़ी

राहुल का वादा- सरकार आते ही किसानों का कर्ज माफ, एमएसपी का गारंटी कानून

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बिलासपुर

कांग्रेस नेता राहुल ने यह भी कहा कि भाजपा आरक्षण हटाना चाहती है जबकि केंद्र में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है तो आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटा देंगे और देश में जाति आधारित जनगणना होगी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सकरी सिंचाई कालोनी मैदान में सोमवार की दोपहर चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान पीसीसी प्रभारी सचिन पायलट, पीसीसी चीफ दीपक बैज, पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी रही। साथ ही राहुल गांधी की सभा में लोकसभा क्षेत्र के लोरमी, मुंगेली, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा, मस्तूरी और कोटा विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में कांग्रेसी शामिल हुए। आमसभा में राहुल गांधी ने कहा कि मौजूदा प्रावधानों के तहत 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं दिया जा सकता, लेकिन इसे कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार उखाड़ फेंक देगी। दलितों और आदिवासियों के आरक्षण में कोई कटौती नहीं होगी। भाजपा ▸▸ शेष पेज 5 पर

सकरी की सभा में राहुल गांधी ने बोलते हुए वादों और घोषणाओं की झड़ी लगा दी है। बिलासपुर लोकसभा में कांग्रेस के प्रत्याशी देवेंद्र यादव के पक्ष में प्रचार करते हुए उन्होंने कहा कि हम आरक्षण में लगे 50 प्रतिशत के कैप को हटा देंगे। हम इससे ज्यादा का आरक्षण देंगे। कांग्रेस की सरकार आते ही सभी किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा और एमएसपी का कानून भी कांग्रेस लेकर आएगी। कानून बनाकर मिनिमम सपोर्ट प्राइज कांग्रेस देने जा रही है।

» *बोले राहुल गांधी-यह चुनाव लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण बचाने वाला चुनाव, लड़ाई लड़नी होगी*

» *करोड़ों बेरोजगारों, डिप्लोमा होल्डर्स को ऐप्रेंटिसशिप का मिलेगा अधिकार, महिलाओं को हर साल एक लाख*

कांग्रेस करोड़ों लोगों को लखपति बनाएगी

राहुल गांधी ने कहा कि 22 लोगों के पास उतना ही धन है, जितना हिंदुस्तान के 70 करोड़ लोगों के पास है। एक प्रतिशत देश के 40 प्रतिशत को कंट्रोल करता है। उन्होंने कहा कि भाजपा रेलवे और सभी पब्लिक सेक्टर की कंपनियों का निजीकरण करने में लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोगों ने 20-25 लोगों को करोड़पति बनाया, कांग्रेस करोड़ों लोगों को लखपति बनाने जा रही है। कांग्रेस महालक्ष्मी योजना लेकर आएगी। हर परिवार से एक महिला का नाम चुना जाएगा। जो भी गरीबी रेखा से नीचे है, उस महिला के बैंक एकाउंट में साल के एक लाख रुपए कांग्रेस डालने जा रही है।

भाजपा के खिलाफ पूरे देश में माहौल : बैज

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों को बीजेपी ने अच्छे दिन का वादा किया लेकिन ठगने के अलावा कुछ नहीं किया। राहुल गांधी की गारंटी को देश भर में लागू कर के दिखाएंगे। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि भाजपा के खिलाफ पूरे देश में माहौल है। प्रदेश में भी पहले दो चरणों के मतदान के बाद साफ हो गया है कि कांग्रेस जीत रही है। तीसरे चरण में लोगों से सहयोग और वोट की अपील है।

संविधान की किताब लहराकर बोले- इसे बचाना है

इस आमसभा के दौरान राहुल गांधी संविधान की किताब पकड़े नजर आए और कहा कि इसे बचाने का यह चुनाव है। उन्होंने कहा कि पब्लिक सेक्टर यूनिट को बीजेपी प्राइवेट कर रही। आदिवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग आपको वनवासी कहते हैं। यह कहते हैं कि आपके जल, जंगल, जमीन चले जाएं और आप दूसरी जगहों पर जाकर भीख मांगे। उन्होंने कहा कि दलितों को संविधान ने अधिकार दिया। इसके बिना कुछ नहीं बचने वाला है। आरक्षण से देश के दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को भागीदारी मिलनी चाहिए। राहुल ने कहा कि भाजपा कहती है कि वह आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन यह पब्लिक सेक्टर यूनिट को प्राइवेट करते हैं तो आरक्षण को खत्म करते हैं। जब ठेकेदारी प्रथा को बढ़ाते हैं तो आरक्षण ▸▸ शेष पेज 5 पर

तेज लाइट से आंखें चौंधियाई और पिकअप जा भिड़ी माजदा से, 9 की मौत, कई घायल

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बेमेतरा/रायपुर

बच्चे के जन्मोत्सव छट्ठी कार्यक्रम से लौट रहे नौ लोगों की खड़ी माजदा से पिकअप की भिड़ंत होने पर मौत हो गई। मृतकों में छह महिलाएं तथा तीन बच्चे शामिल हैं। घटना बेमेतरा के काठिया गांव के पास रविवार रात साढ़े दस बजे की है। हादसा इतना भीषण था कि घटनास्थल पर ही पांच की मौत हो गई, चार घायलों ने अस्पताल में दम तोड़ा। बेमेतरा पुलिस माजदा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पिकअप में सवार 23 लोग घायल बताए गए हैं। घायलों में एक पुरुष, 15 महिलाएं तथा सात बच्चे शामिल हैं। पिकअप वाहन में 32 लोग सवार ▸▸ शेष पेज 5 पर

- चार महिलाओं की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

हरिभूमि ने दो दिन पहले ही चेताया था... हो गया बड़ा हादसा

सामने से लाइट पड़ने पर आंखें चौंधिया गई

पिकअप वाहन के चालक ने पुलिस को बताया कि तिरैया से लौटने के समय सड़क पूरी तरह से खाली थी, काठिया गांव के मोड़ के पास एक तेज वाहन की लाइट आंखों में पड़ने की वजह से उसकी ▸▸ शेष पेज 5 पर

सड़क हादसे में इनकी मौत हुई

अग्निया साहू, मधु साहू, खुशबू साहू, रिकेश निषाद, ट्विंकल निषाद, भूरी निषाद, नीरा साहू, गीता साहू, रतना साहू के नाम शामिल हैं। एम्स के कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल के मुताबिक अस्पताल में भर्ती डिंपल के पैर में फ्रेक्चर है तथा उषा के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, जिनका उपचार न्यूरो सर्जन कर रहे हैं। महिला की स्थिति गंभीर है।

DEALER | **RAIPUR** :Friends Electronics 7771029557 • **RAJIM** :Shailesh Electronics 9302416494 • **ABHANPUR:** Bhairunath Electronics 9893701415 • **AARANG:** Deeksha Electronics 9977258421 • **MANDIRHASAUD** : Ravindra Electronics 9329467124 • **BHILAI-3** : Parakh Brothers 8319216002 • **DONGARGARH** :Bindal Electronics 7697978787,9697978787, Kesarwani Marketing 9425569228 • **DONGARGAON** : Chamma Electronics 9993399266 • **SARAIPALLI** :Shree Electricals & Electronics 9691847410 • **GARIYABAND** :Raza Traders 9981048601 • **PAKHANJORE**:Rajesh Electronics 6266221051 • **BANDE:** Sukendra Radio 9425599637 • **SIMGA** :Arun Electronics 8889866868 • **BEMETARA:** Suresh TV and Enterprises 9981738385 • **BALODABAZAR** :Kiran Furnitures & Electronics 9826145234, 9039736400 • **SHEORINARAYAN** : Kesarwani Enterprises 9406085396 • **BANDHABAZAAR** : Thakkar Electronics 7999446799 • **PANDATARAI** : Shivam Mobile 9893424318 • **CHHURIYA** : Arihant Enterprises 9424238072 • **MAHASAMUND** : Kishore Radio 9302713300, Ashirvad Mobile 8959582001 • **BEMETARA** : J.S. Furniture 9993785719 • **KESHKAL** : Muskan Metal and Gift Corner 9893193992 • **NARAYANPUR** : Sidharth Electronics 7587809000 • **BHANUPRATAPPUR** : Radio Corner 9424123811 • **BIJAPUR** : Sanjay Trading Company 9425226664 • **GANDAI** : Uttam Enterprises 9993250248 • **SUKMA** : Arihant Markating 7587883211, New Maheshwari Electronics 9406468000 • **KORAR** : Jagdamba Electronics 6260120137 • **DHAMTARI** : National Electronics 9770641677,Shree Electronics 9827113968 • **CHUIKHADAN** : Sony Electronic 8120872391, Dewangan Electronics 9399684041 • **SARIYA** : Munna ELECTRONICS 9752903139 • **JALBANDHA** : Om Electronics 9669056131 • **BEMETARA** : Arora Radio 9993785719 , 9425561359 • **BHATAPARA** : Prakash Modi & Company 9826119411 • **BERLA** : Vandana Electronic 7694069502 • **AHIWARA** : Mamta TV 7000767957 • **DHAMTARI** :Chitra Palace 91 86548 06336 • **RAJIM** :Maa Kara Electronics 98265 08703, Himalaya Electronics 98266 42526 • **PATAN** :Shubham Enterprises 99775 59869 • **RANITARAI** : Anil Enterprise 99932 41891, 79990 76186, Neha Electronics 9752024691 • **RAJNANDGAON** : Shree Hari Om Electronic 9827107557, SK Furniture 7000727822

रायपुर

मंगलवार, 30 अप्रैल 2024

बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी

वर्ष : 22, अंक : 282

पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम

अधि. 41.0

न्यून. 26.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

09 सिंधू-लक्ष्य और प्रणय समेत सात बैडमिंटन

विचार पेज

04 अब विकास मॉडल में सुधार जरूरी

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

INDIAN PREMIER LEAGUE 2024 स्कोर बोर्ड

दिल्ली 153/9 VS कोलकाता 157/3

7 विकेट से जीती केकेआर

3 विकेट : वरुण चक्रवर्ती प्लेयर ऑफ द मैच

आज का मैच

मुंबई VS लखनऊ

समय : शाम 7.30 बजे

खबर संक्षेप

वायुसेना ने मरीजों को चंडीगढ़ से पहुंचाया लेह

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने गंभीर रूप से बीमार दो मरीजों को एएन-32 विमान के जरिए लेह से चंडीगढ़ पहुंचाया। भारतीय वायुसेना और स्थानीय नागरिक प्रशासन की योजना ने दो लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मरीजों को निकालने का अनुरोध मिलने के बाद कार्रवाई की गई।

सोनू सूद का व्हाट्सएप 61 घंटे बाद बहाल

नई दिल्ली। अभिनेता सोनू सूद ने रविवार को बताया कि वह 61 घंटे बाद अपने व्हाट्सएप अकाउंट का फिर से इस्तेमाल कर पा रहे हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने शुक्रवार को इस बारे में शिकायत की थी। सूद ने 'एक्स' पर लिखा, आखिरकार मेरा व्हाट्सएप अकाउंट फिर से चालू हो गया।

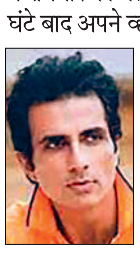

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीनिवास प्रसाद का निधन

बेंगलुरु। कर्नाटक के चामराजनगर से भाजपा के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री वी श्रीनिवास प्रसाद का सोमवार को निधन हो गया। वह 76 वर्ष के थे। प्रसाद के परिवार में उनकी पत्नी और तीन बेटियां हैं। प्रसाद चामराजनगर से छह बार सांसद और मैसूरु जिले के नंजनगुड से दो बार विधायक चुने गए। वह पिछले कुछ समय से बीमार थे।

दो बाइक की टक्कर में भाई-बहन की मौत

अमेठी। अमेठी जिले के मोहन गंज थाना क्षेत्र में बड़ी नहर के पास दो बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर में भाई व बहन की मौत हो गई। हादसे में एक महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूरज कुमार (28) और उनकी बहन रीता देवी (18), मां ननका देवी (60) एक बाइक पर सवार होकर रविवार देर शाम जा रहे थे।

नियम बदलकर भर्ती पर सरकार सख्त, चेताया-अपनी मर्जी से विभाग नहीं बदल सकते नियम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में कुछ सरकारी विभागों ने सरकार की अनुमति लिए बिना भर्ती नियमों में बदलाव कर भर्तियां कर लीं? इस बारे में जानकारी सामने आने पर सामान्य प्रशासन विभाग ने ये आदेश जारी किया है कि सामान्य प्रशासन विभाग का अभिमत और सहमति लिए बिना प्रशासकीय विभाग अपने विभाग के भर्ती नियम नहीं बदल सकते। अब सरकार ने सभी विभागों को बताया कि अगर ▶▶|शेष पेज 5 पर

न्यायालयीन प्रकरण बनने की संभावना

सरकार ने माना है कि प्रशासकीय विभागों द्वारा अपने विभागों के भर्ती नियम बदलने की वजह से न्यायालयी प्रकरण बनने की संभावना है। इसे इस तरह समझा जा सकता है कि अगर किसी विभाग ने अपने हिसाब से भर्ती नियम में बदलाव करके भर्तियां कर ली तो जाहिर है इसमें नियम प्रक्रिया का उल्लंघन होगा। ऐसे में भर्ती से वंचित कोई भी व्यक्ति अदालत में जा सकता है। इसकी वजह से पूरी भर्ती प्रक्रिया पर भी रोक लगाने का आदेश जारी हो सकता है।

अब विभागीय मंत्री का अनुमोदन भी कराना होगा

पीएससी की अनुमति भी आवश्यक

इसी निर्देश में कहा गया है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिए गए अभिमत के आधार पर सामान्य प्रशासन द्वारा अनुमोदित संशोधन अधिसूचना का प्रारूप छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की सहमति भी आवश्यकतानुसार प्राप्त करनी होगी। इसके अलावा विधि और विधायी विभाग से परिमार्जन कराकर अधिसूचना का छत्तीसगढ़ के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित कराना होगा। राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना की प्रति भी सामान्य प्रशासन विभाग को भेजें और इसके बाद ही भर्ती की जाए।

भारसाधक मंत्री का अनुमोदन जरूरी

सामान्य प्रशासन विभाग ने एक तरफ विभागों की गड़बड़ी पकड़ी है। लेकिन इसके साथ ही विभागों को बताया कि अगर भर्ती नियम में बदलाव करना भी हुआ तो क्या प्रक्रिया अपनानी होगी। इस संबंध में कहा गया है कि प्रशासकीय विभागों द्वारा उनके भर्ती नियम में प्रस्तावित संशोधन किया जाना हो तो सबसे पहले भर्ती नियम में प्रस्तावित संशोधन के संबोधन के संबंध में विभाग के भारसाधक मंत्री का प्रशासकीय अनुमोदन प्राप्त करना होगा। इसके साथ ही अभिमत के लिए सामान्य प्रशासन विभाग की नियम शाखा को भेजना होगा।

पिछले 35 साल से इंदौर लोकसभा सीट पर जीत सपने देख रही कांग्रेस को बड़ा झटका

कांग्रेस का 'अक्षय-बम' फूटा, चुनाव मैदान छोड़ा, थामा भाजपा का दामन!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| इंदौर

अक्षय कांति बम सोमवार को स्थानीय भाजपा विधायक रमेश मेंदोला के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और अपना पर्चा वापस लिया। लौटते वक्त वह पत्रकारों के सवालों को अनसुना करते हुए मेंदोला के साथ गाड़ी में बैठकर रवाना हो गए। जिलाधिकारी आशीष सिंह ने बम के नामांकन वापस लेने की पुष्टि की। उन्होंने संवाददाताओं को बताया, कांग्रेस उम्मीदवार बम समेत तीन उम्मीदवारों ने आज तय प्रक्रिया के तहत अपना नामांकन वापस लिया। इस प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है। इंदौर सीट के उम्मीदवारों के लिए नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 29 अप्रैल (सोमवार) थी। इस क्षेत्र में 13 मई को मतदान होगा और चार जून को मतगणना की जाएगी। इस बीच, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ▶▶|शेष पेज 5 पर

पिछले 35 साल से इंदौर लोकसभा सीट पर जीत की बाट जोह रही कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने पार्टी को तगड़ा झटका दिया है। सोमवार को नामांकन वापसी के आखिरी दिन अपना पर्चा वापस ले लिया। इसके बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया है और जल्द ही पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल हो सकते हैं।

» भाजपा विधायक रमेश मेंदोला के साथ पहुंचे कांग्रेस प्रत्याशी

» अक्षय कांति बम के नामांकन वापसी की कलेक्टर ने की पुष्टि

भाजपा ने जारी की तस्वीर भाजपा की ओर से इस मौके पर एक तस्वीर भी जारी की गई जिसमें उनके साथ राज्य के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और अन्य पार्टी नेता खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर में बम को भाजपा के चुनाव चिह्न 'कमल' वाला अंगवस्त्र पहने हुए देखा जा सकता है। बम जल्द ही औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता लेंगे। इस बीच, बम के पत्रकार कॉलोनी स्थित घर के बाहर बैरिकेड लगाकर पुलिस तैनात कर दी गई है।

कांग्रेस ने नए चेहरे को दिया था मौका

गौरतलब है कि इंदौर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का गृह क्षेत्र भी है। भाजपा का मजबूत गढ़ कहे जाने इंदौर में कांग्रेस ने एकदम नये-नवेले चेहरे बम (45) को अपना उम्मीदवार बनाया था। बम पेशे से कारोबारी हैं और उनका परिवार निजी महाविद्यालयों का संचालन करता है।

कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष ने जताई नाराजगी

इंदौर की शहर कांग्रेस इकाई के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पार्टी संगठन पर खुलकर नाराजगी जताई। यादव ने कहा, मैंने खुद इंदौर से चुनाव लड़ने के लिए टिकट मांगा था, लेकिन मेरी और मेरे जैसे कई जमीनी कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई।

मल्लिकार्जुन की आज शिवरीनारायण, शाह की कल कोरबा में सभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए भी भाजपा और कांग्रेस ने लगातार सभाओं की तैयारी की है। मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जांजगीर चांपा के शिवरीनारायण में सभा होगी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की सभा बुधवार को कोरबा में सभा होगी। इसके दूसरे दिन कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की भी कोरबा में सभा होगी। अमित शाह की सभा की तैयारी के लिए चुनाव प्रभारी नितिन नवीन के साथ कई नेता कोरबा पहुंच गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय ▶▶|शेष पेज 5 पर

■ शाह की सभा की तैयारी में जुटे भाजपा नेता

शाह की सभा की तैयारी

केंद्रीय मंत्री अमित शाह की बुधवार एक मई को कोरबा में सभा होगी। इस सभा की तैयारी के लिए भाजपा के चुनाव प्रभारी नितिन नवीन के साथ ही भाजपा के विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, प्रदेश संगठन के महामंत्री संजय श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी कोरबा में हैं। भाजपा नेता लगातार सभा स्थल पर तैयारियों का जायजा ले रहे हैं।

23 नक्सलियों ने छोड़ी हिंसा की राह, किया आत्मसमर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

■ आत्मसमर्पित माओवादी भैरमगढ़ एरिया कमेटी में थे सक्रिय

लोन वार्राटू अभियान में 29 अप्रैल को 23 माओवादियों ने पुलिस उप महानिरीक्षक दंतेवाड़ा कमलोचन कश्यप, पुलिस उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ विकास कठेरिया, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, द्वितीय ▶▶|शेष पेज 5 पर

संवाद व संपर्क से मिल रही सफलता

जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान तथा छग शासन की पुनर्वास नीति के तहत विगत कुछ माह में जिला पुलिस बल और सीआरपीएफ द्वारा भटके हुए माओवादियों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए संपर्क एवं संवाद किया जा रहा है।

कुंडला सिटी में हुई घटना

इलेक्ट्रिक स्कूटी में ब्लास्ट से घर में आग, तीन झुलसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

शहर की पॉश कालोनी कुंडला सिटी स्थित एक मकान में बीती रात आग लग गई। घर के बाहर चार्ज में लगी इलेक्ट्रिक स्कूटी में विस्फोट के बाद आग लगने की बात कही जा रही है। ब्लास्ट के बाद आग ▶▶|शेष पेज 5 पर

ग्रिल काटकर निकाला गया

इधर, आग लगने के बाद घर में मौजूद तीन बच्चों सांड तीन परिवार के सदस्य आग की लपटों के बीच फंस गए थे। इसके बाद पुलिस व दमकल की टीम द्वारा पहले मंजिल मे फंसे हुए लोगों को पहले निकाला गया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एनसीईआरटी को दिया आदेश

अब हर साल अपडेट होंगी पाठ्यपुस्तकें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) से अपनी पाठ्यपुस्तकों की सालाना आधार पर समीक्षा करने और नया अकादमिक सत्र शुरू होने से पहले इन्हें अपडेट करने को कहा है। अबतक, एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों को अद्यतन करने पर कोई दिशानिर्देश नहीं था। सूत्रों ने बताया, आज ▶▶|शेष पेज 5 पर

तीसरी और छठी के लिए नई पाठ्यपुस्तकें

इस साल, एनसीईआरटी ने तीसरी और छठी कक्षाओं के लिए नयी पाठ्पुस्तकें जारी की हैं। नया शैक्षणिक सत्र 1 अप्रैल से शुरू हो गया। नए सिलेबस के हिसाब से किताबों के पैटर्न में भी बदलाव होने जा रहा है।

जरूरत के हिसाब से किया जाएगा बदलाव

शिक्षा मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि आज तेजी से बदलते वक्त में ये जरूरी है कि किताबें अपडेटेड रहें। इस वजह से एनसीईआरटी को हर साल किताबों का रिव्यु करने और जरूरत के हिसाब से उनमें बदलाव करने को कहा गया है। हर साल एकेडमिक सेशन शुरू होने से पहले किताबों को अपडेट किया जाएगा।

शिक्षण सत्र 25-26 से नई किताबें

एनसीईआरटी न्यू करिकुलम फ्रेमवर्क के हिसाब से हर क्लास के लिए नए सिरे से किताबें डिजाइन कर रहा है। शिक्षण सत्र 2025-26 से नई एनसीईआरटी किताबों से पढ़ाई होगी। नए सिलेबस के साथ एनसीएफ टेक्स्टबुक डिजाइनिंग फ्रेमवर्क है। 2023 में एनसीएफ के हिसाब से नए सिलेबस और नए पैटर्न में किताबें डिजाइन करने की घोषणा की गई थी।

रायपुर, मंगलवार 30 अप्रैल 2024 haribhoomi.com

हरिभूमि रण भूमि
लोकसभा
सत्ता संग्राम-2024

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में सोमवार को होम वोटिंग की शुरुआत हुई, जो कि 01 मई तक चलेगी। सुबह कलेक्टर ने मतदाताओं दल को गुलाब फूल देकर शुभकामनाओं सहित रवाना किया। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में 85 प्लस वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांग मतदाता को चिन्हित किया गया है। जिनकी संख्या 622 है। इसमें बलौदाबाजार में 63, भाटापारा में 50, धरसींवा में 66, रायपुर ग्रामीण में 85, रायपुर नगर पश्चिम में 56, रायपुर नगर उत्तर में 45, रायपुर नगर दक्षिण में 67, आरंग में 60 और अभनपुर में 130 शामिल है।

होम वोटिंग का पहला दिन

बुजुर्गों, दिव्यांगजनों में दिखा उत्साह, निर्वाचन आयोग को दिया धन्यवाद

घर जाकर कराया गया मतदान

01 मई तक चलेगी जिले में वोटिंग लोकसभा में 622 मतदाता करेंगे होम वोटिंग

आमने/सामने

मोदी राज में महंगाई, बेरोजगारी की विकास हुआ: सुरेंद्र वर्मा

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी राज में केवल महंगाई, बेरोजगारी और असमानता का विकास हुआ है। विगत 10 वर्षों में रोजगार की समस्या साल दर साल बढ़ती ही गई है। हाल ही में जारी सीएमआईई के आंकड़ों के अनुसार देश में 45 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं जिन्होंने अब निराश होकर काम की तलाश ही छोड़ दी है, इनमें महिलाएं ज्यादा हैं।

मोदी सरकार ने हर वर्ग के लिए किया काम संजय श्रीवास्तव

भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा, केंद्र की मोदी सरकार ने हर वर्ग के लिए काम किया है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए कांग्रेस झूठ बोलकर जनता में भ्रम फैलाने का काम कर रही है। जनता अब कांग्रेस की किस भी बात में आने वाली नहीं है। जनता से मोदी सरकार के दस साल का काम देखा है। इस बार जनता उनके काम पर ही मतदान करने वाली है।

राजनाथ का रोड-शो

लखनऊ। रक्षा मंत्री और भाजपा उम्मीदवार राजनाथ सिंह ने लखनऊ, यूपी में सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले रोड शो के दौरान, उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी विशेष रूप से मौजूद थे।

अरुण गोविल की एक्स पर डिलीट पोस्ट ने मचाई खलबली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा प्रत्याशी व पर्दे के राम अरुण गोविल चुनाव खत्म होते ही मुंबई के लिए रवाना हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अरुण गोविल को मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के 'राम' के जाने से पूरे शहर में अरुण गोविल को लेकर चर्चा है। वहीं उनके मुंबई पहुंचते ही एक्स पर किए गए एक ट्वीट ने सियासी हलचल तेज कर दी है। हालांकि बाद में उन्होंने इसे डिलीट कर दिया था। अरुण ने ट्वीट किया था- ' जब किसी का दोहरा चरित्र सामने आता है तो उससे अधिक स्वयं पर क्रोध आता है कि हमने कैसे आंख बंद करके ऐसे इंसान पर भरोसा किया।' वहीं अरुण गोविल ने इस ट्वीट के जरिए क्या इशारा किया है, और बिना नाम लिए वह किस पर तंज कस रहे हैं, इस मामले में भाजपा नेता कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। हालांकि विपक्ष ने इसको लेकर निशाना साधा है। विपक्ष के नेता भी पूछने लगे कि आखिर किस नेता का दोहरा चरित्र सामने आया है।

ईरानी ने भी भरा नामांकन

अमेठी। केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले उन्होंने अमेठी में रोड शो भी किया, जिसमें उनके साथ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी विशेष रूप से मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ में 7 मई को होना है अंतिम चरण का मतदान

6 सीटें जहां 23 साल से हार रही कांग्रेस बड़े नेता भी नहीं लगा सके नैय्या पार

कांग्रेस की सरकार बनी तब भी पार्टी को नहीं मिली जीत

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

लोकसभा चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ में अंतिम चरण का मतदान 7 मई को होना है। इस दिन बिलासपुर के साथ ही रायपुर, सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर चांपा, कोरबा और दुर्ग सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें से कई ऐसी सीटें हैं जहां राज्य गठन के बाद कांग्रेस कभी नहीं जीती। इनमें बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कांकेर, रायगढ़, रायपुर और सरगुजा लोकसभा सीट शामिल है। यह सीटें पिछले 23 साल से भाजपा का गढ़ बनी हुई हैं। प्रदेश में सरकार बनने के बाद भी कांग्रेस इसमें सेंध नहीं लगा सकी जबकि कांग्रेस के बड़े नेता इन सीटों पर चुनाव लड़ चुके हैं।

करुणा शुक्ला

डॉ चरणदास महंत

जांजगीर-चांपा

राज्य गठन के बाद जांजगीर-चांपा लोकसभा सीट पर 2004 से 2019 तक भाजपा जीतती आ रही है। 2004 में इस लोकसभा सीट में बीजेपी की करुणा शुक्ला ने कांग्रेस के डॉ चरणदास महंत को 11329 मतों से हराया था। 2009 में बीजेपी की कमला देवी पटले ने कांग्रेस के डॉ. शिवकुमार डहरिया पर 87211 वोटों से जीत दर्ज की थी। 2014 में बीजेपी की कमला पटले ने कांग्रेस के प्रेमचंद जायसी 391978 वोटों से हार गए थे। इसी तरह 2019 में बीजेपी के गुहाराम अजगले ने कांग्रेस के रवि परसराम भारद्वाज को 83255 वोटों से मात दी थी।

विष्णुदेव साय

रामपुकार सिंह

रायगढ़

इस सीट पर 2004 से 2019 तक कांग्रेस को जीत नहीं मिल सकी है और भाजपा का कब्जा बरकरार है। 2004 में यहां से बीजेपी से विष्णुदेव साय ने कांग्रेस के रामपुकार सिंह को हराया, 2009 में साय फिर उम्मीदवार बने और कांग्रेस के हृदयराम राठिया से जीते। 2014 में फिर साय ने कांग्रेस की आरती सिंह को परास्त किया। 2019 में बीजेपी से गोमती साय ने कांग्रेस के लालजीत सिंह राठिया को 66027 वोटों से हराया।

रमेश बैस

श्यामाचरण शुक्ला

रायपुर

रायपुर लोकसभा सीट पर 2004 से 2019 तक भाजपा को जीत मिलती रही है। में बीजेपी से रमेश बैस लगातार तीन चुनाव जीते। 2004 में उन्होंने कांग्रेस के श्यामाचरण शुक्ला को तो 2009 में भूपेश बघेल को, 2014 में सत्यनारायण शर्मा को शिकस्त दी। 2019 में बीजेपी के सुनील सोनी ने कांग्रेस के प्रमोद दुबे को मात दी थी।

बिलासपुर

राज्य गठन के बाद बिलासपुर लोकसभा सीट पर 2004 से 2019 तक बीजेपी का कब्जा रहा है। 2004 में बीजेपी से पुन्नलाल मोहले और कांग्रेस से बसंत पहरे चुनाव लड़े थे। पुन्नू लाल मोहले को 324729 वोट मिले जबकि बसंत पहरे 81553 वोटों से हार गए थे। 2009 में बीजेपी से दिलीप सिंह जूदेव और कांग्रेस से डॉ. रेणु जोगी ने चुनाव लड़ा था। इसमें दिलीप सिंह जूदेव को 347930 वोट मिले थे। डॉ. रेणु जोगी से उनकी जीत का मार्जिन 20139 था। 2014 में बीजेपी से लखनलाल साहू और कांग्रेस से करुणा शुक्ला खड़ी हुईं थीं। लखनलाल साहू को 561387 वोट मिले थे। करुणा शुक्ला से उनकी जीत का मार्जिन 124359 था। इसी तरह 2019 में अरुण साव ने कांग्रेस के अटल श्रीवास्तव 141763 वोटों से हराया था।

सरगुजा

2004 में इस लोकसभा सीट में बीजेपी से नंद कुमार साय ने कांग्रेस से खेलसाय सिंह को 103452 से हराया। 2009 में बीजेपी से मुरारीलाल सिंह ने कांग्रेस के भानूप्रताप सिंह को 159548 से मात दी। 2014 में सरगुजा लोकसभा सीट में बीजेपी से कमलभान सिंह मरावी और कांग्रेस से रामदेव राम मैदान में थे। इस चुनाव में कमलभान ने रामदेव को 147236 से हराया। 2019 में बीजेपी की रेणुका सिंह ने कांग्रेस के खेलसाय सिंह को 157873 से परास्त किया।

कांकेर

कांकेर लोकसभा सीट पर 2004 से 2019 तक बीजेपी का कब्जा रहा। 2004 में बीजेपी से सोहन पोटई ने कांग्रेस के गंगा पोटई ठाकुर को 73626 वोटों से वहीं, 2009 में सोहन पोटई ने कांग्रेस की फूलो देवी नेताम को 19288 मतों से परास्त किया था। 2014 में बीजेपी के विक्रम देव उसेंडी ने फूलोदेवी नेताम को 35158 वोटों से मात दी। 2019 में बीजेपी से मोहन मंडावी ने बीरेश ठाकुर 6914 मतों से हराया।

अमित शाह बोले- पीएम पद परचून की दुकान नहीं

'एक साल पवार और एक साल ममता, कुछ बचा तो राहुल'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इंडिया गठबंधन पर हमला करते हुए कहा, "इस देश ने 3 दशकों तक अस्थिरता की कीमत चुकाई, 3 दशकों तक अस्थिर सरकारें चलीं, लेकिन पिछले 10 सालों में देश को एक मजबूत नेतृत्व मिला है, देश को स्थिरता मिली है। अमित शाह ने इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि अब अगर इंडी गठबंधन कहता है कि शरद पवार को एक साल के लिए प्रधानमंत्री चुना जाएगा, ममता जी को एक साल के लिए चुना जाएगा, स्टालिन को एक साल के लिए चुना जाएगा और कुछ बचेगा तो राहुल जी बन जाएंगे, इस तरह से देश नहीं चलता है। पीएम पद परचून की दुकान नहीं है।

पीएम मोदी के खिलाफ याचिका खारिज

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा

'चुनाव आयोग को आदेश नहीं दे सकते'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दाखिल की गई एक याचिका खारिज कर दी है। इस याचिका में पीएम मोदी के 6 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक की मांग की गई थी।

हाई कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा है कि चुनाव आयोग को यह आदेश नहीं दे सकते कि वो कैसे काम करे। याचिकाकर्ता ने पीएम मोदी पर देवी देवताओं के नाम पर वोट मांगने का आरोप लगाया था। जस्टिस सचिन दत्ता ने कहा कि याचिका पूरी तरह से गलत है। कोर्ट ने चुनाव आयोग की उस दलील पर भी गौर किया जिसमे याचिकाकर्ता की अपील पर फैसला लेने की बात की गई थी।

मायावती के भतीजे पर हिंसा भड़काने का केस

आकाश आनंद के बोल

'बीजेपी वाले आएं तो चप्पल-जूते मारो'

एजेंसी ▶▶| सीतापुर

मायावती के भतीजे और बसपा के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर आकाश आनंद ने यूपी के सीतापुर में विवादित बयान दिया है। इसके बाद प्रशासन ने आकाश आनंद समेत 35 लोगों के खिलाफ हिंसा भड़काने के मामले में केस दर्ज कर लिया। बसपा की जनसभा में आकाश ने भाजपा की यूपी और केंद्र सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने कहा, इनकी नीयत नहीं है। इनकी इच्छा नहीं है कि आप कभी रोजगार में आ जाओ। ऐसी सरकार जो कभी रोजगार नहीं देती पढ़ने नहीं देती। ऐसी सरकार का कोई हक नहीं आपके बीच आने का। ऐसे लोग अगर आपके बीच में जाएं तो वोट की जगह जूता और चप्पल मारने का काम करना।

अटल बिहारी वाजपेयी, राजीव गांधी, चंद्रशेखर, वीपी सिंह, चौधरी चरण सिंह जैसे कई बड़े नाम

दिल्ली में यूपीराज...देश को दिए सबसे ज्यादा 9 प्रधानमंत्री

भारत का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, यह लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम तय करेंगे। देश के वर्तमान पीएम नरेंद्र मोदी को इस पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वह लोकसभा चुनाव 2024 के लिए एनडीए गठबंधन के पीएम फेस हैं। भारत देश का प्रधानमंत्री पद अब तक कुल 15 लोग संभाल चुके हैं, इनमें गुलजारी लाल नंदा भी शामिल हैं। उन्होंने दो बार बतौर एक्टिंग पीएम देश की कमान संभली। आइए आपको बताते हैं भारत के पीएम पद से जुड़े कुछ खास तथ्य।

पीवी नरसिम्हा राव दक्षिण से पहले तो मोदी लगातार दो टर्म पूरे करने वाले चौथे प्रधानमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश ने देश को सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री- देश के पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू, दूसरे पीएम लाल बहादुर शास्त्री, तीसरी पीएम इंदिरा गांधी यूपी से चुनकर ही लोकसभा पहुंचे थे। देश के वर्तमान पीएम नरेंद्र मोदी वैसे तो गुजरात से संबंध रखते हैं लेकिन वह भी दोनों बार यूपी की वाराणसी लोकसभा सीट से ही चुनकर संसद पहुंचे हैं। यूपी ने भारत को अब तक कुल 9 प्रधानमंत्री दिए हैं, जिनमें राजीव गांधी, चंद्रशेखर, वीपी सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी और चौधरी चरण सिंह शामिल हैं।

नेहरू गांधी परिवार से तीन प्रधानमंत्री- नेहरू गांधी परिवार ने अब तक देश को तीन प्रधानमंत्री दिए हैं। देश के पहले पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू लगातार तीन चुनाव जीतकर देश के पीएम बने। पंडित जवाहर लाल नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी देश की तीसरी पीएम थीं। इंदिरा गांधी ने करीब 16 साल देश की कमान संभाली। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री बने। वह पांच साल तक पीएम रहे। बतौर पीएम कार्यकाल पूरा करने वाले पहले गैर कांग्रेसी से अटल बिहारी वाजपेयी- बीजेपी नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने कुल तीन बार देश की बागडोर संभाली। उनका पहला कार्यकाल महज 13 दिन का था, जो अब तक के प्रधानमंत्रियों में सबसे छोटा है। हालांकि अटल बिहारी वाजपेयी 1999 चुनाव के बाद जब तीसरी बार पीएम बने तो उन्होंने पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा किया। वह बतौर पीएम कार्यकाल पूरा करने वाले पहले गैर कांग्रेसी पीएम थे।

राव, मनमोहन पहले पीएम

पीवी नरसिम्हा राव साउथ से पहले, मनमोहन सिंह एकमात्र सिख- पीएम पद तक पहुंचने वाले नेताओं में कांग्रेस पार्टी के पीवी नरसिम्हा राव भी शामिल हैं। पीवी नरसिम्हा राव जून 1991 में भारत के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने पूरे पांच साल सरकार चलाई। वह दक्षिण भारत से संबंध रखने वाले देश के पहले पीएम थे। इसी तरह सरदार मनमोहन सिंह ने साल 2004 भारत के प्रधानमंत्री बने। उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने 2009 का लोकसभा चुनाव जीता। सिख समुदाय से संबंध रखने वाले वह पहले पीएम थे।

क्या नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार बनेंगे पीएम?

लगातार दस साल सरकार चलाने वाले पहले गैर कांग्रेसी पीएम नरेंद्र मोदी- नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में पीएम पद की शपथ ली। इसके बाद वह साल 2019 में दोबारा भारत के प्रधानमंत्री बने। इससे पहले जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह ही ऐसे पीएम जो लगातार दस सा भारत के प्रधानमंत्री रहे। नरेंद्र मोदी यह उपलब्धि हासिल करने वाले देश के पहले गैर कांग्रेसी पीएम हैं।

झूठे आरोप लगाकर छवि धूमिल करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

मुंबई। भोजपुरी फिल्मों के स्टार रवि किशन को अपना पिता बताने वाली महिला ने डीएनए टेस्ट की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया है और मामले में कुछ भी ऐसा नहीं पाया जिससे टेस्ट की जरूरत पड़े। अब इस पर रवि किशन की ओर से बयान आया है कि इन लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। इस केस में जिन-जिन लोगों ने छवि धूमिल करने का प्रयास किया है उन सबको जेल जाना होगा। इसमें जो भी बड़े-बड़े नाम शामिल हैं उनमें से किसी को भी माफ नहीं किया जाएगा और वो आरोप लगाने वाली महिला भी जल्द ही जेल जाएगी। गोरखपुर से वर्तमान सांसद रवि किशन को अपना पिता बताकर उनके डीएनए टेस्ट की अर्जी लगाने वाली महिला शिनोवा शुक्ला को अदालत से फटकार मिली है।

लाइफ Style

जैस्मीन

इस साल शादी करेंगी अली गोनी से

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अली गोनी और जैस्मीन भसीन अपने 'बिग बॉस' के दिनों से ही हमारा दिल जीत रहे हैं। हमने घर में रहने के दौरान दोनों के बीच का प्यारा रिश्ता देखा, जिससे पता चला कि कैसे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई।

आख़िरकार, जैस्मीन और अली ने नेशनल टेलीविजन पर एक-दूसरे के लिए अपने प्यार का इज़हार किया और जल्द ही लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। जब वे दोनों अपने डेटिंग फेज का भरपूर आनंद ले रहे हैं, उनसे अक्सर उनकी शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा जाता है। इस बार अली ने इस पर रिएक्ट किया है। जैस्मीन भसीन और उनके बॉयफ्रेंड अली गोनी पिछले कुछ सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। बता दें, जैस्मीन और अली पहली बार मुंबई एयरपोर्ट पर मिले थे, जब वे 'खतरों के खिलाड़ी' की टीम के साथ अर्जेंटीना के लिए रवाना हो रहे थे। हालांकि, बिग बॉस 14 के घर के अंदर उनके रहने के बाद से उन्हें एक-दूसरे से प्यार हुआ और वे तब से एक साथ हैं। वे कई म्यूजिक वीडियो में एक साथ दिखाई दिए हैं और उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को उनके फैंस काफी पसंद करते हैं। जहां हर कोई जैस्मीन भसीन और अली गोनी की शादी के बारे में जानने के लिए एक्साइटेड है, वहीं अली गोनी ने हाल ही में अपनी शादी के बारे में एक बड़ा संकेत दिया है। 'इंस्टेंट बॉलीवुड' के साथ अपनी बातचीत के दौरान, अली ने खुलासा किया कि उनकी मां उन्हें और जैस्मीन को शादी करने के लिए कह रही हैं।

हॉलीवुड मसाला

जेनिफर ने दिखाया एक्शन का दम

मुंबई। जेनिफर लोपेज स्टारर एटलस का टीजर पिछले महीने रिलीज किया गया था , जो ऑडियंस को खूब पसंद आया था। अब फिल्म का ट्रेलर भी जारी हो गया है। जेनिफर लोपेज को आपने कई किरदार में देखा होगा, लेकिन साइंस फिक्शन एक्शन थ्रिलर में एक्ट्रेस पहली बार नजर आएंगी। ट्रेलर में जेनिफर लोपेज छा गई हैं। जेनिफर लोपेज हॉलीवुड की बेहतरीन अदाकारा हैं। साल 1993 में डेब्यू करने वाली जेनिफर ने तीन दशक के करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है।

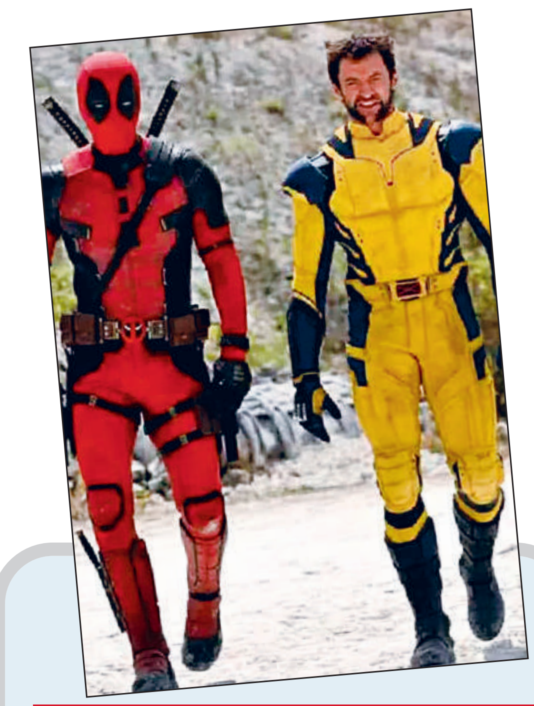

कैसेंड्रा नोवा है डेडपूल एंड वुल्वरीन की पॉवरफुल बॉल्ड विलेन..

मुंबई। डेडपूल एंड वुल्वरीन का मारवल के फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म के साथ लोगन का सात साल का वनवास खत्म होगा। 2017 में आई लोगन में वुल्वरीन की मौत दिखाई गई थी। हालांकि ट्रेलर आने के बाद सबसे ज्यादा चर्चा इस सुपरहीरो फिल्म की विलेन को लेकर है जो डेडपूर और वुल्वरीन दोनों के छक्के छुड़ाते नजर आ रही है। वुल्वरीन के फैंस खास तौर पर जश्न मना रहे हैं, क्योंकि इस 2017 में आई 'लोगन' में वुल्वरीन की मौत दिखाई जा चुकी है। अब सात साल बाद मारवल का यह दिलचस्प किरदार बड़े पर्दे पर वापसी कर रहा है। ट्रेलर में डेडपूल यानी वेड विल्सन और वुल्वरीन यानी लोगन के बीच की नोकझोंक फैंस को खूब पसंद आ रही है, मगर ट्रेलर के अंत में एक अन्य किरदार पर निगाहें थम जाती हैं। इसे बेहद ताकतवर बाल्ड कैरेक्टर को देखकर जहन में सवाल उठना लाजिमी है।

आयशा की सादगी देख यकीन नहीं होता

नई दिल्ली। रजा मुराद का सख्त सा चेहरा, कठोर सी आंखें और उनकी भारी भरकम आवाज ही फिल्मी दर्शकों को दहलाने के लिए काफी होती थी। उनकी ये आवाज ही उनकी पहचान बन गई। रजा मुराद मशहूर एक्टर मुराद के बेटे हैं। मुराद ने भी दशकों तक फिल्म इंडस्ट्री में काम किया। इस दौरान वो दिलीप कुमार, पृथ्वीराज कपूर जैसे कई उम्दा सितारों के साथ नजर आए। लेकिन परिवार की ये फिल्मी विरासत बेटी को नहीं मिली। रजा मुराद की बेटी उनके साथ इंस्टाग्राम पर तो दिखाई देती हैं, लेकिन फिल्मी पर्दे पर दिखाई नहीं दी। रजा मुराद की बेटी का नाम है आयशा मुराद। आयशा मुराद को आप रजा मुराद के इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों में देख सकते हैं। रजा मुराद अक्सर अपने परिवार के साथ तस्वीरें पोस्ट करते है जिसमें वो अपनी पत्नी, बेटी और बेटे के साथ दिखाई देते हैं।

राकेश जिम में करते हैं जी तोड़ मेहनत

नई दिल्ली। सिल्वर स्क्रीन पर आप एक्टर्स और एक्ट्रेसेज की फिटनेस के बड़े फैन होते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि अपना लुक मेंटेन करने के लिए इन्हें कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ये मेहनत केवल यंगस्टर्स ही नहीं करते बल्कि सीनियर एक्टर्स भी खुद को फिट रखने के लिए और पब्लिक लाइफ में रहने के लिए खासी मेहनत करते हैं। फिलहाल राकेश रोशन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राकेश जिम में जी तोड़ मेहनत करते नजर आ रहे हैं। 74 साल के राकेश का जिम शेड्यूल देखकर उनके बेटे ऋतिक रोशन भी हैरान रह गए। ऋतिक रोशन भी रह गए हैरानऋतिक ने पापा की तारीफ करते हुए उनकी रील शेयर की और लिखा, मतलब कैसे !!! हाउ? अनबिलीवेबल पापा।

टीवी मसाला

कपिल शर्मा के शो में देओल ब्रदर्स ने की जमकर मस्ती

नई दिल्ली। कपिल शर्मा एक बार फिर अपनी टीम के साथ वापसी कर चुके हैं। कपिल शर्मा टीवी के बाद अब ओटीटी पर कदम रख चुके हैं। नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में हर हफ्ते लोगों को हंसाने के लिए नेटफ्लिक्स पर आ जाते हैं। अब आने वाले एपिसोड में देओल ब्रदर्स यानी सनी देओल और बॉबी देओल आने वाले हैं। शो का प्रोमो आ गया है जिसमें कपिल शर्मा सनी देओल और बॉबी देओल के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। दोनों ही एक्टर्स को उनकी फिल्म गदर 2 और एनिमल की सक्सेस के लिए सभी ने बधाई भी दी और देओल ब्रदर्स ने कई राज भी खोले हैं।

कपिल ने लिए काशीपुर वाले निराला बाबा के मजे

द ग्रेट इंडियन कपिल शो का ये नया प्रोमो वीडियो लोगों को काफी पसंद आ रहा है। इस वीडियो में कपिल शर्मा बॉबी देओल के साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं।वीडियो में देखा जा सकता है कि आश्रम के काशीपुर वाले बाबा को लेकर बॉबी देओल के साथ कपिल शर्मा ने जमकर मस्ती की। कपिल कहते हैं- 'हम समझ गए जीवन का असली सुख आश्रम में ही है'। जिसके जवाब में बॉबी कहते हैं- 'लड्डू खाने हैं तो आ जाओ मेरे पास'। इसके जवाब में कपिल कहते हैं- पाजी लड्डू खाने में किसी को कोई प्रॉब्लम नहीं है लेकिन लड्डू खाने के बाद आप जो हरकतें करते हो ना... कपिल की ये बात सुनकर सभी लोग जोर-जोर से हंसने लगते हैं।

सनी देओल ने पापा धर्मेंद्र की बताई बात

उसके बाद सनी देओल वीडियो में बताते हैं।पापा कहते हैं आओ मेरे साथ बैठो दोस्त बनों। मैं बोलता हूं- पापा मैं आपको दोस्त बनकर बात बताऊंगा तो आप फिर पापा बन जाते हो। इस वीडियो को देखकर ही लग रहा है ये शो काफी मजेदार होने वाला है। जिसमें सुनील ग्रोवर भी बॉबी और सनी के साथ ढेर सारी मस्ती करेंगे। बता दें द ग्रेट इंडियन कपिल शो के आखिरी एपिसोड में आमिर खान आए थे। जिसमें उन्होंने अपनी फैमिली, पर्सनल लाइफ और काम को लेकर ढेर सारी बातें की। साथ ही उन्होंने फैंस को ऐसी बातें बताईं जो शायद ही पहले किसी को पता होंगी।

अक्षय के करियर को हॉरर फिल्म से ट्रैक पर लाएंगे प्रियदर्शन!

मुंबई। प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की सुपरहिट जोड़ी अब 14 साल बाद फिर साथ आने वाली है। प्रियदर्शन ने अक्षय के साथ अपनी नई फिल्म अनाउंस की है और साथ ही यह भी बताया है कि वह किस सब्जेक्ट पर आधारित होगी। प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार के साथ 'हेरा फेरी', भागमभाग', 'भूल भुलैया' और 'गरम मसाला' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। प्रियदर्शन ने बताया कि वह अभी तक वह अपनी डॉक्यू-सीरीज पर काम कर रहे थे, जो राम मंदिर के इतिहास पर बनी है। उन्होंने कहा, 'अब जब मैंने राम मंदिर के इतिहास पर अपनी डॉक्यू-सीरीज पूरी कर ली है, तो मैं अब अक्षय के साथ अपनी सबसे महत्वपूर्ण फिल्म पर काम शुरू कर रहा हूं।

गोवा, यूरोप व श्रीलंका समेत इन खूबसूरत जगहों पर हुई है 'कंगुवा' की शूटिंग

नई दिल्ली। स्टूडियो ग्रीन और सूर्या शिवकुमार द्वारा मैग्नम ओपस 'कंगुवा' के टीजर रिलीज के बाद से इसने हर जगह काफी उत्साह पैदा कर दिया है। इस शानदार टीजर में वह सब कुछ है, जो इसे हॉलीवुड प्रोडक्शन के लेवल का बनाता है: एक्सपर्टाइज, क्रिएटिव थिंकिंग, कंटेंट की ओरिजेनिलिटी, जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर और एक्जिक्यूशन टीजर ने देश भर में दीवानगी को बढ़ा दिया है। सभी को टीजर बहुत पसंद आ रहा है और दर्शक धमाकेदार एक्शन देखने का इंतजार कर रहे हैं।बॉबी देओल जहां इसमें खलनायक की भूमिका में हैं।वहीं सूर्या वीर योद्धा के किरदार में हैं, जिनके बीच जबरदस्त संग्राम देखने मिलने वाला है।

एक्शन सीन्स के लिए की 60 दिन की शूटिंग

कंगुवा बेशक इस साल आने वाली सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। मेकर्स ने इसे दर्शकों के लिए ना भूलने वाला अनुभव बनाने के लिए हर तरह की मुमकिन कोशिश की है। फिल्म दो अलग-अलग समय, अतीत और वर्तमान की कहानी कहती है। इसलिए उन्होंने इसे दुनिया भर में रीयल लोकेशस पर फिल्माया है। फिल्म को खास बनाए रखने के लिए मेकर्स ने इसे गोवा, यूरोप और श्रीलंका जैसी खूबसूरत जगहों पर फिल्माया है। उन्होंने वहां 60 दिन शूटिंग की, खास तौर पर एक्शन सीन्स के लिए।350 करोड़ के बजट वाली इस फिल्म के कुछ अहम हिस्से चेन्नई के पास और यहां तक कि पांडिचेरी में भी फिल्माए गए हैं. हाल ही में मेकर्स केरल और कोडईकनाल के जंगलों में सूर्या के साथ एक महत्वपूर्ण सीन को फिल्माया। पिछले अक्टूबर में, मेकर्स ने पूरी टीम के साथ बैंकॉक में तीन हफ्ते के शेड्यूल में शूटिंग की थी।

'मंगल लक्ष्मी' और 'कुंडली भाग्य' सीरियल 8वें और 9वें नंबर पर

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पहुंचा आखिरी पायदान पर

मुंबई। टीवी टीआरपी की लिस्ट दर्शकों की पसंद और नापसंद पर निर्भर करती है। इन दिनों 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के सितारे गर्दिश में हैं। ये सीरियल लुढ़ककर सबसे नीचे पहुंच गया है। 'उड़ने की आशा' ने टॉप 5 में अपनी जगह बना ली है। जैसे फिल्मों के लिए बॉक्स ऑफिस की रिपोर्ट तय करती है कि फिल्म हिट हुई या फ्लॉप, उसी तरह ब्रॉडकास्टिंग ऑडियंस रिसर्च काउंकिल की तरफ से टीवी सीरियल्स के लिए हर हफ्ते एक रिपोर्ट जारी होती है, ये बताती है कि कौन-सा सीरियल राज कर रहा है और किसे दर्शकों ने सिरे से नकार दिया है यानी नापसंद कर दिया है। 16वें हफ्ते की टीआरपी रिपोर्ट आ चुकी है और ये 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के फैंस के लिए बुरी खबर लेकर आई है। लेटेस्ट टीआरपी रिपोर्ट के मुताबिक, 'उड़ने की आशा' सीरियल ने टॉप 5 में अपनी एंट्री कर ली है। दूसरी तरफ रुपाली गांगुली का शो 'अनुपमा' हर बार की तरह इस बार भी टॉप पर अपनी जगह बनाए हुए है।

अनुपमा ने इस हफ्ते मारी बाजी

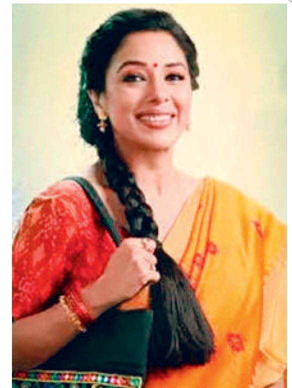

अनुपमा सीरियल 2.4 रेटिंग के साथ टीआरपी लिस्ट में टॉप पर है। दर्शकों को शो का नया ट्रैक पसंद आ रहा है। वहीं, हिबा और कुशाल अहूजा के 'झनक' ने दूसरे नंबर पर अपना कब्जा जमा लिया है। इस शो को 2.2 रेटिंग मिली है।'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल ने इस बार सरप्राइज दिया है। 1.9 की रेटिंग के साथ समृद्धि शुक्ला औ रोहित पुरोहित के शो को तीसरा स्थान मिला है।

'गुम है किसी के प्यार में' एक नंबर लुढ़का

शक्ति अरोड़ा स्टारर 'गुम है किसीके प्यार में' सीरियल टॉप 3 से लुढ़ककर अब चौथे नंबर पर खिसक गया है। इसकी रेटिंग 1.9 है। कंवर ढिल्लन और नेहा हरसोना के 'उड़ने की आशा' ने भी उड़ान भरी है। इसने 1.5 की रेटिंग के साथ टॉप 5 में जगह बना ली है।

'तारक मेहता...' को लगा झटका

कलर्स टीवी के माइथोलॉजिकल सीरियल 'शिवशक्ति' को नंबर 6 और साईं निकेतन-अद्रिजा रॉय स्टारर 'इमली' को सातवां स्थान हासिल हुआ है। 'मंगल लक्ष्मी' और 'कुंडली भाग्य' सीरियल 8वें और 9वें नंबर पर है। दिलीप जोशी के 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को झटका लगा है। ये लुढ़ककर 10वें नंबर पर पहुंच गया है।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर लापता लेडीज का धमाका

नई दिल्ली। किरण राव द्वारा निर्देशित जियो स्टूडियोज और आमिर खान प्रोडक्शंस की लापता लेडीज ने अपनी थियेटर रिलीज के साथ ही लोगों का दिल जीत लिया है। दर्शकों और आलोचकों ने फिल्म की अच्छी तरह से संरचित कहानी, मनोरंजन, सामाजिक संदेश, मुख्य कलाकारों के अभिनय और निर्देशन की खूब प्रशंसा की और यह साल की सबसे पसंदीदा और सकारात्मक समीक्षा वाली फिल्मों में से एक बन गई। अपने बेहतरीन थियेटर रन के बाद इस बहुचर्चित फिल्म को डिजिटल रिलीज पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

दर्शकों ने पूरे सोशल मीडिया पर फिल्म के लिए प्यार की बाढ़ ला दी और वे इसकी खूब प्रशंसा कर रहे हैं। हर तरफ से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने फिल्म को सोशल मीडिया पर 'टॉप 10' ट्रेंडिंग इंडियन मूवीज की सूची में नंबर 1 स्थान दिलाने में मदद की। डिजिटल रिलीज के बावजूद, फिल्म अभी भी कई सिनेमाघरों में चल रही है और शानदार गति बनाए हुए है।

दर्शकों की ओर से आने वाली हर प्रतिक्रिया से यह साफ पता चलता है कि किरण राव और उनकी बेहतरीन कहानी और निर्देशन ने सभी के दिमाग पर क्या असर छोड़ा है। आमिर खान प्रोडक्शंस की इस फिल्म ने दर्शकों को अपनी असीमित हंसी से बांधे रखा है। फिल्म में कॉमेडी और मनोरंजन का तड़का तो है ही, साथ ही यह देश की महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी प्रकाश डालती है।

, 'लापता लेडीज' किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है। आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी यह फिल्म बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है और इसकी पटकथा अभी भी सिनेमाघरों में चल रही है। कहानी और संवाद स्नेहा देसाई द्वारा लिखे गए हैं, जबकि अन्य डायलॉग दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखे गए हैं।

चिंतन

स्मार्टफोन की 'लत' से युवाओं को बचाना जरूरी

तो क्या स्मार्टफोन ने दुनिया भर में चिंतित पीढ़ी पैदा कर दी है? सामाजिक मनोवैज्ञानिक जोनाथन हैडट ने अपनी नई शोधपरक किताब 'द एनक्सियस जेनरेशन' में कहा है कि इस बात के पर्याप्त सुबूत हैं कि स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग मानसिक स्वास्थ्य संकट पैदा कर रहा है। स्मार्टफोन के खतरे एक किताब का विषय जरूर है, लेकिन इसके दुष्प्रभाव व्यापक व विश्वव्यापी हैं। अब यह साबित हो चुका है कि स्मार्टफोन सभी उम्र के लोगों को बीमार बना रहा है। स्मार्टफोन का अत्यधिक इस्तेमाल आंखों की रोशनी छिन रहा है, शारीरिक गतिविधि कम कर रहा है, मानसिक विकार पैदा कर रहा है और अब करीब दो दशक में ही इसने एक चिंतित पीढ़ी पैदा कर दी है। स्मार्टफोन के सबसे अधिक शिकार किशोर हो रहे हैं। बच्चों व किशोरों तक स्मार्टफोन पहुंच को सीमित करने के लिए आज व्यक्तिगत, सामूहिक और विधायी कार्रवाई की आवश्यकता आन पड़ी है। दुनिया के साथ साथ भारत को भी जागने की जरूरत है। टेक सेवी होना प्रगतिशीलता की निशानी है, लेकिन टेक एडिक्ट होना मानसिक बीमारी है। स्मार्टफोन की लत के चलते मानसिक विकार के मामले बढ़ रहे हैं, हालांकि किसी भी स्मार्टफोन एडिक्ट को कभी नहीं आभास होता है कि उसको इसकी लत है, वे खुद को सामान्य मानकर चल रहे होते हैं। जो बच्चे स्मार्टफोन के साथ बड़े हुए हैं वे परेशानी में हैं। नए शोध के मुताबिक 2010 से 2015 की अवधि 'रीवायरिंग' की है, यह वह समय था जब किशोरों का तंत्रिका तंत्र स्मार्टफोन के व्यापक दैनिक उपयोग के कारण चिंता और अवसाद से ग्रस्त हो गया था। जेन ज़ेड (जेड पीढ़ी) स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग के चलते बड़ी मानसिक महामारी से पीड़ित हैं। खुद को नुकसान पहुंचाना, आत्महत्या दर, मानसिक विकारों और मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल में भर्ती होने पर उपलब्ध आंकड़े खतरे के संकेत देते हैं। स्मार्टफोन की लत एक समाजव्यापी महामारी का रूप ले रही है। आज दुनिया पहले से ही अनियंत्रित ग्लोबल वार्मिंग, प्रणालीगत अन्याय, असुरक्षित कार्य भविष्य, भूराजनीतिक तनाव, अखाद्य खाद्यान्न के उत्पन्न विकार, युद्धगत भय, डर का व्यापार आदि का सामना कर रही है, ऐसे में स्मार्टफोन की लत से पैदा हो रही चिंतित पीढ़ी दुनिया को और कंप्लिकेटेड बना रही है। विश्व की सरकारों को नई पीढ़ी को बचाने के लिए इस दिशा में काम करना चाहिए। चूंकि स्मार्टफोन की दुनिया नित नए आविष्कारों से बदल रही है। एआई के बाद मेटावर्स के रूप में वर्चुअल तकनीक आ रही है, इससे स्मार्टफोन का एडिक्शन और बढ़ेगा। स्मार्टफ़ोन ने समस्याएं 2010 के आसपास शुरू कीं, जब वे सोशल मीडिया, हाई-स्पीड इंटरनेट, एक बैकवर्ड-फेसिंग कैमरा (सेल्फी को प्रोत्साहित करने वाला), नशे की लत वाले गेम, अश्लील साहित्य और मुफ्त ऐप्स के साथ जुड़ गईं। इस जहरीले तकनीकी मिश्रण ने स्मार्टफोन को बच्चों के जीवन पर कब्ज़ा करने की अनुमति दी। स्मार्टफोन के चलते किशोरों व युवाओं में नींद की कमी, ध्यान विखंडन, एडिक्शन, भावनात्मक अस्थिरता, इग्नोरेंस, एकाकीपन, क्रोध, चिड़चिड़ापन, मानसिक प्रदूषण, शारीरिक विकार, अंगूठे और कलाई की कमजोरी आदि पैदा हो रहे हैं। आज 51 फीसदी से अधिक लोग नोमोफोबिया (सेल फोन अलगाव चिंता) से पीड़ित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) स्मार्टफोन की लत के खतरे के प्रति चेता चुका है। अब जागने की जरूरत है।

अर्थव्यवस्था
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अब विकास मॉडल में सुधार जरूरी

निश्चित रूप से भारत को विकसित देश बनाने के लिए वर्तमान विकास मॉडल में सुधार करना होगा। विकास मॉडल में समृद्ध भारत के साथ समावेशी भारत की तस्वीर को हरदम सामने रखना होगा। जहाँ देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ाते रहना होगा, वहीं ही रोजगार वृद्धि व आम आदमी के सशक्तिकरण के अधिक प्रयास करने होंगे। यद्यपि पिछले 10 वर्षों में बहुआयामी गरीबों में बड़ी कमी आई है। अब बकाया 15 करोड़ से अधिक गरीबों को नई मुस्कुराहट देने का जोरदार अभियान आगे बढ़ाना होगा। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि देश के आम आदमी के कमजोर जीवन स्तर को अच्छे जीवन स्तर में बदला जाए।

इन दिनों पूरे देश में ही नहीं, पूरी दुनिया में अर्थ विशेषज्ञ एकमत से टिप्पणी कर रहे हैं कि यदि भारत अपने विकास मॉडल में तेज विकास के साथ समावेशी विकास तथा रोजगार एवं साझी समृद्धि की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ेगा तो भारत वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के सपने को साकार कर सकेगा। इस समय दुनिया में कोई 40 ही देश विकसित हैं, जिनमें प्रमुख रूप से विकसित यूरोपीय देश हैं। भारत इस समय विकासशील देश है। अब भारत के विकसित राष्ट्र बनने की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होने की संभावनाओं के कई आधार हैं। भारत दुनिया में वैश्विक सुस्ती की चुनौतियों के बीच आर्थिक विकास की डगर पर लगातार तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 26 अप्रैल को प्रकाशित वैश्विक परामर्श एजेंसी डेलॉयट इंडिया की नई रिपोर्ट के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.6 से 7.8 प्रतिशत कर दिया है। कहा गया है कि भारत में मध्यम आय वर्ग के लोगों की संख्या में तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 2 साल से वृद्धि के मजबूत आंकड़ों ने अर्थव्यवस्था को कोविड के पहले के स्तर में आने में मदद की है। बुनियादी ढांचे पर सरकार के व्यय में तेजी से निवेश को समर्थन मिला है। इससे भारत को वृद्धि की रफ्तार तेज रखने में मदद मिली है। निसंदेह यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब कुछ दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मजबूत घरेलू मांग और कामकाज करने वाली आबादी को देखते हुए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। विश्व बैंक ने भी वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वृद्धि का अनुमान 6.4% से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

निश्चित रूप से विकसित भारत बनने के लिए भारत की मुठ्ठियों में कई महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं। भारत में पिछले वर्ष 2023 में आयोजित जी-20 के शानदार सफल आयोजन से भारत के पास विकास के नए सूत्र आए हैं। भारत के पास पिछले 10 वर्षों की शानदार विरासत है। यह भारत का ऐसा समय है जब हमारी आर्थिक वृद्धि लगातार बढ़ रही है। भारत में स्थिति मैन्युफैक्चरिंग, निवेश और निर्यात के मद्देनजर उपयुक्त हैं। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान से देश तेजी से आगे बढ़ा है। वैश्विक स्तर पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट के रुझान के बीच भारत दुनिया के सर्वाधिक एफडीआई प्राप्त करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से बढ़ा है। वैश्विक सुस्ती के बीच भारत का शेयर बाजार नई ऊँचाइयों पर है। पिछले एक दशक में हुए रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफार्म देश के विकास के लिए गेमचेंजर रहे हैं। भारत में अहम आर्थिक सुधार हुए और इन सुधारों में जन धन, आधार और मोबाइल आधारित सब्सिडी सुधार (जेएएम), वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता (आईबीसी) प्रमुख हैं।

निसंदेह इस समय भारत के पास टिकाऊ विकास के

अभूतपूर्व अवसर हैं। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत दी जा रही है। भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थाई सदस्य देश बनाने के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस का समर्थन रेखांकित हो रहा है और भारत वैश्विक मंच पर बड़ी भूमिका के लिए तैयार है। भारत के तेजी से बढ़े कृषि क्षेत्र से दुनिया की उम्मीदें बढ़ गई हैं। तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार के कारण भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) बढ़ रहे हैं। प्रवासी भारतीयों के द्वारा लगातार भारत की ओर अधिक रेमिटेंस भेजा जा रहा है।

इस समय वैज्ञानिकों के द्वारा अंतरिक्ष, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा तथा नए तकनीकी विकास के कारण आर्थिक विकास को गति मिल रही है चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता के मद्देनजर भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में उभरकर सामने आया है। अब भारत में लॉजिस्टिक लागत में कमी आने लगी है। इतना ही नहीं भारत दुनिया के 85 देशों को हथियार व सैन्य सामग्रियों का निर्यात भी कर रहा है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि सरकार के द्वारा विगत 10 वर्षों में किए गए आर्थिक और वित्तीय सुधारों के साथ-साथ कठोर प्रशासनिक निर्णयों से देश में आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़ी है। इसके साथ-साथ दुनिया में मजबूत लोकतंत्र और स्थिर सरकार के रूप में भारत की पहचान, स्टार्टअप का दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ना, भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी के लिए बढ़ते हुए नए दौर के कौशल निर्माण कार्यक्रम, बड़े पैमाने पर पूंजीगत खर्च, गैरजरूरी आयात में कटौती, खेलों के क्षेत्र में भारत की लंबी छलांगों से लाभांवित होती भारतीय अर्थव्यवस्था और बाहरी झटकों से उबरने की क्षमता देश के टिकाऊ विकास की बुनियाद बन गई हैं।

निश्चित रूप से भारत को विकसित देश बनाने के लिए वर्तमान विकास मॉडल में सुधार करना होगा। विकास मॉडल में समृद्ध भारत के साथ समावेशी भारत की तस्वीर को हरदम सामने रखना होगा। जहाँ देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ाते रहना होगा, वहीं ही रोजगार वृद्धि व आम आदमी के सशक्तिकरण के अधिक प्रयास करने होंगे। यद्यपि पिछले 10 वर्षों में बहुआयामी गरीबों में बड़ी कमी आई है। अब बकाया 15 करोड़ से अधिक गरीबों को नई मुस्कुराहट देने का जोरदार अभियान आगे बढ़ाना होगा। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि देश के आम आदमी के कमजोर जीवन स्तर को अच्छे जीवन स्तर में बदला जाए। देश में 19 करोड़ से अधिक महिलाओं को पेड वर्कफोर्स में शामिल करने की रणनीति को अमलीजामा पहनाना होगा। हमें विकास के लिए चीन की कम कौशल वाले विनिर्माण की नीति को अपनाने की बजाय हमारे शक्तिशाली सर्विस सेक्टर के जरिए विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढ़ना होगा। कई अहम सुधारों को वैधानिक बनाते हुए उनका तेजी से क्रियान्वयन करना होगा। कृषि, श्रमिक, भूमि भ्रष्टाचार के उन्मूलन और अन्य सुधारों की डगर पर तेजी से बढना होगा। यद्यपि केंद्र सरकार 29 श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में तब्दील करने की महत्वाकांक्षी योजना को आकार देने में सफल रही है, लेकिन ये अब तक लागू नहीं हुई है। अब एक ऐसे समय में जब कई देशों की कंपनियाँ चीन से बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार स्थानांतरित करते हुए दिखाई दे रही हैं तब हम अच्छे श्रम कानूनों से इसका लाभ उठा सकते हैं। देश के तेज विकास के लिए उभरते क्षेत्रों में शोध एवं विकास क्षेत्र में जरूरी निवेश पर्याप्त नहीं है। शोध एवं विकास के क्षेत्र में भारत का प्रति व्यक्ति व्यय दुनिया में विभिन्न तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम है।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

सियासत

बाल मुकुन्द ओझा

फिर बोतल से बाहर आया आरक्षण का 'जिन्न'

आरक्षण के पक्ष और विपक्ष में सियासी बयानबाजी से देश एक बार फिर सुलगने लगा है। जैसे ही चुनाव आते हैं आरक्षण को लेकर नेताओं के स्वर तेज हो जाते हैं। देश भर में चल रहे चुनावी माहौल के बीच भाजपा और कांग्रेस में आरक्षण को लेकर बयानबाजियां चल रही हैं। वोटों की फसल काटने का यह दुधारू और भोथरा हथियार बन गया है। आरक्षण की गंगा में नहाने के लिए सभी लोग प्रयासरत है। लोकसभा चुनाव के दो चरण बीत चुके हैं, लेकिन इसी बीच आरक्षण का जिन्न एक बार फिर बोतल से बाहर आ गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा आरक्षण खत्म करना चाहती है तो भाजपा ने उन पर झूठ बोलने का आरोप लगाते कहा कि कांग्रेस ने दलितों और ओबीसी का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे दिया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने भी संविधान प्रदत आरक्षण का समर्थन किया है। संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने कहा कि संगठन भेदभाव व्याप्त रहने तक आरक्षण लागू रखने की वकालत करता है।
मोदी के 400 पार के नारे के जवाब में विपक्ष ने इसे आरक्षण से जोड़ दिया है। हालांकि विपक्ष की इस मंशा को भांपकर भाजपा और संघ सतर्क हो गया है। यही वजह है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि जब तक जरूरत होगी आरक्षण जारी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने भी रविवार को अपनी चुनावी सभाओं के दौरान साफ कर दिया कि आरक्षण खत्म नहीं होने जा रहा है। सियासत में आरक्षण, ध्रुवीकरण और जातिवाद बेहद संवेदनशील मुद्दा है। चुनाव के दौरान राजनीतिक दल इसे जमकर भुनाते हैं।

संविधान निर्माताओं ने दलितों-पिछड़ों को समाज में बराबरी का दर्जा देने की मंशा से आरक्षण लागू किया था। मगर संविधान की भावना पर सियासत भारी पड़ी। आरक्षण को लेकर देश में शुरू से ही दुविधा की स्थिति हो रही है। कोई सर्व मान्य हल नहीं निकलने के कारण आरक्षण को लेकर देश भ्रमजाल से नहीं निकल पा रहा है। संविधान की भावना कभी भी जाति आधारित आरक्षण की नहीं थी बल्कि सामाजिक व शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों को बराबरी पर लाने की थी। जब संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी ने स्वयं से पिछड़ा वर्ग शब्द जोड़ा था तो सवाल उठे थे। उस समय डॉ. आंबेडकर ने सदस्यों को यह कह कर संतुष्ट कर दिया था कि ये भविष्य में सरकार के विवेकाधिकार पर छोड़ दिया जाना चाहिए। सामाजिक-आर्थिक बराबरी का लक्ष्य हासिल करने के लिए संविधान में जिस आरक्षण की व्यवस्था की गई थी, वह लक्ष्य पूरा हुआ या नहीं, यह आज भी बहस का मुद्दा है। यह सही है आरक्षण ने कमजोर वर्ग में एक मलाईदार तबका भी पैदा किया है, जिसके कारण इसका पूरा लाभ जरूरतमंदों को नहीं मिल पाता, पर इसका मतलब यह नहीं कि आरक्षण की व्यवस्था ही खत्म कर दी जाए। दरअसल आरक्षण में व्याप्त विसंगतियां राजनीतिक पार्टियों की सोच का नतीजा हैं, जिनके लिए आरक्षण अपनी सत्ता बचाए रखने का औजार है। हमारे देश में आरक्षण पर राजनीति और दुष्प्रचार कब तक होता रहेगा। यह एक ज्वलन्त विषय है, जो अभी तक भी आम जनता की समझ से परे नजर आ रहा है। हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने जो फैसला दिया है। उसे लेकर भी राजनीतिक दल भ्रम फैला रहे हैं। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने पहले भी यह फैसला दिया था कि सरकारी नौकरी में प्रमोशन के अवसर पर आरक्षण देने के लिए बाध्यता नहीं है। मगर इस फैसले की आड़ में यह दुष्प्रचार किया जा रहा है कि सर्वोच्च न्यायालय आरक्षण को ही खत्म करने जा रहा है। न्यायालय के फैसले के साथ साथ यह भी प्रचारित किया जा रहा है कि केंद्र सरकार भी इसके लिए जिम्मेदार है। अनेक प्रमुख राजनेता व राजनैतिक दल न्यायालय के इस फैसले को तीन तलाक, धारा 370 तथा नागरिकता संशोधन कानून से जोड़ रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान निर्माताओं की उस व्यवस्था व भावना को उल्लेखित किया है, जिसके अंतर्गत आरक्षण को मूलभूत अधिकार नहीं माना गया है। यह भी सच है कि सामाजिक न्याय के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत के संविधान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की व्यवस्था दी हुई है। साथ ही सच्चाई यह भी है कि स्वयं संविधान निर्माता इस व्यवस्था को लंबे काल तक चलाने के लिए पक्ष में नहीं थे। लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक न्याय बराबरी की बेसिक चीजें हैं। आरक्षण उस तक पहुंचने का एक तरीका भर है, मगर कोई मौलिक अधिकार नहीं है। आरक्षण को तब तक ही लागू रखा जाना आवश्यक प्रतीत होता है, जब तक जरूरत लगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन की कड़वाहट मिटाने से संबंधों में समरसता आएगी

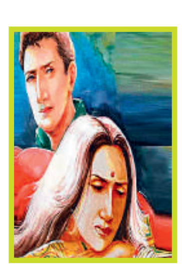

संकलित
दर्शन

हम अपने सोच व विचारों से अपना ऊर्जा क्षेत्र बनाते हैं। हमारे संकल्पों की गुणवत्ता ऊर्जा क्षेत्र की गुणवत्ता निर्धारित करती है। उस ऊर्जा क्षेत्र से हम अपने आपको अलग नहीं कर सकते। उसके सकारात्मक व नकारात्मक प्रकंपन को हम हमेशा साथ लेकर चलते हैं, चाहें घर में प्रवेश करते हुए अथवा घर से बाहर निकलते हुए। जब किसी के बारे में हम अच्छा सोचते हैं और उसके प्रति हमारे विचारों को शुद्ध, सुंदर व सकारात्मक रखते हैं, तो स्वाभाविक है कि हम उसे एक प्रकार से आशीर्वाद देते हैं। आशीर्वाद देने का यह मतलब नहीं कि हम केवल औपचारिक रूप में शुभकामनाएं देते हैं। अगर हमारे पास किसी के लिए उपहार लेने के लिए पैसे नहीं हैं, तो हमारी ओर से उनके लिए सबसे बड़ा उपहार यही होगा कि हम उनके घर-परिवार को आशीर्वाद दें। सामान्यतः दूसरों के लिए हम अपने सोच के साथ बोल को ध्यान में रखते हैं। भले ही हम उस व्यक्ति के लिए मन में नकारात्मक भावनाएं रखते हों, पर एक पल के लिए उसे बधाई भी देते हैं। इसका मतलब है, हम उसके लिए मन में अच्छा सोच भी पैदा कर सकते हैं। संबंधों का अर्थ ही है संकल्प रूपी ऊर्जा का आदान-प्रदान करना। मैं आपके बारे में जो सोचती हूं, वह आप तक पहुंचता है। आप मेरे बारे में जो सोचते हैं, वह मुझ तक पहुंचता है-यही हमारे संबंधों का आधार बनता है। यदि मैं आपके बारे में अच्छा सोच नहीं रखती और आपके लिए अच्छे काम करती हूं, तो मैं कितनी भी कोशिश क्यों न करूं, हमारे संबंध का नींव कभी मजबूत नहीं होगी।

महिला के शुभ कदम

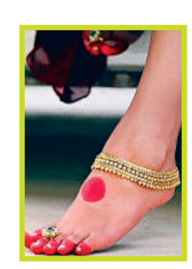

संकलित
प्रेरणा

एक आदमी ने दुकानदार से पूछाः केले और सेवफल क्या भाव लगाऐ है? दुकानदारः केले 20 रु. दर्जन और सेव 100 रु. किलो। उसी समय एक गरीब सी औरत दुकान में आयी और बोली मुझे एक किलो सेव और एक दर्जन केले चाहिए, क्या भाव है? भैया दुकानदारः केले 5 रु दर्जन और सेब 25 रु किलो। औरत ने कहाः जल्दी से दे दीजिए। दुकान में पहले से मौजूद ग्राहक ने खा जाने वाली निगाहों से घूरकर दुकानदार को देखा, इससे पहले कि वो कुछ कहता, दुकानदार ने ग्राहक को इशारा करते हुए थोड़ा सा इंतजार करने को कहा। औरत खुशी खुशी खरीदारी करके दुकान से निकलते हुए बड़बड़ाई हे भगवान तेरा लाख लाख शुक्र है, मेरे बच्चे फलों को खाकर बहुत खुश होंगे। औरत के जाने के बाद, दुकानदार ने पहले से मौजूद ग्राहक की तरफ देखते हुए कहाः ईश्वर गवाह है, भाई साहब मैंने आपको कोई धोखा देने की कोशिश नहीं की। यह विधवा महिला है, जो चार अनाथ बच्चों की मां है। किसी से भी किसी तरह की मदद लेने को तैयार नहीं है। मैंने कई बार कोशिश की है और हर बार नाकामी मिली है। तब मुझे यही तरीकीब सूझी है कि जब कभी ये आए तो, मै उसे कम से कम दाम लगाकर चीज़े देदूँ। मैं यह चाहता हूँ कि उसका भरम बना रहे और उसे लगे कि वह किसी की मोहताज नहीं है। इस तरह भगवान के बन्दो की पूजा कर लेता हूँ। थोड़ा रूक कर दुकानदार बोलाः यह औरत हफ्ते में एक बार आती है। भगवान गवाह है, जिस दिन यह आ जाती है उस दिन मेरी बिक्री बढ़ जाती है।

अंतर्मन

आज की पाती

मसाला कंपनियों की साख पर आंच न आए

हमारे देश की मसालों की दो मुख्य कंपनियों की इनके उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर जो हांगकांग और सिंगापुर ने सवाल खड़े किए हैं, वो गले नहीं उतर रहे, क्योंकि ये दोनों कंपनियां अपने उत्पादों की उचित जांच खुद करके और संबंधित सरकारी विभाग से भी जांच करवाने के बाद ही अपने उत्पादों को बेचने के लिए बाजार में उतारती हैं और विदेशों को भेजती हैं। दूसरी चीज, ये कंपनियां पिछले लंबे अरसे से अपने उत्पादों को बेच रही हैं। एमडीएच को तो मसालों का कारोबार करते हुए 75 वर्ष से ऊपर का समय हो चुका है। ऐसे में भारत सरकार को, इन कंपनियों पर हांगकांग और सिंगापुर ने जो आरोप लगाए हैं, उनकी उचित और निष्पक्ष जांच करवानी चाहिए। *-दिलीप तिवारी, बिलासपुर*

ट्रेंड

इसमें कोई सवाल नहीं

राहुल गांधी और कांग्रेस आरक्षण को लेकर देशवासियों को गुमराह कर रही है। कांग्रेस ने तुष्टिकरण के लिए कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में अल्पसंख्यकों को आरक्षण देकर एवं जामिया और एएमयू जैसी संस्थाओं में एसी, एसटी और ओबीसी को वंचित रखकर आरक्षण खत्म करने का प्रयास किया है।
-अमित शाह, केंद्रीय मंत्री

कांग्रेस चट्टान की तरह

भाजपा नेताओं का उद्देश्य है, संविधान बदल कर देश का लोकतंत्र तबाह कर देना। दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का आरक्षण छीन कर देश चलाने में उनकी भागीदारी खत्म करना। लेकिन कांग्रेस चट्टान की तरह भाजपा की राह में खड़ी है।
-राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

पेपर लीक हो गया

मात्र 17 महीनों में हमने 5 लाख नौकरियां दी। सभी विभागों की रिक्तियों को भरने के आदेशानुसार 3 लाख से अधिक नौकरियां प्रक्रियाधीन करवाई और तीसरे चरण के लिए विज्ञापित एक लाख सशिक्षकों की भर्ती परीक्षा का पेपर लीक हो गया।
-तेजस्वी यादव, राजद नेता

अच्छा लगेगा

मेरे दोस्त सतीश कौशिक के घर जाकर शशि और उनकी बेटी (मेरी भी) वंशिका से मिलना हम तीनों को अच्छा लगता है।बातों और चाय पानी के अलावा वंशिका के साथ एक रील भी बनाना हम दोनों का पर्सनल रूटीन है। आप भी देखिए।आपको भी अच्छा लगेगा। **-अनुपम खेर, अभिनेता**

करंट अफेयर

पर्यावरण कार्यकर्ता टेरेसा को ग्रीन नोबल पुरस्कार

यूरोप के सबसे बड़े लगून के सरंक्षण के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने वालीं पर्यावरण कार्यकर्ता टेरेसा विसेंट ने गोल्डमैन पर्यावरण पुरस्कार जीता है, जिसे 'ग्रीन नोबेल' के नाम से जाना जाता है। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए विसेंट कहती हैं कि उस समय वह स्पेन के मार मेनोर में बिल्कुल स्वच्छ पानी में तैरती थीं और समुद्री जीव उसमें साफ नजर आते थे लेकिन खनन और विकास कार्यों की वजह से होने वाले दीर्घकालिक प्रदूषण ने यूरोप के सबसे बड़े, खारे पानी के लगून को लगभग बर्बाद कर दिया। समुद्री तटों पर ज्वार की वजह से जब पानी की लहरें उठती हैं तो पानी तट पार कर आगे सूखे हिस्से में आ जाता है। लेकिन बाद में यह पानी भाटा के समय वापिस समुद्र में नहीं जाता। इस पानी के अवशोषण के कारण जमीन का यह भाग सतह से थोड़ा नीचे चला जाता है और झील बन जाती है जिसे लगून कहते हैं। वर्ष 2019 में बड़े पैमाने पर मछलियों की मौत ने दर्शनशास्त्र की प्रोफेसर विसेंट को लगून के सरंक्षण के लिए कार्य करने को प्रेरित किया। अगले कुछ वर्षों में 61 वर्षीय विसेंट ने क्षेत्र की पारिस्थितिकी की दृष्टि से अहम जलक्षेत्र लगून को खत्म होने से बचाने के लिए जमीनी स्तर के एक अभियान का नेतृत्व किया।

ऑफ बीट

क्या स्मार्टफोन ने 'चिंतित पीढ़ी' पैदा कर दी है?

सामाजिक मनोवैज्ञानिक जोनाथन हैडट की नई किताब द एनक्सियस जेनरेशन तत्काल कार्रवाई का आह्वान करती है। हैडट का तर्क है कि इस बात के पर्याप्त सबूत मौजूद हैं कि किशोरों द्वारा स्मार्टफोन का व्यापक उपयोग मानसिक स्वास्थ्य संकट का कारण बन रहा है। उनकी स्मार्टफोन पहुंच को सीमित करने के लिए व्यक्तिगत, सामूहिक और विधायी कार्रवाई की आवश्यकता है। हैडट ने अपनी पुस्तक की शुरुआत एक रूपक से की है। कल्पना कीजिए कि किसी ने आपको अपने दस वर्षीय बच्चे को मंगल ग्रह पर बड़ा होने का अवसर दिया है, इसमें दो राय नहीं हैं कि विकिरण और कम गुरुत्वाकर्षण स्वस्थ किशोरों के विकास को बाधित कर सकता है, जिससे दीर्घकालिक पीड़ा हो सकती है। निश्चित रूप से, जोखिमों को देखते हुए, आप प्रस्ताव को अस्वीकार कर देंगे। एक दशक पहले, माता-पिता अपने उत्साहित किशोरों को दिए जाने वाले चमकदार नए स्मार्टफ़ोन के भीतर छिपे खतरों को नहीं जान सकते थे। लेकिन इस बात के सबूत बढ़ रहे हैं कि जो बच्चे स्मार्टफोन के साथ बड़े हुए हैं वे परेशानी में हैं। हैडट 2010 से 2015 की अवधि को 'महान रीवायरिंग' कहते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

जैकेट के शेष

मोदी के नाम, काम...

बस्तर की सीट पिछली बार हार गए थे, इस बार क्या लग रहा है?

इस बार विश्वास है बस्तर की सीट हम जीत रहे हैं। दीपक बैज को कांग्रेस ने तो टिकट देने की भी हिम्मत नहीं की है। दीपक बैज को विधानसभा में हमारे एक छोटे कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष ने हरा दिया था।

आपकी सरकार के कामों से चुनाव में कितनी मदद मिलेगी?

मोदी जी का आशीर्वाद तो है ही, लेकिन हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के जो वादे चाहे वो प्रधानमंत्री आवास की बात हो, किसानों को दो साल बोनस देने की बात हो, किसानों से 31 सौ रुपए में 21 क्विंटल धान खरीदी की बात हो, महतारी वंदन योजना में विवाहित महिलाओं को दो माह की किश्त दे चुके हैं। पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच की बात हो। हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी को पूरा करने का जो काम किया है। इसका लाभ भी लोकसभा चुनाव में मिलेगा।।

आपको सरल और सहज कहा जाता है, सवाल यह कि साय की सरकार सरलता से चल रही है या अफसरों से चल रही है?

स्वभाव से हम जरूर विनम्र है लेकिन जहां जनहित और प्रदेश की बात आएगी तो कठोर से कठोर निर्णय लेने में भी परहेज नहीं होगा।

साय अधिकारियों के मुताबिक काम कर रहे हैं या अधिकारी आपके मुताबिक काम कर रहे हैं?

हमारे अनुसार अधिकारी काम कर रहे हैं। हमको भी 30 साल का अनुभव है, चार बार सांसद रहे हैं, दो बार विधायक रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं। मोदी जी के शासन में राज्यमंत्री के रूप में भी कम कर चुके हैं। हमको लंबा अनुभव है। हम अपने हिसाब से जनहित में जो अच्छा लगता है, काम करते हैं।

भूपेश बघेल और विष्णुदेव साय के काम को लेकर अधिकारी क्या अंतर बताते हैं?

भाजपा और कांग्रेस के कामकाज के तरीके में बहुत अंतर है। उनकी जैसी संस्कृति हम लोग नहीं ला सकते हैं। जनहित में कठोर निर्णय लेने की भी क्षमता हम लोगों में है।

आप कहते हैं काम सांय-सांय हो रहा है, भूपेश बघेल कहते हैं सट्टा सांय-सांय चल रहा है?

कांग्रेस के लोग झूठ बोलने में बहुत माहिर हैं। आज महादेव सट्टा एप का आरोप किस पर है, किस पर एफआईआर है। आज भूपेश बघेल पर 508 करोड़ रुपए लेने का आरोप है।

रायगढ़ लोकसभा को लेकर क्या कहते हैं, नया चेहरा है वहां?

चेहरा नया है, राधेश्याम राठिया ने सरपंच से काम शुरू किया था। जनपद अध्यक्ष भी रहे। संगठन में भी रहे। उनको लंबा जनसेवा करने का अनुभव है। पूरे क्षेत्र में उनकी पहचान है। बहुत सरल और मिलनसार है। सब उनको चाहते हैं। रायगढ़ से मैं चार बार सांसद रहा हूं। जनता का हमेशा भाजपा के साथ रहा है। इस बार भी जनता का आशीर्वाद भाजपा को मिलेगा।

दूसरे राज्यों में भी जा रहे हैं चुनाव प्रचार क्या अनुभव रहा है?

पार्टी के आदेश पर दूसरे राज्यों में जा रहे हैं। मप्र तीन बार जा चुके हैं। झारखंड, तेलंगाना जा चुके हैं। आगे और भी राज्यों में जाना होगा। जहां भी गए हैं, वहां भाजपा के पक्ष में अच्छा वातावरण है।

जिंदगी कितनी बदल गई मुख्यमंत्री बनने के बाद आपकी?

हम तीस साल से विधायक और सांसद के रूप में काम कर रहे हैं। उस समय कार्यक्षेत्र छोटा रहने के कारण क्षेत्र के लोगों के बीच रहते थे, अब मुख्यमंत्री होने के नाते पूरे प्रदेश के लोगों के बीच रहते हैं। एक आदत हो गई है लोगों के बीच में रहने की। परिवार के लोगों से अब मिलना-जुलना कम हो गया है।

आप अपना मोबाइल हमेशा अपने पास रखते हैं, क्या स्टाफ ठीक नहीं मिला है?

प्रदेश के लोगों और हमारे कार्यकर्ताओं में विश्वास है मैं अगर फोन नहीं उठा पाऊंगा तो देर सवेर काल बैक जरूर करूंगा। आज भी हमारे क्षेत्र के लोग मुझे मुख्यमंत्री नहीं अपना साथी मानते हैं। आज भी कहीं ट्रांसफार्मर फेल हो जाता है, कहीं हेंड पंप खराब हो जाता है तो मेरे पास फोन आता है। मैं फोन उठाता भी हूं। आज भी मेरे पास बीएसएनएल का बरसों पुराना नंबर है जो सबके पास है।

राहुल का वादा- सरकार...

पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि दलितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) को बंधुआ मजदूर बनाया गया और बड़ी कंपनियों, अस्पतालों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और अदालतों में उनकी भागीदारी नहीं है। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं को बब्बर शेर कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, यह चुनाव मामूली चुनाव नहीं है। इसमें विचारधारा की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन है तो दूसरी तरफ बीजेपी है।

संविधान की किताब...

खत्म करते हैं। जब अग्निवीर योजना लाते हैं तो आरक्षण खत्म करते हैं। राहुल ने कहा कि बीजेपी के एक नेता ने कहा है कि देश में अब हमारी सरकार बनेगी तो संविधान खत्म कर देंगे। दूसरे नेता कहते हैं कि आरक्षण खत्म कर देंगे। अगर संविधान चला जाएगा तो आदिवासियों भाइयों से कहना चाहता हूं कि आपके जीने का तरीका, आपके अधिकार गायब हो जाएंगे।

दो प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट...

बनाया गया है। इसी तरह रजिस्ट्रार इस्टेब्लिशमेंट आलोक कुमार को रजिस्ट्रार विजिलेंस का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। रजिस्ट्रार विजिलेंस बलराम प्रसाद वर्मा को हाईकोर्ट का नया रजिस्ट्रार जनरल बनाया गया है।

तेज लाइट से आंखें...

थे। पुलिस के मुताबिक मृतक तथा घायल पथर्रा गांव के रहने वाले हैं। पिकअप सवार सभी लोग तिरैया में किसी बच्चे के जन्मोत्सव के अवसर पर छट्ठी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। लौटने के दौरान हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार हादसा होने के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई।

सामने से लाइट पड़ने...

आंखें चौंधिया गईं और वह गाड़ी को कंट्रोल नहीं कर पाया, जिससे पिकअप सीधे माजदा से जाकर टकरा गई। पुलिस के अनुसार पिकअप की रफ्तार ज्यादा होने की वजह से माजदा में टकराने के बाद पिकअप बुरी तरह से पिचक गई और पिकअप के कंडक्टर साइड के तरफ खड़ी महिलाओं और बच्चों की मौत हुई। हादसा इतना जबरदस्त था, पिकअप की टक्कर लगने के बाद माजदा का पिछला हिस्सा बुरी तरह से डैमेज हो गया।

सीजफायर की चर्चा के बीच हंगामा

इजराइल ने की गाजा के रफाह में एयरस्ट्राइक, 13 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ रफाह

इजराइल और हमास के बीच जंग थमने का नाम नहीं ले रही। इस बीच इजराइल ने दक्षिणी गाजा के रफाह शहर पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए, जिनमें 13 लोगों की मौत हो गई जबकि कई घायल हो गए। रफाह में बड़ी संख्या में लोग इजरायली बमबारी से बचने के लिए पनाह लिए हुए है। ये बमबारी ऐसे समय पर की गई, जब इजराइल के साथ सीजफायर को लेकर मिस्र की मेजबानी में हमास के नेताओं के साथ संभावित चर्चा हो सकती है। इजराइल ने हमास को जड़ से खत्म करने की प्रतिबद्धता जताई है।

हमास के खात्मे को लेकर शुरू किए गए इजराइल के सैन्य ऑपरेशन में 34000 से अधिक फिलीस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई है।

इस जंग की वजह से 23 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। हमास के अधिकारियों का कहना है कि खलील अल-हाया की अगुवाई में हमास के अधिकारी सीजफायर प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे, जिसमें कतर से लेकर मिस्र मध्यस्थ की भूमिका में है। हमास ने फिर से 'टू नेशन थ्योरी' पर समझौते की संभावना जताई है।

इंद्रजीत को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड

नई दिल्ली। ब्रिटिश संसद के हाऊस आफ कामन्स में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड सेरेमनी का आयोजन किया गया। भारतीय पत्रकार इंद्रजीत राय को इंडिया फर्स्ट एंड वर्ल्ड लांगेस्ट सर्विंग फॉरेंसिक जर्नलिस्ट के लिए वर्ल्ड बुक आर रिकार्ड के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इंद्रजीत भारत में एबीपी न्यूज़ चैनल के एक्ज़ीक्यूटिव एडीटर के साथ-साथ इंद्रजीत राय फारेन्सिक साइंटिस्ट और कई राज्यों की पुलिस एकेडमी के फारेन्सिक ट्रेनर भी हैं। इस अवार्ड सेरेमनी में कुल 4 अवार्ड दिए गए। भारतीय पत्रकार के अलावा यूके पुलिस के डिटेक्टिव केममिस्ट्री और लंदन मेट्रोपोलिन पुलिस के अधिकारी रंजीसुनिग्रा को भी उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

भोजशाला में एएसआई को 8 हफ्ते की मोहलत

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने धार के भोजशाला में चल रहे वैज्ञानिक सर्वे को पूरा करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की याचिका स्वीकार करते हुए उसे और आठ हफ्ते का वक्त दे दिया है। एएसआई ने अदालत से भोजशाला परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण को पूरा करने के लिए और आठ हफ्ते का समय मांगा था। अब एएसआई को 8 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट देनी होगी।

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्स

(व्यवहार प्रक्रिया संहित, आदेश 5 नियम 1 ओर 5)
वाद क्रमांक 27 A/ 2021, सन् 2018
न्यायालय पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग छ.ग.
आवेदक श्री धन्ना लाल वर्मा विरूद्ध
अनावेदक अजय तिवारी व अन्य बनाम
प्रतिवादी क्र. 10, 11, एवं 13 प्रति. क्र. 10 श्री विवेक तिवारी आ. स्व. श्री शेष नारायण तिवारी निवासी, सड़क नं. 21, मकान नं. 05, सेक्टर 07 भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. प्रति.क्र. 11 विपिन तिवारी आ. स्व. श्री शेष नारायण तिवारी निवासी-कुशालपुर, तिरंगा चौक रायपुर, छ-ग- प्रतिवादी क्र. 13. श्रीमती भगवती तिवारी ध.प. शेष नारायण तिवारी, निवासी-ग्राम बोदाछपर तहसील व जिला धमतरी, छ.ग.

क्योंकि वादी / आवेदक ने आपके विरुद्ध धन्नालाल वर्मा विरुध्द अजय तिवारी व अन्य का वाद प्रस्तुत किया आपको इस समंस द्वारा आदेशित किया जाता है कि आप न्यायालय में पेशी दिनांक 10 माह 06 सन् 2024 को सुबह 11 बजे स्वयं या ऐसे किसी प्लीडर / अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया है कि आप उस दिनांक को अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेजों जो आपके अभिरक्षा या शक्तियों में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है और आप यदि किसी अन्य दस्तावेज समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसे दस्तावेजों की, लिखित कथन के साथ उपावन की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त बतायी गई पेशी तिथि को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

आज दिनांक 27/4/2024 को न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।
श्री दीपक कोशले
पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्ग जिला दुर्ग छ.ग.

पेज एक के शेष

नियम बदलकर भर्ती पर...

भर्ती का नियम बदलना है, तो कौन सा तरीका अपनाना है। इस मामले को लेकर सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने शासन के सभी विभाग, अध्यक्ष राजस्व मंडल बिलासपुर, सभी विभागाध्यक्ष, सभी संभागीय आयुक्त और सभी कलेक्टरों को निर्देश भेजा है। सरकार ने माना है कि प्रायः यह देख जा रहा है कि कतिपय विभागों द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग(नियम शाखा) से अभिमत प्राप्त किए उनके भर्ती नियमों में संशोधन कर भर्ती कर रहे हैं। यह शासन के कार्य आवंटन विभाग नियम के अनुसार उचित नहीं है।

कांग्रेस का 'अक्षय-बम' फूटा...

कैलाश विजयवर्गीय ने अपने 'एक्स' खाते पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें बम उनके साथ कार में बैठे नजर आ रहे हैं। गाड़ी में उनके साथ भाजपा विधायक मेंदोला भी नजर आए। मेंदोला को विजयवर्गीय का विश्वस्त माना जाता है। विजयवर्गीय ने तस्वीर के साथ लिखा, इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में भाजपा में स्वागत है। अपना नामांकन वापस लेने के बाद बम भाजपा के स्थानीय कार्यालय पहुंचे।

मल्लिकार्जुन की आज शिवरीनारायण...

अध्यक्ष जेपी नड्डा की जरूर सरगुजा लोकसभा के सूरजपुर में चार मई को सभा संभावित है। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव तीन चरणों में हो रहे हैं। दो चरणों के चुनाव हो गए हैं। अब तीसरे चरण का चुनाव सात मई को होना है। अंतिम चरण के चुनाव में प्रचार 5 मई को थम जाएगा, इसके पहले भाजपा और कांग्रेस अपने राष्ट्रीय नेताओं की लगातार सभाएं कराने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की शिवरीनारायण में दोपहर को दो बजे बजे सभा होगी। इस सभा के लिए वे 11.30 बजे रायपुर पहुंचेंगे। यहां पर 12 से 1 बजे के बीच पत्रकारों से चर्चा करने के बाद हेलीकॉप्टर से सभा के लिए जाएंगे। सभा में प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज सहित प्रदेश के कई नेता उपस्थित रहेंगे।

23 नक्सलियों ने छोड़ी हिंसा...

कमान अधिकारी सीआरपीएफ अनिल कुमार झा, सत्य नारायण तंवर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन के समक्ष डीआरजी कार्यालय दंतेवाड़ा में आत्मसमर्पण किया है। 23 आत्मसमर्पित माओवादियों में से 20 माओवादियों को डीआरजी बल दंतेवाड़ा एवं 3 माओवादियों को आर.एफ.टी. सीआरपीएफ का आत्मसमर्पण में विशेष योगदान रहा। साथ ही भटके हुए माओवादियों से अपील की गई है कि हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए निकटतम थाना अथवा कैंप में सम्पर्क करें और क्षेत्र के विकास में अपना योगदान दें। पुलिस अधीक्षक ने आत्मसमर्पित माओवादियों को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पुनर्वास योजना के तहत 25-25 हजार प्रोत्साहन राशि एवं पुनर्वास योजना के तहत मिलने वाले सभी प्रकार के लाभ प्रदाय कराया जाएगा।

177 इनामी सहित 761 माओवादी कर चुके समर्पण : लोन वर्राटू अभियान के तहत अब तक 177 इनामी माओवादी सहित कुल 761 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं।

आत्मसमर्पित माओवादियों में अधिकांश युवा : पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों में अधिकांश युवा है। इनमें सोनू माड़वी 40 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर डीएकेएमएस उपाध्यक्ष, पारो माड़वी 38 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर केएएमएस उपाध्यक्ष, मासो मुचाकी 24 वर्ष निवासी पोर्रोवाड़ा थाना मिरतुर डीएकेएमएस सदस्य, बोदे कुंजाम 42 वर्ष निवासी इण्ड्रीपाल थाना मिरतुर केएएमएस सदस्या, राजमन लेकाम 30 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर मिलिशिया प्लाटून सदस्य, जग्गू कारम 33 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर मिलिशिया सदस्य, कुमारी मंजू उर्फ मंजूला इच्छाम 30 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर मिलिशिया प्लाटून सदस्या, सोमारू मड़काम 23 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर सीएनएम सदस्य, मनकू इच्छाम 36 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर सीएनएम सदस्य, दिलीप वट्टी 23 वर्ष निवासी ऐटेपाल थाना मिरतुर सीएनएम सदस्य, कुमारी सुशीला इच्छाम 24 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर जिला सीएनएम सदस्या, पार्वती बारसा 33 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर आर्थिक शाखा अध्यक्ष, राजेश कुंजाम 22 निवासी इण्ड्रीपाल थाना मिरतुर पंच कमेटी सदस्य, रेखा उर्फ मासा मण्डावी 25 वर्ष निवासी इण्ड्रीपाल थाना मिरतुर जीआरडी सदस्य, मनीराम अतरा 40 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर जंगल कमेटी सदस्य, सीताराम इच्छाम 26 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर मेडिकल टीम सदस्य, सन्नू अतरा 48 वर्ष निवासी इण्ड्रीपाल थाना मिरतुर जंगल कमेटी सदस्य, सुधरू कुंजाम 45 वर्ष निवासी इण्ड्रीपाल थाना मिरतुर पंच कमेटी सदस्य, कुमारी दशरी तेलाम 22 वर्ष निवासी इण्ड्रीपाल थाना मिरतुर जीआरडी सदस्या, मनोज उर्फ मनीष बारसा 19 वर्ष निवासी हुर्रेपाल थाना मिरतुर बाल संघम सदस्य, लक्ष्मण ओयाम 25 वर्ष निवासी बेचापाल थाना मिरतुर जिला मिलिशिया प्लाटून सदस्य, राजकुमार ओयाम 40 वर्ष निवासी बेचापाल थाना मिरतुर मिलिशिया प्लाटून सदस्य तथा सीताराम ओयाम 26 वर्ष निवासी बेचापाल थाना मिरतुर सीएनएम सदस्य शामिल हैं।

इलेक्ट्रिक स्कूटी में ब्लास्ट...

बगल में मौजूद बाइक व दुकान के समान के कारण तेजी से फैल गई और देखते ही देखते दो मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना के बाद घर में मौजूद तीन परिवार फंस गए थे। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व दमकल की टीम ने समय रहते आग की लपटों के बीच फंसे महिलाओं व बच्चों को बाहर निकाला। इस घटना में एक महिला समेत तीन लोग झुलस गए है जिन्हे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है शहर के कुंडला सिटी में श्याम मोबाइल दुकान संचालक आशीष मित्तल का मकान मौजूद है।

अब हर साल...

की तेजी से बदलती दुनिया में, यह जरूरी है कि पाठ्यपुस्तकें पूरी तरह से अद्यतन रहें। एनसीईआरटी को सालाना आधार पर एक समीक्षा करने और नया अकादमिक सत्र शुरू होने से पहले (पाठ्यपुस्तकों को) अद्यतन करने को कहा गया है।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सिंघानिया स्किन केयर — सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झाई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट। Makeover. 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311. मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com

सत्यनारायण मेमोरियल हेल्थ केयर — डॉ. संजीव कुमार सिंह, एम.बी.बी.एस., डी.एन.बी. (इंटर्नल मेडिसीन), मो. 9669109366, 7992636477. सोमवार से शनिवार- समय : शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक, रविवार- सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक. इकोकार्डियोग्राफी, मधुमेह, हृदय से संबंधित रोग, ब्लड प्रेशर से संबंधित, थॉयराइड से संबंधित. ग्राउण्ड फ्लोर ऑर्बिट कॉम्प्लेक्स, सुन्दर नगर, रायपुर - 492001

डॉ. जाऊलकर — कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर), कोब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल. ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified). सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.). फोन: 0771-4044551. समयः सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ. सुविधाएं: पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी. स्पेशलिस्ट : खासी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद. गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर. मो. 7999450384, 7042974029

अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर) — उपलब्ध विशेषताएं. फोन: +91-0771-4088107/108. OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक — मनोरोग, नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ. मो. 9977247553. समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन). आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव. आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.). 7987225800, 9301744425

डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre. Diabetic Clinic. 17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर. समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक. Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा. SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल. छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर. 9644099925

वात, स्पाइन एवं पाइल्स केयर — मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध. राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर. मो. 9039050422. मनसा चैम्बर्स, कल्याण हॉस्पिटल के पीछे, बिलासपुर रोड, फाफाडीह रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508133

राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन — अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक — वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु — रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्चे बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन — रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

शब्द पहेली - 5497

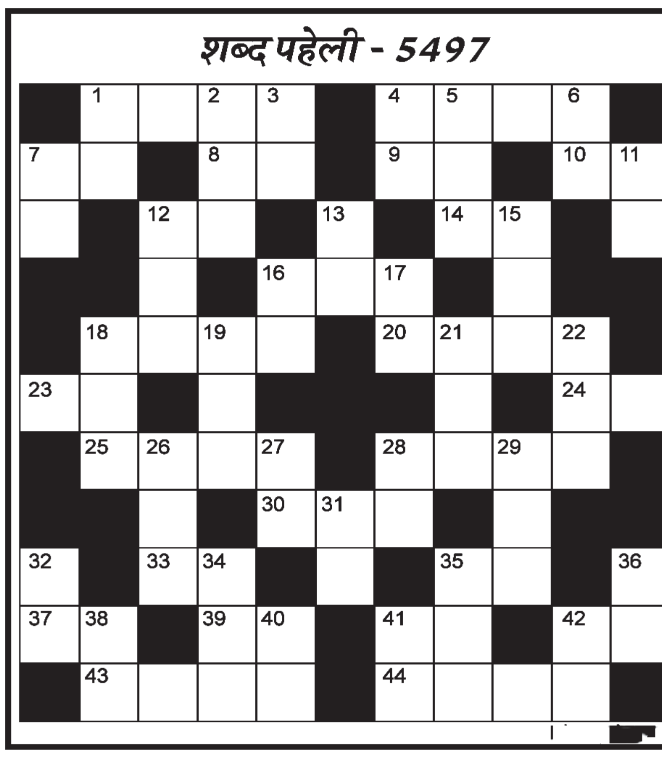

बाएँ से दाए-
1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -5496 का हल

■	अ	नु	भ	व	■	शा	का	हा	र	■
अ	■	क्त	■	ल	■	मि	■	नि	■	अ
ह	म	■	का	या	प	ल	ट	■	का	का
म	■	रा	■	का	■	हो	■	श	■	र
क	हा	नी	का	र	■	ना	म	क	र	ण
■	द	■	■	■	■	■	■	■	सो	■
अ	सा	म	थि	क	■	आ	ज	मा	ई	श
चा	■	स्त	■	म	■	रा	■	न	■	रा
न	ल	■	नी	ल	क	म	ल	■	खौ	फ
क	■	भ	■	ना	■	दे	■	क	■	त
■	को	ला	ह	ल	■	ह	र	जा	ई	■

सूडोकु नवताल - 5508

★★★ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5507 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

स्पेशल
वर्ल्ड लाफ्टर-डे, 5 मई

हंसी हमारे भीतर बैठे तनाव को खत्म ही नहीं करती, हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ भी रखती है। अच्छी बात यह है कि हंसने के मामले में महिलाएं कुदरती तौर पर पुरुषों से कहीं आगे होती हैं, खुलकर हंसना उनके स्वभाव में होता है। इस बात की पुष्टि कई शोधों से मिलती है। महिलाओं पर हुए ये शोध किन बातों को आधार बनाकर हुए, यह जानते हुए हम भी यह मानें कि हंसी हजार नियामत है।

कवर स्टोरी / विमला रस्तोगी

पुरुषों से कहीं ज्यादा हंसती हैं महिलाएं

किसी विद्वान ने कहा है, 'अगर तुम्हारे होंठों पर मुस्कान है और हृदय में एक कोई अच्छा गीत तो निश्चित रूप से तुम ऊंची आवाज में गाओ।' देखा जाए तो आज यही मुस्कान-हंसी बहुत दुर्लभ हो गई है। जिंदगी की आपा-धापी और तमाम तरह के तनावों के बीच आदमी हंसना भूलता जा रहा है।

हंसी-खुशी के बदल गए हैं मायने

आज इंसान के लिए हंसी-खुशी के मायने बदल चुके हैं। धनी और अधिक पैसा कमाने की, मध्य वर्ग सीमित आमदनी में ढंग से रहने की और गरीब निर्धनता से मुक्ति पाने, जीने की कशमकश में लगा रहता है। धनी वर्ग क्लबों, पार्टियों और होटलों में हंसी खोजने जाता है। गरीब के लिए अपने बच्चों के पेट भरने पर ली जाने वाली चैन की सांस ही उसके होंठों की मुस्कान बन जाती है। आजकल चिंताएं बिना किसी रुकावट के बिन मांगे ही मिल जाती हैं, लेकिन हंसी दुर्लभ है।

हंसी पर क्या कहते हैं शोध

व्यक्ति कब हंसता है? कितना हंसता है? आदमी ज्यादा हंसते हैं या महिलाएं? विदेशों में शोधकर्ता हंसी से संबंधित इन्हीं सब बातों पर शोध करने में लगे हैं। हंसने पर शोध करने वाले वर्जीनिया विश्वविद्यालय के वेड.सी. मैकी का कहना है कि अनेक स्थितियों में महिलाएं पुरुषों से जल्दी और अधिक हंसती हैं। लुइसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के शोधकर्ता भी हंसी पर अनुसंधान कर रहे हैं। अपने शोध के दौरान इन शोधकर्ताओं ने ढाई मिनट तक दो पुरुषों की मनोरंजक बातचीत टेप की और उसे कुछ अकेले बैठे पुरुषों को सुनाया। इसी टेप को शोधकर्ताओं ने बाद में महिलाओं को सुनाया, जो अकेली बैठी थीं तो उन्होंने पाया कि अकेली बैठी महिलाएं उस टेप को सुनकर अकेले बैठे पुरुषों की अपेक्षा अधिक खुल कर हंसीं। शोध से यह भी निष्कर्ष सामने आया है कि महिलाएं अन्य महिलाओं के साथ मिलकर ज्यादा हंसती हैं, जबकि पुरुष अपने वर्ग में बैठ कर सामान्य स्तर तक ही हंसते हैं। अब आप ही बताएं, कहीं चार महिलाएं बैठी ठहाके लगा रही हों तो लोग क्यों जलते हैं? महिलाओं पर 'खाली बैठे ठठ्ठे मारने' का इल्जाम क्यों लगाया जाता है? ऐसा इल्जाम या हंसी के मामले में महिलाओं से जलन गलत है। क्या खुशमिजाज होना गलत है?

एक हंसी दूसरी हंसी को जन्म देती है

अमेरिका में लुइसियाना के ग्रामीण क्षेत्रों में और वर्जीनिया के शहरी क्षेत्रों में किए गए एक अध्ययन के अनुसार एक हंसी दूसरी हंसी को जन्म देती है। वैसे हंसने में महिलाएं ज्यादा सक्रिय देखी जाती हैं। शोधकर्ताओं ने एक सड़क पर कुछ नियत शब्दों में वयस्कों का स्वागत किया। कभी हंस कर, कभी बिना हंसे। आमतौर पर हंसी का उत्तर हंसी में मिला, लेकिन महिलाएं पुरुषों से ज्यादा हंसीं। शोध में एक और निष्कर्ष निकला कि पुरुष यदि पुरुष को देखकर मुस्कराता है तो अच्छा रेस्पांस मिलता है। लेकिन पुरुष महिला को देखकर मुस्कराए तो प्रत्येक महिला हंसकर रेस्पांस नहीं देती, इसका कारण हमारे बनाए सामाजिक दायरे हैं। महिलाओं को देखना होता है कि वह कहां और किसके साथ हैं? कहीं कोई उन पर अंगुली ना उठा दे। लेकिन यह तय है कि हंसना महिलाओं के स्वभाव में है। इसलिए उन्हें टोकना नहीं चाहिए।

सर्वत्र लागू होती है ज्यादा हंसने वाली बात

कोई कुछ भी कहे, महिलाएं कई मामलों में पुरुषों से बाजी मार ही लेती हैं। मसलन, पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं बोलती ज्यादा हैं, लड़ती ज्यादा हैं, सहती ज्यादा हैं, रोती ज्यादा हैं, इसी तरह हंसती भी ज्यादा हैं। यह बात पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण सर्वत्र समान रूप से लागू होती है। अधिक हंसने की आदत के कारण कुछ महिलाओं के 'हंसमुखी' या 'फुलझड़ी' जैसे नाम पड़ जाते हैं।

हंसी हजार नियामत

हंसने पर शोध की बात पर याद आती है अपनी एक परिचिता, जो हर बात पर हंसती है। हंसने वाली बात पर हंसे तो मुनासिब है, लेकिन वह दुख की बात पर भी हंस पड़ती है। उसका मानना है, दुख भी हंस कर सहो। अरे भई, हंस कर दुख सहने का यह मतलब तो नहीं कि हर समय बत्तीसी दिखाते रहो। क्या कहें उसे जो किसी को गिरता देख ले तो उसे हंसी आ जाए। गिरने वाला चाहे उसका भाई हो या पड़ोसी, जवान हो या बच्चा, किसी को बुरा लगे या भला, उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसका कहना होता है, 'मैं क्या करूं, किसी को गिरता देख सबसे पहले मेरी हंसी ही छूटती है।' है न इस महिला की हंसी गजब की। काश! शोधकर्ता इस महिला पर शोध करते तो उन्हें खासे आंकड़े बदलने पड़ते। लेकिन जो भी कहा जाए, हंसी हजार नियामत है, हम खुद तो हंसें ही, दूसरों को भी हंसाकर उसे खुशी के पल दें। *

जब करें मजाक रखें इन बातों का ध्यान

अपनों के साथ हम मजाक करते ही हैं, यह हंसने-हंसाने का एक प्यारा-सा जरिया है। लेकिन मजाक कभी ऐसा ना करें कि सामने वाला हंसने के बजाय आहत हो। ऐसे मजाक बिल्कुल ना करें, जिसे आप स्वयं भी ना सह पाएं। मजाक एक सीमा में रहकर करें।

बिहेवियर / विवेक कुमार

बड़े-बुजुर्ग सही कहते हैं कि हंसी-मजाक एक सीमा तक ही अच्छे लगते हैं। अगर आपने इसकी हद पार कर दी तो यह हंसी-मजाक संबंधों के लिए घातक भी हो सकता है। आपने भी कई बार महसूस किया होगा कि किसी-किसी का मजाक आपके दिल में चुभकर रह गया। ऐसे तमाम किस्से भी सुने होंगे कि किसी ने, किसी दूसरे का इतना मजाक उड़ाया कि मजाक से पीड़ित व्यक्ति ने गुस्से में मजाक बनाने वाले से मारपीट तक कर ली। इसलिए जब भी किसी से मजाक करें, कुछ बातों का जरूर ध्यान रखें।

सीमा पार ना करें : मजाक हमेशा एक सीमा तक ही अच्छा लगता है। जैसे ही आपने किसी का मजाक बनाते हुए सीमाएं, मर्यादाएं पार कीं तो मजाक बनाए जाने वाला व्यक्ति बहुत अपमानित महसूस करता है। इसलिए जब भी किसी से मजाक करें, उसका सम्मान करते हुए महज मनोरंजन की सीमा तक ही यह करें। खास करके ऐसे व्यक्ति का तो मजाक कभी नहीं उड़ाना चाहिए, जो मजबूर हो और पलटकर आपको जवाब ना दे सके। इसी तरह किसी शख्स में अगर कोई जन्मजात कमी है, मसलन वह अंधा है, लंगड़ा है या वह बोल नहीं पाता, मोटा है, काला है, कद बहुत छोटा है, ऐसी शारीरिक स्थितियों का तो कभी भी मजाक नहीं उड़ाना चाहिए। क्योंकि ऐसे व्यक्तियों का जब कोई मजाक उड़ाता है तो वह मजाक उन्हें गुदगुदाता नहीं है, अपमानित महसूस कराता है।

वही मजाक करें, जो आप भी सहन कर सकें : किसी भी व्यक्ति का उन्हीं बातों और संदर्भों को लेकर मजाक उड़ाना चाहिए, जिन बातों और संदर्भों को लेकर किए गए मजाक को आप खुद भी सहन कर सकें। किसी का ऐसी किसी बात के लिए मजाक ना उड़ाएं जैसी बात के लिए आप खुद मजाक सहन नहीं कर सकतीं। हम यह ना भूलें, जब हम किसी का मजाक उड़ाते हैं तो इसका हमारे संबंधों पर असर पड़ता है। जब हम जिसका मजाक उड़ाते हैं, अगर उसके मन में यह भावना आती है कि आप उसका अपमान कर रही हैं, तो चाहे वह कितना अच्छा दोस्त हो, उससे आपके रिश्ते सलामत नहीं रहेंगे। मजाक से विश्वास और दोस्ती दोनों के टूटने का खतरा रहता है। भले कुछ लोग कहते हों कि मजाक करके वह माहौल को हल्का-फुल्का और तनावमुक्त बनाना चाहते हैं, लेकिन यह एक बड़ा झूठ है। जब हम किसी का मजाक उड़ाते हैं तो माहौल हल्का नहीं होता, उस व्यक्ति के लिए तो बहुत ही तनावभरा हो जाता है।

क्या कहता है मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के मुताबिक कोई स्वस्थ व्यक्ति किसी का मजाक नहीं उड़ा सकता। हां, अगर कोई ऐसा व्यक्ति जो वाकई मनोरंजन के लिए या माहौल को हल्का-फुल्का करने के लिए मजाक का सहारा लेता है, तो वह दूसरों की बजाय सबसे ज्यादा खुद का ही मजाक उड़ाता है। मनोविज्ञान यह भी स्पष्ट करता है कि दूसरो का मजाक उड़ाकर हम अपने आपको महत्वपूर्ण बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन ऐसी कोई कोशिश कभी सफल नहीं होती।

लोगों को मौका ना दें : जब कोई व्यक्ति पहली बार आपका मजाक उड़ाने की कोशिश करे और आपको लगे कि आप उससे आहत हो रही हैं तो तुरंत उसे टोक दें। अगर पहली बार में ही टोक देंगी तो वो भविष्य में ना सिर्फ आगे बढ़ने से रुक जाएगा बल्कि यहां से भी पीछे लौट जाएगा। अगर आपने उसे आगे बढ़ने दिया तो वह भविष्य में अगर पीछे लौटने का हौसला भी दिखाएगा तो बार-बार इससे पीछे भी हट जाएगा। किसी से दबकर तो अपना मजाक कभी भी नहीं उड़वाना चाहिए। क्योंकि अगर सामने वाले को लग गया कि आप उससे दबे हुए हैं, इसलिए उसकी मजाक को सहन कर रहे हैं तो वह फिर और दबाता जाएगा। यह कभी नहीं भूलें, मजाक हंसने-हंसाने के लिए होते हैं, दिल को दुखाने के लिए नहीं। *

एडवाइस / विनीता

अपने आप से क्यों रखें शिकायत

हर इंसान से जीवन में कोई ना कोई गलती हो जाती है। ऐसी गलती भी हो जाती है, जिसमें अपना ही नहीं, अपने किसी प्रिय का नुकसान हो जाता है। यह गलती जानबूझ कर नहीं, अनजाने में हो जाती है फिर भी हम अपने आपको दोषी मानते हैं। एक तरह से अपराधबोध से ग्रस्त हो जाते हैं। लंबे समय तक ऐसी मनःस्थिति मेंटल हेल्थ के लिए ठीक नहीं है, इससे जल्द से जल्द उबरना जरूरी है। लेकिन उबरें कैसे, जानिए-

हमेशा खुद को दोषी ना समझें: कुछ लोग किसी भी काम में कोई गलती होने पर खुद को दोषी मान लेते हैं, इन्हें अपने आपसे शिकायत हो जाती है। ऐसे लोग अपने आपको कोसने लगते हैं। ऐसी स्थिति में उनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन आ जाता है। इसलिए अगर आपसे कभी कोई गलती हो भी जाए तो लगातार उसके बारे में सोचकर उदास-निराश होने के बजाय उसे सुधार कर आगे बढ़ जाएं।

स्वयं रखें अपना ध्यान: आज की इस भागम-भाग वाली जिंदगी में लोगों के पास दूसरों के लिए समय नहीं है। अधिकांश लोग सिर्फ अपने बारे में सोचते हैं, इसलिए आपको अपना ध्यान खुद ही रखना होगा, तभी आप खुश रहेंगी, जीवन में कामयाब होंगी। इसके लिए आपको अपनी कमियों और गलतियों के प्रति सचेत रहना होगा, अपनी आदतों को निरंतर सुधारने की कोशिश करनी होगी।

हीनभावना से बचें

किसी गलती के लिए खुद को लंबे समय तक दोषी समझने या अपराधबोध से ग्रस्त होने के कारण मन में हीनभावना जन्म ले लेती है। इससे व्यक्ति को ऐसा लगता है कि वह दिमागी रूप से बहुत कमजोर है, इसी कारण अकसर उसी से ही गलतियां होती हैं। वह असक्षम है। अपने बारे में ऐसी बातें ना सोचें। यह तभी संभव होगा, जब आप अपने लिए कुछ अच्छा सोचेंगी। अपनी सोच सकारात्मक रखेंगी।

खुद को दें शाबासी: हमेशा कुछ नया सीखने और करने का प्रयास करें। अपना आत्मविश्वास और आत्मबल बढ़ाएं। इसके लिए जब भी किसी कार्य में आपको सफलता मिले तो उसके बारे में सोचकर खुद पर गर्व महसूस करें। अपने आप को शाबासी भी दें। जब आप खुश होकर अपने बारे में सकारात्मक नजरिया रखेंगी तो आपके मन में खुद के प्रति कोई शिकायत नहीं रहेगी, कोई गलती होने पर लंबे समय तक अपने आपको दोषी मानते हुए तनाव में नहीं रहेंगी, हीनभावना का शिकार नहीं होंगी। *

(मनोवैज्ञानिक विचित्रा दर्गन आनंद से हुई बातचीत पर आधारित)

अप्रतिनिधित्व क्षेत्रों में डीलरशिप एवं ASM या SR हेतु संपर्क करें
Mobile: 92851 63700, Email: gdc.indore@gmail.com

गर्मी के मौसम में ऐसी ड्रेसेस कम ही होती हैं, जो कंफर्ट और कूल फील तो कराएं ही, आपके लुक को भी स्मार्ट दिखाएं। इस लिहाज से आप कॉटन फैब्रिक वाली ड्रेसेस सेलेक्ट कर सकती हैं। इन दिनों मार्केट में कॉटन ड्रेसेस में किस तरह की वैरायटीज उपलब्ध हैं, जानिए।

वियर करें कॉटन ड्रेसेस कूल फीलिंग-स्मार्ट लुक

फैशन / नीलोफर

गर्मी के मौसम में स्किन फ्रेंडली कॉटन सबका पसंदीदा फैब्रिक होता है। हर कोई इन दिनों बेचैन करती गर्मियों में सॉफ्ट, लाइट और कंफर्टेबल ड्रेसेस पहनना चाहता है और ऐसी ज्यादातर ड्रेसेस आसानी से कॉटन में मिलती हैं। इसलिए समर सीजन में कॉटन ड्रेसेस की डिमांड बढ़ जाती है। सिर्फ सुकून के लिए ही नहीं फैशन में भी अब कॉटन के जलवे कम नहीं हैं। आइए जानें, इन गर्मियों में आप कौन-सी कॉटन ड्रेसेस चुन सकती हैं?

ब्लॉक प्रिंटेड ड्रेसेस : भले लकड़ी से होने वाली ब्लॉक प्रिंटिंग का ट्रेंड खत्म हो गया हो, लेकिन फैशन में यह अभी भी खूब धूम मचा रही है। ऐसी ड्रेसेस खास तौर पर गर्मियों में खूब पसंद किए जाते हैं, जिनमें एक तय स्पेस के भीतर अलग-अलग ब्लॉक प्रिंट डिजाइन बने होते हैं। अपने अच्छे लुक के कारण यह आज भी खूब पसंद की जाती है। गर्मी के मौसम में जो ब्लॉक प्रिंट ड्रेसेस खासतौर पर खूब पसंद किए जा रहे हैं, उनमें राजस्थानी डिजाइन सबसे टॉप पर हैं। ब्लॉक प्रिंट ड्रेसेस लंबी होती हैं और ये भी ज्यादातर स्लीवलेस होती हैं। ऐसी ड्रेसेस में कमर के एरिया में एक स्टाइलिश बेल्ट होती है, जो खासतौर पर बांधे जाने पर किसी थीम को प्रेजेंट करती है। ज्यादातर फैब्रिक में ब्लैक एंड वाइट प्रिंट आउट ऑफ डेट हो गए हैं, लेकिन ब्लॉक प्रिंटिंग में ये अब भी खूब पसंद की जाती है।

बोहेमियन कॉटन ड्रेसेस : यह एक स्लीवलेस लांग ड्रेस होती है, जो कैजुअल आउटफिट के लिए परफेक्ट मानी जाती है। बोहेमियन ड्रेसेस का मतलब ढीले-ढाले और बोल्ड प्रिंटेड डिजाइनर ड्रेसेस से होता है। बीते कुछ वर्षों से गर्मी के मौसम में वोहो फैशन मेट्रो से लेकर छोटे शहरों तक में खूब ट्रेंड में है। इन दिनों ऐसी ड्रेसेस में रेट्रो पैटर्न और न्यूट्रल कलर्स खूब ट्रेंड में हैं। इनके साथ शानदार स्टेटमेंट एक्सेसरीज कैरी करने का भी ट्रेंड है। इनमें वेवी फैब्रिक में लंबे ट्यूनिक्स और बैगी शर्ट भी चलन में हैं। बोहेमियन ड्रेस के साथ बैग, जैकेट, टॉप पर लटकन, झालर, पंख बेहद अट्रैक्टिव लगती हैं।

लांग पॉकेट कॉटन ड्रेसेस : वैसे किसी ड्रेस में पॉकेट सहूलियत के लिए होती हैं, लेकिन ये डिजाइन का हिस्सा भी होती हैं। लांग ड्रेसेस विद पॉकेट देश-विदेश में इन दिनों खूब हिट हो रहा है। इन गर्मियों में खासतौर पर ऐसे लाइट कलर प्रिंट वाली लंबी ड्रेसेस महिलाएं खूब पसंद करती हैं। इनमें डेली पहनी जाने वाली डोमेस्टिक ड्रेसेस हो सकती हैं और ऑफिस वियर से लेकर घूमने-फिरने जाने के समय पहनी जा सकने वाली कैजुअल ड्रेसेस भी। ये सभी बेहद आकर्षक लगती हैं और इनमें पॉकेट्स का पैटर्न होना शानदार लगता है। कॉटन में पॉकेट ड्रेसेस अच्छी-खासी वैरायटी में उपलब्ध हैं।

रैप कॉटन ड्रेसेस : विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु ओशो अपने आश्रम में हमेशा एक लंबी चोंगे जैसी ड्रेस पहना करते थे। अगर देखा जाए तो विदेशी धर्म प्रचारकों और धार्मिक गतिविधियों से जुड़े दूसरे लोगों की भी ऐसी ड्रेस पहनना पसंद होता है। लेकिन चोंगे जैसी रैप ड्रेस का चलन आम लोगों में भी खूब बढ़ रहा है। जब आसमान से आग बरस रही हो तो तब कॉटन की बनी सिर से लेकर पैर तक को कवर करने वाली ये चोंगेनुमा रैप ड्रेसेज बेहद सुकून देती हैं।

बॉडी फिटेड मल्टी कलर ड्रेसेस : कई शॉपिंग वेबसाइट्स ने हाल के सालों में यंग वुमेन के लिए कम से कम दाम में खूब स्टाइलिश और स्लीवलेस मिनी ड्रेसेस लांच की हैं। ये ड्रेसेस इस मौसम की पहचान बन गई हैं। ऑनलाइन ही नहीं ऑफलाइन भी ऐसी ड्रेसेस की भरमार है, जो मल्टी कलर और मल्टी डिजाइन में 500 से 6000 रुपए तक के बीच उपलब्ध हैं। गर्मियों में खासकर इवोरा मिनी ड्रेसेस की भरपूर मांग है। फिट से लेकर कॉमन साइज तक में इवोरा ड्रेस 100 से ज्यादा अलग-अलग डिजाइन में अवेलेबल हैं। इनमें फेस ब्लैक, ग्रांड पेंट, माइरियर क्रॉप, सामरा मिनी ड्रेस, प्रज्ञा मिनी ड्रेस जैसे कई सारे डिजाइन खूब पॉपुलर हैं। *

बोहेमियन ब्लॉक प्रिंटेड ड्रेस

लांग पॉकेट ड्रेस

रैप ड्रेस

इवोरा बेल्टेड पफ ड्रेस

सीजनल टिप्स / संध्या सिंह

जब समर सीजन के लिए सेलेक्ट करें ड्रेस-एक्सेसरीज

गर्मी के मौसम में ड्रेस और एक्सेसरीज का सेलेक्शन बहुत समझदारी से करना चाहिए। ऐसा ना करने से आपका लुक तो बिगड़ेगा ही, आप अनकंफर्टेबल भी फील करेंगी।

गर्मी के मौसम में हर कोई ऐसी ड्रेसेस और एक्सेसरीज सेलेक्ट करना चाहता है, जिससे सुकून मिले। लेकिन यह सुकून सिर्फ कॉटन की ड्रेस पहनने भर से नहीं मिलता है। इसलिए इनके कलर और एक्सेसरीज पर भी ध्यान देना जरूरी है।

सुकून देने वाले कलर्स : अपनी ड्रेस कलर च्वाइस से भी आप गर्मी को मात दे सकती हैं। गर्मियों में डिजाइन कैसी भी हो, मैटेरियल कैसा भी हो लेकिन अगर कलर सुटेबल नहीं हो तो सुकून नहीं मिलता है, परेशान करने वाली बेचैनी बनी रहती है। इसलिए बेहतर है कि व्हाइट कलर ड्रेसेस को प्रेफरेंस दें। यह कलर गर्मी को सोखता नहीं है, उसे रिफ्लेक्ट कर देता है। इसलिए, गर्मियों में इस कलर की ड्रेस ही चुनें। डार्क और ब्लैक कलर ड्रेसेस को अवॉयड ही करें। ब्लू कलर भी ज्यादा यूवी किरणों को सोखता है, इसलिए इस मौसम में गहरे रंगों से दूर रहें। लाइट ग्रीन, ऑरेंज, यलो और स्काई ब्लू कलर ही इन दिनों सुकून पहुंचाते हैं।

ऑफ शोल्डर टॉप-हाफ पैंट्स : इस मौसम में बहुत चुस्त और फिटेड ड्रेसेस ना अच्छे लगते हैं और ना ही आरामदायक होते हैं। इस लिहाज से कॉटन मेड ऑफ शोल्डर टॉप और हाफ पैंट्स, उन टीनएज गर्ल्स और यंग वूमेन के लिए परफेक्ट ड्रेस है, जो गर्मियों में आउटिंग पर जा रही हों। हालांकि इसे फ्रेंड्स के साथ गेट-टू-गेदर में भी कैरी कर सकती हैं, क्योंकि इस ड्रेस में यंग वूमेन खूब फबती हैं। यह ड्रेस कॉम्बिनेशन मॉडर्न लुक तो देती ही है, इससे सुकून भी मिलता है। इसके अलावा लॉन्ग कुर्ती, प्लीटेड स्कर्ट, व्हाइट शर्ट, लिनेन जैकेट और कॉटन टी-शर्ट विद पलाजो, गर्मियों के लिए अच्छी च्वाइस हैं।

हील्स को कहें बाय-बाय: अप्रैल, मई और जून माह में उत्तर, मध्य और पश्चिम भारत में जिस तरह की गर्मी पड़ती है, वैसे मौसम में हाई हील्स को बाय-बाय कहने में ही समझदारी है। दरअसल, गर्मी के मौसम में देर तक हील्स पहनने से पैर की अंगुलियों पर बहुत दबाव महसूस होता है। इस दौरान लगातार हील्स पहनने से पैरों की शेप तक बिगड़ जाती है। चूंकि हील्स पहनने से सेंटर ऑफ ग्रेविटी का आगे की ओर खिसक जाता है, इसलिए खड़े होने पर न चाहते हुए भी पीठ झुक जाती है। यह कई बार असहनीय पीठ दर्द का कारण बन जाता है। इसलिए हील्स पहनने से बचें।

कंफर्टेबल फुटवियर : शॉर्ट ड्रेसेस की तरह गर्मी के मौसम में फुटवियर भी कंफर्टेबल ही पहनें। फुटवियर हमारे पैरों को राहत ही नहीं देते, ये हमें स्टाइलिश भी बनाते हैं। इसलिए स्नीकर्स पहनते समय जमीन से सटी सैंडिल या हाई हील्स की तरफ भूलकर भी ना देखें। बेचैन करने वाली गर्मियों में यह पक्का डिसाइड कर लें कि इस मौसम में जो कुछ पहनेंगी कंफर्टेबल ही पहनेंगी।

पैरों को दें नमी : गर्मी में बढ़ते तापमान पर आपका कंट्रोल नहीं रहता है। लेकिन सही ड्रेसेस सेलेक्ट करना आपके हाथ में ही है। इसलिए अगर इस मौसम में तरोताजा रहना है तो शॉर्ट ड्रेसेस खूब शौक से पहन सकती हैं लेकिन याद रखें शॉर्ट ड्रेस पहनते समय सबसे ज्यादा इसकी कीमत पैरों को चुकानी पड़ती है। क्योंकि ज्यादातर समय पैर सीधे धूप, मिट्टी और गर्म हवाओं को सहती हैं। इसलिए अपने पैरों को इन परेशानियों से बचाने के लिए लेग्स को नियमित मॉयश्चराइज करती रहें वरना आपके पैरों की स्किन ड्राय और डल हो जाएगी। *

मेनोपॉज के बाद ऐसे करें सेल्फ केयर

हर महिला के जीवन में मेनोपॉज स्टेज के दौरान और उसके बाद कई फिजिकल-मेंटल चेंज होते हैं। इससे कई प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। इसके लिए यहां दिए जा रहे सजेशंस आपके लिए यूजफुल हो सकते हैं।

हेल्थ एडवाइस / अंजू जैन

आमतौर पर मेनोपॉज को हड्डियों की कमजोरी और ब्रेस्ट कैंसर की बड़ी वजह माना जाता रहा है, लेकिन सच यह है कि अगर ध्यान न दिया जाए तो मेनोपॉज महिलाओं के लिए कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सबब भी बन सकती है।

गम्स प्रॉब्लम: नॉर्थ अमेरिकन मेनोपॉज सोसायटी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर जोएन वी. पिंकर्टन कहती हैं, 'मेनोपॉज की स्थिति में जब महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन का लेवल कम हो जाता है तो उनमें दांत ढीले होने और गम्स प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। कुछ महिलाएं ड्राइ माउथ, मसूढ़ों में जलन और दर्द भी महसूस करती हैं। ऐसे में उन्हें ओरल हाइजीन पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।'

स्लीप एप्निया: विस्कोंसिन स्लीप कोहर्ट स्टडी के आधार पर पिंकर्टन बताती हैं कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं में प्रोजेस्ट्रॉन हार्मोन का लेवल भी कम हो जाता है, जिससे ब्रीदिंग डिस्टर्ब होती है और स्लीप एप्निया की समस्या हो जाती है। कई महिलाओं में दिन में नींद ज्यादा आने, सिरदर्द और एंग्जायटी की समस्या होने लगती है।

डायबिटीज: अमेरिका की नेशनल हेल्थ स्टडी में वूमेंस हेल्थ इनीशिएटिव के मुताबिक जिन महिलाओं में 46 साल की उम्र से पहले या 55 साल के बाद मेनोपॉज होता है, उनमें टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क बढ़ जाता है। गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. किरण कोएलो कहती हैं, 'एस्ट्रोजन हार्मोन ग्लूकोज लेवल को स्थिर रखता है। इस हार्मोन का स्तर कम होने पर शरीर में ग्लूकोज का संतुलन बिगड़ जाता है। साथ ही फैट भी ज्यादा जमा होने लगती है। इसके अलावा इससे पोलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम, हाई बीपी और जेस्टेशनल डायबिटीज का रिस्क भी बढ़ जाता है। इसलिए रेग्युलर चेक-अप करवाना चाहिए और ओवरवेट होने से भी बचें।'

हार्ट डिजीज: मेनोपॉज से पहले, एस्ट्रोजन हार्मोन से शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ती है, खराब कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है और हाई बीपी कंट्रोल होता है। लेकिन जब मेनोपॉज के कारण एस्ट्रोजन का लेवल कम होने लगता है तो हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में नियमित 30 मिनट की एक्सरसाइज, प्लांट बेस्ड डाइट लेना और स्मोकिंग से बचना जरूरी है।

ईटिंग डिसऑर्डर: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ईटिंग डिसऑर्डर्स में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, मेनोपॉज के बाद महिलाओं में जो शारीरिक परिवर्तन आते हैं, उनसे ईटिंग डिसऑर्डर और नेगेटिव बॉडी इमेज की समस्या भी होती है। दरअसल, यह स्थिति सिर्फ शारीरिक ना होकर मानसिक और सामाजिक भी हो जाती है। महिलाओं के दिमाग में बेचैनी और उथल-पुथल होने लगती है। खुद को फिट और खूबसूरत दिखाने के लिए महिलाएं हेल्दी ईटिंग नहीं करतीं और डाइटिंग करने लगती हैं।

यूरीनरी प्रॉब्लम्स: स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर स्मिता गुटगुटिया के अनुसार, 'मेनोपॉज के बाद यूरीनेशन पर कंट्रोल कम होने की समस्या कई महिलाओं को होती है। ऐसा एस्ट्रोजन का लेवल कम होने से यूरेथ्रा के पतले होने के कारण होता है। साथ ही एजिंग, नॉर्मल डिलीवरी आदि के कारण पेल्विक फ्लोर मसल्स कमजोर होने से भी ऐसा होता है। साथ ही इस उम्र में बार-बार यूरीनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन भी होता है। इस समस्या से राहत के लिए कीगल एक्सरसाइज, पर्याप्त पानी पीना और गायनेकोलॉजिस्ट की सलाह से सावधानियां बरतना हेल्पफुल हो सकता है।' *

सीजन बदलने के साथ इंटीरियर में भी चेंज करना जरूरी होता है। इन गर्मियों में अगर आप घर के लिए सुटेबल पर्दे (कर्टेंस) सेलेक्ट करें तो इससे इंटीरियर को अच्छा लुक तो मिलेगा ही, आपको कूल फीलिंग भी होगी।

समर सीजन में कर्टेंस से दें घर को कूल-अट्रैक्टिव लुक

इंटीरियर / अनु आर.

गर्मियों में ऐसे पर्दे हमारे मन को सुकून देते हैं, जो लाइट-सॉफ्ट कलर के होते हैं। इसलिए इस दौरान अगर घर के पर्दों को मौसम के अनुकूल कर लिया जाए तो इससे गर्मी का सामना करने में थोड़ी आसानी हो जाती है।

इसलिए जरूरी है पर्दे बदलना : गर्मी के दिनों में अपने कमरे के पर्दों को बदलने के पीछे दो कारण हो सकते हैं। एक, गर्मी में कमरे को पूरी तरह से डार्क रखना चाहते हों या दूसरा, कमरे को बेहद लाइट कलर का करना चाहते हों। गर्मी में दोपहर के समय जब धूप अपने चरम पर होती है तो उस वक्त कमरे को डार्करूम लुक देना अच्छा लगता है। इससे आराम करते वक्त कमरे का वातावरण कूल और स्मूद रहता है। लेकिन शाम होते ही मन होता है कि सुहाने नजारे का लुत्फ उठाया जाए तो इसके लिए हल्के और पतले फैब्रिक वाले पर्दे का इस्तेमाल बेहतर लगता है। इसलिए गर्मी के मौसम में दो तरह के पर्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। गहरे रंग के मोटे पर्दे के इस्तेमाल से जहां धूप से बचाव होता है, वहीं शाम के वक्त हल्के पर्दे से खिड़की से हवा आने से कमरे में ठंडक का एहसास होता है।

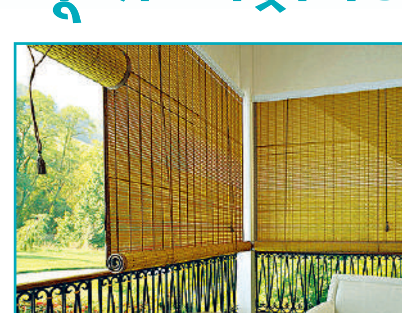

कलर-डिजाइन का रखें ध्यान : वैसे तो हैंडलूम के पर्दे दिखने में अच्छे लगते हैं लेकिन पसंद और बजट के अनुसार सिल्क के पर्दे ज्यादा ट्रेंडी लगते हैं। आंध्र प्रदेश के कलमकारी डिजाइन वाले पर्दे बेहद खूबसूरत लगते हैं और कमरे को ट्रेडिशनल लुक भी देते हैं। पर्दे के सेलेक्शन में घर की दीवारों के रंग का विशेष ख्याल रखना चाहिए। कमरे की दीवारें जरूरी नहीं कि एक ही रंग में हों। लेकिन दीवार के रंग से मैचिंग करता हुआ पर्दा ज्यादा अच्छा लगता है।

हर रूम के लिए अलग पर्दा: खिड़की पर लंबे पर्दे सुंदर लगते हैं। ड्रॉइंग रूम फॉर्मल होता है, इसलिए कोशिश करें कि यहां पर लगे पर्दे लाइट कलर के हों। इससे कमरा बड़ा और खुला-खुला लगता है। रॉयल सिल्क के पर्दे ड्रॉइंग रूम में अधिक जंचते हैं। बेड रूम में डार्क कलर्ड कर्टेंस आपके रोमांटिक मूड को बढ़ाते हैं। वैसे पिंक कलर बेडरूम के लिए सबसे परफेक्ट माना जाता है। आप चाहें तो प्रिंटेड कर्टेंस भी इस्तेमाल कर सकती हैं। बच्चों के कमरे में कॉर्टून कैरेक्टर की प्रिंट वाले पर्दे अच्छे और प्यारे लगते हैं। लेकिन यह ध्यान रखें कि गर्मी के हिसाब से कलर लाइट ही हों।

चिक भी है अच्छा ऑप्शन : अगर पर्दों के अलावा कुछ यूज करना चाहती हैं तो गर्मियों में इनकी जगह चिक का प्रयोग किया जा सकता है। लिविंग रूम और बरामदे के बीच चिक का इस्तेमाल सबसे बेहतर होता है। इससे हल्की रोशनी कमरे के अंदर आती रहती है और जब इच्छा हुई इसे रोल करके आसानी से समेट भी सकते हैं। चिक में प्रयुक्त बांस के कारण कमरे में गर्मी भी नहीं आएगी। चिक के बॉर्डर को फर्नीचर के साथ मैच किया जा सकता है।

इससे निखरेगी खूबसूरती : पर्दे या चिक सेलेक्शन के अलावा कुछ बातों का ध्यान रखकर आप इंटीरियर को और अट्रैक्टिव बना सकती हैं। मिसाल के तौर पर अगर सोफा के कवर या कुशन कवर पर गुजराती प्रिंट की फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है तो इसके बॉर्डर पर भी इसी का प्रयोग करना डेकोरेशन के लिहाज से परफेक्ट माना जाता है। इसके अलावा कुशन कवर के चारों ओर लगे पाइपिन या फिर चिक के बॉर्डर पर घुंघरू लगाकर कमरे की सुंदरता में चार चांद लगा सकती हैं। इसी तरह गोल्ड बॉर्डर, सिल्क बॉर्डर, एंटीक गोल्ड की कढ़ाई वाला चिक बॉर्डर आज के फैशन में काफी ट्रेंड में है। अगर आप क्रिएटिव हैं तो कटपीस का प्रयोग करके चिक के बॉर्डर के साथ कुशन कवर के बॉर्डर पर भी पैच वर्क कर डिजाइनर बना सकती हैं। इसके इस्तेमाल से कमरे को गर्मी में ठंडा और आकर्षक बनाया जा सकता है। *

सजेशन

शीला श्रीवास्तव

अलग-अलग वजहों से हमें शिफ्टिंग करनी पड़ती है। ऐसे में आपके सभी सामान सुरक्षित रहें और नई जगह पर बिना परेशानी वो आसानी से मिल भी जाएं, इसके लिए शिफ्टिंग के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

ऐसे करेंगी शिफ्टिंग नहीं होगी परेशानी

किराए का मकान बदलना हो या ट्रांसफर होने पर दूसरे शहर जाना पड़े, घर का सामान शिफ्ट करना बहुत बड़ा टास्क होता है। ऐसे में थोड़ी बहुत टूट-फूट हो ही जाती है। यही नहीं नियत जगह पहुंचने के बाद अकसर जरूरी चीजें समय पर नहीं मिल पाती हैं। इसकी वजह है कि शिफ्टिंग की प्लानिंग सही तरीके से नहीं की गई होती है। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

लिस्ट बनाएं: आप अपने साथ ले जाने वाले हर चीज की लिस्ट जरूर बना लें। क्योंकि जब आप शिफ्टिंग के लिए पैकर्स को बुलाती हैं तो वे फटाफट सामान पैक करते हैं और आखिरी में नंबर डालते हैं। इससे यह कंफ्यूजन होता है कि कौन-सी पैकिंग में कौन-सा सामान रखा है? इसलिए पैकर्स के साथ आप भी अपनी लिस्ट के अनुसार पैकिंग पर अपनी लिस्ट के अनुसार नंबर और उसमें बंद वस्तुओं का कोई कोड बनाकर लिख लें। इसके लिए जहां तक हो सके हर कमरे में सामानों का उचित समूह जमा दें और पैकर्स से कह दें कि सारी डिब्बे बंद हो जाने के बाद उन्हें उसी कमरे या कोने में छोड़ दें। उदाहरण के तौर पर कांच का सामान, किचन का सामान जब पैक हो जाए, तो आप उस पर अपनी लिस्ट के अनुसार संख्याएं डालकर, उसमें क्या रखा है, यह लिख लें।

नाजुक सामान खुद पैक करें: पैकर्स हर काम जल्दी-जल्दी करते हैं। इस वजह से नाजुक सामान अकसर उनके हाथों से टूट सकता है। किसी का दिया हुआ तोहफा, कांच के कीमती बर्तन, डिजाइनर शो-पीस जैसे सामान को पैकर्स से पैक करवाने के बजाय बबल रैंप की मदद से खुद ही पैक करें। सामान को गाड़ी पर लोड करते समय भी ऐसे सामान सुरक्षित तरीके से रखवाएं ताकि टूट-फूट ना हो।

यूजलेस सामान छोड़ दें : घर का पुराना समान शिफ्टिंग से पहले छांट कर अलग कर लें। जो काम में नहीं आता उसे किसी जरूरतमंद को दे दें या बेच दें।

भोजन सामग्री का रखें ध्यान: सामान शिफ्टिंग में भोजन सामग्री के लीक होने की आशंका रहती है। अचार, घी, तेल आदि के फैलने या इनके जार टूटने का डर भी बना रहता है। ऐसे में पैकर्स के हवाले करने से पहले ही कांच के जार से इस तरह की सामग्री को प्लास्टिक के डिब्बे में शिफ्ट कर दें। इसके बाद डिब्बों को बंद करके उसके मुंह पर टेप लगा दें ताकि सामग्री बाहर न आ सके।

इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की केयर: अकसर लोग इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने के बाद उसके बॉक्स को फेंक देते हैं, ऐसा करना सही नहीं है। इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, होम थिएटर, इंडक्शन आदि के वास्तविक पैकिंग वाले डिब्बे को संभाल कर रख लेना चाहिए। ये शिफ्टिंग के लिए की जाने वाली पैकिंग में बहुत काम आते हैं। कंपनी की पैकिंग वाले डिब्बे में सामान की सुरक्षा के सारे इंतजाम होते हैं। इसमें ये वस्तुएं पूरी तरह सुरक्षित रहती हैं। *

तगड़ी खरीदारी से शेयर बाजार में रौनक, सेंसेक्स 941 अंक उछला

एजेंसी ▶▶| मुंबई

वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच घरेलू स्तर पर बैंकों एवं ढांचागत कंपनियों के शेयरों में तगड़ी खरीदारी होने से सोमवार को बीएसई सेंसेक्स ने 941 अंक उछल गया जबकि एनएसई निफ्टी 22,600 के स्तर से ऊपर पहुंच गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 941.12 अंक यानी 1.28 प्रतिशत उछलकर 74,671.28 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 990.99 अंक तक बढ़कर 74,721.15 पर पहुंच गया था। निफ्टी भी 223.45 अंक यानी एक प्रतिशत बढ़कर 22,643.40 अंक पर बंद हुआ।

बैंकिंग शेयरों को मिली रफ्तार

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईसीआईसीआई बैंक में लगभग पांच प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। मार्च तिमाही में बैंक का समेकित शुद्ध लाभ 18.5 प्रतिशत बढ़कर 11,672 करोड़ रुपये हो जाने से इसके शेयरों को रफ्तार मिली।

ये शेयर रहे लाभ में

इसके अलावा इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी बढ़त लेने में सफल रहे।

इन शेयरों में रही गिरावट

हालांकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज के तिमाही नतीजे निवेशकों का उत्साह जगाने में नाकाम रहे और कंपनी के शेयर करीब छह प्रतिशत गिर गए। इसके अलावा आईटीसी, विप्रो और बजाज फिनसर्व में भी गिरावट का रुख रहा।

अमेरिकी कंपनियों के नतीजे बेहतर आए

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के बढ़िया तिमाही नतीजों और बांड प्रतिफल में गिरावट आने से घरेलू स्तर पर बाजारों में तगड़ी उछाल देखी गई। बैंक निफ्टी ने चौथी तिमाही में अपने मजबूत प्रदर्शन से बाकी को पीछे छोड़ दिया।'

एशियाई बाजार में रही तेजी

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार मिले-जुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे।

महिंद्रा ने भारत की पहली कॉम्पैक्ट एसयूवी की लांच जिसमें पैनोरमिक सनरूफ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने आज भारत में सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में एक्सयूवी3एक्सओ को लांच कर दिया। यह कार देश की पहली सब कॉम्पैक्ट एसयूवी होगी, जिसमें पैनोरमिक सनरूफ मिलेगा। कार में 20.1 केएमपीएल का माइलेज मिलेगा। इसमें इंच की टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25 इंच की डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 7 स्पीकर वाला हार्मन कार्डन साउंड सिस्टम, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी और क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए। कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी से यूजर स्मार्टफोन से एसी को कंट्रोल कर सकेंगे। इससे कस्टमर कार में बैठने से पहले केबिन को ठंडा कर सकेंगे।

- एसयूवी की शुरुआती अनुमानित कीमत 9 लाख से होगी शुरू

मुकाबला इन एसयूवी से

यह कार महिन्द्रा एक्सयूवी300 का फेसलिफ्ट है, जिसे अब एक्सयूवी 3एक्सओ नाम से पेश किया। एक्सयूवी3एक्सओ की कीमत 9 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) से शुरू हो सकती है। सेगमेंट में इसका मुकाबला मारुति ब्रेजा, हुंडई वेन्यू, किया सोनेट, टाटा नेक्सन, रेनो काइगर, निसान मैग्नाइट मारुति फ्रॉन्क्स और टोयोटा अर्बन क्रूजर टैजर से रहेगा।

एक्सटीरियर डिजाइन

इस मॉडल को मौजूदा एडिशन की तुलना में कई कॉस्मेटिक और फीचर अपग्रेड मिलेंगे। टीजर में कॉम्पैक्ट एसयूवी की नई कनेक्टेड टेललाइट्स और बंपर की झलक देखने को मिली है। महिंद्रा ने नए लाइटिंग सेटअप को जोड़ने के लिए इसके टेलगेट को मॉडिफाई किया है। इसमें महिंद्रा के ट्विन पीक लोगो के अलावा नई 'एक्सयूवी 3एक्सओ' बैजिंग भी दी गई है।

फ्रंट लुक एकदम नया

कार का फ्रंट लुक एकदम नया कर दिया गया है। इसमें फ्रंट ग्रिल पर क्रोम-फिनिश्ड ट्राएंगुलर एलिमेंट्स दिए गए हैं, जिसके पास में नया हेडलाइट क्लस्टर है। इसके अलावा, एक्सयूवी 3एक्सओ में फैंग शेप्ड एलईडी डीआरएल, प्रोजेक्टर हेडलाइट, फॉग लैंप, इलेक्ट्रिक सनरूफ और नए डिजाइन के लेयर्ड स्पोक अलॉय व्हील दिए जाएंगे।

इसे अभ्यर्थिता वापस लेने कि अंतिम तारीख के अगले दिन से मतदान की तारीख से दो दिन पहले तक समाचार पत्रों और टेलीविजन में प्रकाशित किया जाए।

फार्मेट सी-1
(समाचार पत्र, टीवी में प्रकाशन हेतु अभ्यर्थियों के लिए)

अपराधिक मामलों के बारे में घोषणा
(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर 2018 के निर्णय के अनुसार)
(पब्लिक इंट्रेस्ट फाउंडेशन और अन्य बनाम भारत संघ और अन्य)

अभ्यर्थी का नाम और पता : कमलेश जांगडे सा. मकान नं. 85 समलाई पारा मसनिया कला
राजनैतिक दल का नाम : भारतीय जनता पार्टी
(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां "निर्दलीय" लिखे)
निर्वाचन का नाम : लोकसभा
निर्वाचन क्षेत्र का नाम : जांजगीर चांपा

मैं कमलेश जांगडे (अभ्यर्थी क नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने अपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता/ करती हूं।

(क)	लंबित आपराधिक मामले			
क्र.सं.	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं तारीख	मामले (मामलों) की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (धाराएं) एवं अपराध (अपराधों) का सक्षिप्त विवरण
	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

(ख)	अपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि के मामलों के संबंध में विवरण		
क्र.सं.	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शो) की तारीख (खे)	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का विवरण	अधिकतम अधिरोपित दंड
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक
	निरंक	निरंक	निरंक

राज्य सभा के निर्वाचन या विधान सभा सदस्यों द्वारा, विधान परिषद के निर्वाचन के मामलें में, निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

फार्मेट सी-2
(राजनैतिक दलों के लिए वेबसाइट, समाचार पत्रों/ टी.वी. में प्रकाशन हेतु)

दल द्वारा खड़े किये गए अभ्यर्थियों के अपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में घोषणा
(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर 2018 के निर्णय के अनुसार)

राजनैतिक दल का नाम : भारतीय जनता पार्टी
निर्वाचन का नाम : लोकसभा
राज्य/ संघ शासित क्षेत्र का नाम : छ.ग.

1	2	3	4		5		
क्र.सं.	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	अभ्यर्थी का नाम	(क) लंबित अपराधिक मामले		(ख) अपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्धि कि विषय के संबंध में विवरण		
	जांजगीर चांपा	कमलेश जांगडे	न्यायालय का नाम मामले की सं. एवं मामला (मामलों) की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धाराएं और अपराध (धो) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शो) की तारीख (तारीखें)	अपराध (धो) और अधिरोपित दण्ड का विवरण	अधिकतम अधिरोपित दंड
			निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
			निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
			निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक
			निरंक	निरंक	निरंक	निरंक	निरंक

राज्य सभा के निर्वाचन अथवा विधान सभा सदस्यों द्वारा, विधान परिषद के निर्वाचन के मामलें में निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Bhilai- 6267575723

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- रायपुर लिमिटेड कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड,सुपरवाइजर हेतु हाइट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहना,खाना,फ्री,वेतन 10000 से 15000 MO. 8109070600, 7869230888.(RO-1174)

आवश्यकता है- स्पॉट जॉइनिंग - टाटीबंध, चंदनडीह, सरोना, भाटागांव, और तेलीबांधा, हेतु सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं सिक्योरिटी गार्ड की शीघ्र आवश्यकता है, वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क- 9981144486.(RO-966)

ड्रायवर/घरेलु कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में निजी वाहन चलाने हेतु ड्राइवर / घरेलु कार्य करने हेतु कम से कम 10 वर्ष अनुभवी शाकाहारी एवं नशा न करने वाला परिवार पति-पत्नी (जिनके बच्चे साथ में न रहते हो) या अकेले की आवश्यकता है। संपर्क करे :- 9300593000. (RO-1206)

सेल्समेन

Requirment- SALES JOB VACANCY S.K SOLVENT (I) PVT LTD. RAIPUR Post- Salesman Age: 28-45 Salary-15000-25000 per month (Additional Commission based on Sales Generated) Experience - 4-5 Years in Edible Oil Industry (Compulsory Experience in Edible Oil Industry) Vacancy-10 Whatsapp only no. 9948417000, 9893832672 (RO-964)

सेल्स बॉय/ड्रायवर

आवश्यकता है- सेल्स बॉय एवं ड्राइवर की जरूरत है नशा मुक्त व्यक्ति ही संपर्क करें संपर्क करें सूत्र 8959906595. (RO-7352)

जॉब

SHRI SAI EVENTS & PROMOTIONS PVT. LTD.
JOB OPPORTUNITIES
IF YOU ARE YOUNG & SEEKING A COMPANY THAT OFFERS AN EXCITING CAREER WITH RAPID GROWTH AND MAKES YOU FEEL WORTHWHILE
THEN JOIN US

OFFICE RUNNER
- Qualification - 10th
- Experience - Fresher / Must have 2 Wheeler
- Salary - 8K - 12K + PF + Other Allowance

OFFICE EXECUTIVE CUM TALLY OPERATOR
- Qualification - Graduate, Tally & Accounting Knowledge
- Experience - 3 Year +
- Salary - 12K - 15K + PF + Other Allowance

EXECUTIVE ASSISTANT OF DIRECTOR
- Qualification - Post Graduate/MBA Preferred
- Experience - 3 Year +
- Salary - 18K - 24K + PF + Other Allowance

GRAPHIC & 2D DESIGNER
- Qualification - Corel Draw, Illustrator, Photoshop & Hindi - English Typing
- Experience - 3 Year +
- Salary - 16K - 21K + PF + Other Allowance

3D DESIGNER
- Qualification - 3D Max, 3D Maya, Photoshop & Auto Cad
- Experience - 3 - 5 Year
- Salary - 16K - 28K + PF + Other Allowance

PRODUCTION EXECUTIVE
- Qualification - Graduate
- Experience - Freshers also can apply
- Salary - 12K - 18K + PF + Other Allowance

SALES & MARKETING EXECUTIVE
- Qualification - MBA in Marketing
- Experience - 3 - 5 Year
- Salary - 25K - 35K + PF + Other Allowance

Address : Office No. 410, 2nd Floor, SLT Water Front, Opp. Telibandha Talab, G.E. Road, Raipur - 492006 (C.G.)
Mobile No.: 0771-4035826
Email : jrmarketing.sseppl@gmail.com

मिस्त्री

आवश्यकता है- सिध्दी विनायक ऑटो पार्ट्स के लिए चाहिए दो पहिया वाहन मिस्त्री वेतनमान 12000/- से 15000/- तक काम का समय सुबह 9:00 से लेकर शाम 6:00 बजे तक। ऑफिस पता सिलतरा रोड मांढर। मोबाइल नंबर 8109505689, 8109101947.(RO-958)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की थोक दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क नंद होजयरी डिपो जय हिंद होजयरी मार्केट पंडरी रायपुर मोबाइल 9300188811. (RO-4410)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम की दुकान में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है संपर्क:- दीपक साउंड सर्विस फूल चौक जोरा पारा, काली माता मंदिर के पास रायपुर 98271-14645. (RO-2702

कुक

आवश्यकता है- क्लाउड-किचन (पार्सल) में कार्य करने हेतु एक इंडियन कम चायनीस कुक की आवश्यकता है। पता- गीतांजली नगर रायपुर संपर्क - 83195-74658, 96176-00100. (RO-1484)

देख-रेख

आवश्यकता है- विकलांग युवक के देखभाल हेतु होनहार. कामकाजी युवक की आवश्यकता है, रहना खाना फ्री वेतन योग्यतानुसार। संपर्क नंबर - 7354988225 एड्रेस...होटल ए डी टॉवर सिद्धार्थ चौक टिकरापारा रायपुर। (RO-965)

पैकिंग/लेबर कार्य

आवश्यकता है- चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों की और लेबर कार्य हेतु पुरुष की जरूरत है। संपर्क करें एसबीआई एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर। मो . 7469980000, 07714075490.(RO-955)

मैनेजर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- कचांदुर (जेवरा) प्लांट में कार्य करने हेतु मैनेजर/ सुपरवाइजर, पिकअप ड्राइवर, ट्रेक्टर ड्राइवर, जेसीबी ऑपरेटर,मार्केटिंग बॉय एवं पद्मनाभपुर दुर्ग ऑफिस में कार्य करने हेतु ऑफिस स्टाफ एवं ड्राइवर की आवश्यकता है संपर्क- 74411-99337. (आरोन.-3482)

सेल्समैन/ऑपरेटर

आवश्यकता है- दोन्देकला रायपुर में सेल्समैन की आवश्यकता है, जो ऑटोमोबाइल लाइन में काम किया हो एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर टेली, बिलिंग कार्य अनुभवी और ऑफिस ब्वॉय की आवश्यकता है संपर्क करें:- 9301703000. (RO-2697)

मशीन आपरेटर

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 8462933820 8357065592

आवश्यकता

आवश्यकता है- C.C.T.V. IP कैमरा इन्टालेशन हेतु एवं ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी वाले लड़के की आवश्यकता है। संपर्क करें:- मो.- 8770049020, 8818818188. दुर्ग (आरो न.-6069)

नर्सिंग स्टाफ

नर्सिंग स्टाफ & Medicine Dispenser की जरूरत है
वेतन- योग्यतानुसार
7987551779
गोसाई हॉस्पिटल- क्रोमा शोरूम के पास, श्रीराम चंद्र फ्यूल्स के पीछे, रिंग रोड, भाटागांव, रायपुर
Khanna Advt.

फील्ड ऑफिसर

आवश्यकता है- फाइनेंस कंपनी हेतु काम करने हेतु समस्त छत्तीसगढ़ में ग्राम कस्बा शहर में फील्ड ऑफिसर, समूह एजेंट, फील्ड मैनेजर, माइक्रो फाइनेंस एजेंट, वेतन + कमीशन संपर्क करें - 7302865969, 8534864997.(RO-128)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु 18-30 वर्ष के 10- 12, ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 10000+ रहना फ्री+ कमीशन+ बोनस+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 7415455110, 7898882634. (RO-33905)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud कॉल से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के, लड़कियों , गृहणियां कमाए (18000-55000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ SMS/ WhatsApp/ करें - 07903284986.(RO-112)

आवश्यकता है- सुनहरा मौका वनविभाग ने निकाली कम्पनी द्वारा सीधी पक्की भर्ती परमानेंट बेसेस पर (10000 पदो पर) पद - वनरक्षक, क्लर्क, चपरासी, माली, सैलरी- 25670+35850/- आवेदन -10+12th पास लड़के लड़किया आवेदन हेतु- आधारकार्ड, पासपोर्ट फोटो,मार्कसीट व्हाट्सएप /कॉल करे - 9046968782.(RO-126)

Property प्रापर्टी

बेचना है- 14,500 वर्गफुट भूमि, उरला अछोली में,प्रगति नगर,शीतला मंदिर, तालाब के पास बेचना है। संपर्क करे । मोबाइल 9753212345. (RO-44)

भूमि

भूमि बेचना है- दुर्ग अंजोरा- रायपुर भारतमाला हाईवे के नज़दीक बिरेझर में फार्म हाऊस हेतु उपयुक्त 11000 sqft. प्लॉट मात्र 111/- फीट में उपलब्ध है। मो. न. 99931-35732. (आरो न.-455)

प्लाट

प्लॉट बेचना है - भाटागांव व पचपेड़ी नाका के प्राइम लोकेशन पर सर्व सुविधायुक्त आवासीय प्लॉट 1000, 1200, 1500 वर्गफीट बहुत ही कम कीमत पर, 90% फाइनेंस की सुविधा उपलब्ध। संपर्क करें:- 9165586666, 9584444523. (RO-2700)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

मकान

मकान बेचना है- चांगोराभाटा एव रायपुरा मे 750 वर्गफुट 2 BHK मकान, कार पोर्च, पीओपी किया हुआ स्वतंत्र नया मकान एव रायपुरा सत्यम विहार कॉलोनी 1100 फुट प्लॉट बेचना है संपर्क:- 9300505421, 9993451070. (RO-2696)

मकान बेचना है - मकान बेचना है हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सड्डू स्थित एलआईजी कॉर्नर का सिंगल स्टोरी मकान दो साईड रोड दोनों साईड गेट लगभग 910 स्क्वेयर फीट संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 9993059700, 8358030320. (RO-2703)

हरिभूमि क्लासीफाईड
विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश में आपका वैवाहिकी विज्ञापन एक साथ प्रकाशित किया जायेगा।
विज्ञापन हेतु संपर्क करें- 7987119756, 6263818152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

हर्पिस रोग एक लाईलाज बीमारी

इस समय सभी उम्र के स्त्री पुरुषो में एक न्यूरोट्रापिक हर्पिस वायरस देखे जा रहे है, रोग अधिक बढ़ जाये तो यह शरीर के अंग को लकवा मारने जैसा अपंग या सुन्न कर देता है। इसे कोई साधारण गोली दवा मोबाइल इत्यादि देख कर डॉ. के बिना खुद ईलाज ना करें। स्त्री-पुरुष के गुप्तांग (योनि एवं इन्द्रिय) मे दाने छाले फुन्सी, लाल होना फटना, जलन व दर्द योनि मे खुजली एवं सफेद लाल व बदबूदार पानी, बुखार जैसा लगते रहना मुँह में छाले, शरीर में पानी भरे फफोले दर्द एवं जलन, गुप्तांग से पीप (पस) जाना शरीर में खुजली होते हो तो यह हर्पिस रोग होने की संभावना है। अतः खुन से हर्पिस रोग की जाँच कराये समझ मे ना आये तो तुरंत संपर्क करे। इसकी स्थायी चिकित्सा केवल रस रसायन मे ही है। अंग्रेजी दवा से यह ठीक नहीं हो सकता।

यौन समस्या :

इन्द्रीय का शिथिल होना वीर्य का पतलापन या नहीं बनना मधुमेय जन्य नपुंसकता, नसों की सिकुड़न, इरेक्टाइल डीसफंक्शन, लिंग का लकवा (पेनाइल पैरालाइस) शीघ्र पतन, स्वप्न दोष, उत्तेजना की कमी, हस्तमैथुन जन्य नपुंसकता, मूत्र मार्ग से सफेदी जाना, जलन ऐसे होते हो तो ध्यान रहें उपरोक्त बीमारियों का स्थाई ईलाज केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही है।

बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी. के. अग्रवाल
(बीएएमएस, आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल
फार्मा साईटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग,। 9425555659, 9617789223, 9303948500,,9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईटमेंट फोन से (गुरुवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल के द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रायपुर। श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल के द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन पुलिस हाउसिंग कॉलोनी अमलीडीह में हुआ। जिसमें डॉ.सुशील शर्मा, डॉ प्रयंक हिशीकर, डॉ. करण सराफ, डॉ. रंजन पटेल, डॉ. अनुराग अग्रवाल, डॉ. अक्षय बैद ने शिविर में अपनी सेवाएं दी। शिविर में निशुल्क बीपी., शुगर, यूरिक, एसिड, वजन व ई.सी.जी. की जांच की गई। जिसमें 400 मरीजों ने निःशुल्क जांच स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया।

- लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए अनूठा कदम

श्री मेडिशाईन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सुशील शर्मा ने पुलिस विभाग के पदाधिकारियों को सलाह दी। उन्होंने कहा कि तनाव का सामना करना पड़ता है, दिनचर्या से संबंधित बीमारी से बचा जा सकता है स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, उन्हें सही एवं अपने दैनिक जीवन में सही खानपान व व्यायाम के बारे में व्याख्यान दिया। जिसमें वहां उपस्थित लोगों को अपनाकर स्वास्थ्य बने रहने की प्रेरणा मिली।

सेरेलैक को नस्लीय रूप से बनाने का आरोप दुर्भाग्यपूर्ण

एजेंसी ▶▶| गुरुग्राम

दैनिक उपभोग के सामान बनाने वाली नेस्ले इंडिया ने सोमवार को कहा कि 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए कंपनी का शिशु आहार फॉर्मूला वैश्विक आधार पर तैयार किया जाता है और इसे नस्लीय रूप से बनाए जाने का आरोप दुर्भाग्यपूर्ण एवं असत्य है। इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड की कंपनी नेस्ले पर कम विकसित देशों में अधिक चीनी सामग्री वाले उत्पाद बेचने का आरोप लगाया गया था।

- नेस्ले इंडिया ने आरोप को असत्य बताया
- स्विट्जरलैंड की नेस्ले पर लगाया गया था आरोप

सरकारी बैंकों पर लुकआउट सर्कुलर का अध्ययन कर रहा वित्त मंत्रालय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय बंबई उच्च न्यायालय के हालिया आदेश का अध्ययन कर रहा है, जिसमें उसने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों के खिलाफ 'लुकआउट' सर्कुलर या एलओसी जारी करने से रोक दिया है। बंबई उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह आदेश दिया था कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास कर्ज नहीं चुकाने वालों के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी करने का कानूनी अधिकार नहीं है।

- जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों के खिलाफ सर्कुलर जारी करने से रोका

सिंधू-लक्ष्य और प्रणय समेत सात बैडमिंटन खिलाड़ी ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

साई मीडिया ने एक्स पर पोस्ट कर दी जानकारी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के सात बैडमिंटन खिलाड़ियों ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। ये सात खिलाड़ी चार अलग-अलग श्रेणी के हैं। साई मीडिया ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की है। इन सभी खिलाड़ियों ने रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

ओलंपिक इस साल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक खेला जाएगा। इन सात खिलाड़ियों में से हाल में क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ी एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन हैं। इन दोनों ने पुरुष एकल वर्ग में बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। वहीं, दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने महिला एकल वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। वह इस वर्ग में भारत की अकेली प्रतिद्वंद्वी हैं। सिंधु ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक और 2021 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले ही पुरुष युगल वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। दोनों की मौजूदा वर्ल्ड रैंकिंग तीन है। वहीं, महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और तनीशा क्रास्टो की जोड़ी ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। इन सातों खिलाड़ियों के हाथों में बैडमिंटन में भारत को पदक दिलाने की जिम्मेदारी होगी।

थॉमस कप : भारत ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, इंग्लैंड को 5-0 से रौंदा

चेंगडू। गत चैंपियन भारत ने इंग्लैंड को 5-0 से हराकर थॉमस कप बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत ने पहले मैच में थाईलैंड को 4-1 से हराया था। एच एच प्रणय ने हैरी हुआंग को 21-15, 21-15 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने बेन लेन और सीन वेंडी को युगल मुकाबले में 21-17, 19-21, 21-15 से हराया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत ने नदीम दलवी को 21-16, 21-11 से हराकर भारत को 3-0 से बढ़त दिला दी। दूसरी युगल टीम एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने रोरी ईस्टन और एलेक्स ग्रीन को 21-17, 21-19 से हराया। आखिरी मैच में किरण जॉर्ज ने चोलान कायान को 21-18, 21-12 से मात दी। भारत का सामना आखिरी ग्रुप मैच में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया से होगा।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	9	8	1	16
कोलकाता	9	6	3	12
चेन्नई	9	5	4	10
हैदराबाद	9	5	4	10
लखनऊ	9	5	4	10
दिल्ली	11	5	6	10
गुजरात	10	4	6	8
पंजाब	9	3	6	6
मुंबई	9	3	6	6
बेंगलोर	10	3	7	6

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
500 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
14 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1465 चौके

864 छक्के

खबर संक्षेप

मयंक फिटनेस परीक्षण में सफल

लखनऊ। भारत की नई तेज गेंदबाजी सनसनी मयंक यादव पेट के निचले हिस्से में खिंचाव से पूरी तरह उबर गए हैं और उम्मीद है कि मंगलवार को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ लखनऊ सुपर जाइंट्स के घरेलू आईपीएल मैच में उन्हें अंतिम 12 में शामिल किया जा सकता है। लगातार 155 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले मयंक को पहले दो मैचों में 'मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का पुरस्कार मिला लेकिन तीसरे मैच में एक ओवर फेंकने के बाद उन्हें खिंचाव का सामना करना पड़ा। यह 21 वर्षीय तेज गेंदबाज तीन सप्ताह के रिहैबिलिटेशन के बाद दोबारा फिटनेस के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया है।

लाहौर, कराची, रावलपिंडी में होंगे चैंपियंस ट्रॉफी के मैच

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कराची, लाहौर और रावलपिंडी को चुना है। भारत की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' की अटकलों के बीच पीसीबी ने कहा है कि टूर्नामेंट पाकिस्तान में ही होगा। पिछली बार इंग्लैंड में 2017 में हुई चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी मार्च में हो सकती है। भारत ने अभी तक अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है और ऐसी अटकलें हैं कि आईसीसी हाइब्रिड मॉडल का उपयोग करके भारत के मैच तटस्थ स्थान पर करा सकता है, अगर भारतीय टीम को सरकार से यात्रा की मंजूरी नहीं मिलती है तो। आईसीसी ने साफ तौर पर कहा है कि वह किसी सदस्य देश को उसकी सरकारी नीति का उल्लंघन करने को नहीं कहेगा।

आईपीएल : नाइट राइडर्स के नौ मैच में छह जीत से 12 अंक

कोलकाता जीत से दूसरे स्थान पर मजबूत सॉल्ट की फिफ्टी, कैपिटल्स को मिली हार

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट हराकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की। दिल्ली के 154 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाइट राइडर्स ने सॉल्ट की 33 गेंद में पांच छक्कों और सात चौकों से 68 रन की पारी की बदौलत 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 157 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली ने नौ विकेट पर 153 रन बनाए थे। इस जीत से नाइट राइडर्स के नौ मैच में छह जीत से 12 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर है। दिल्ली की टीम 11 मैच में 10 अंक के साथ छठे स्थान पर है।

सॉल्ट ने सुनील नारायण (15) के साथ पहले विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी भी की। कप्तान श्रेयस अय्यर (नाबाद 33) और वेंकटेश अय्यर (नाबाद 26) ने चौथे विकेट के लिए 57 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। दिल्ली ने इससे पहले चक्रवर्ती (तीन विकेट), हर्षित राणा (28 रन पर दो विकेट) और वैभव अरोड़ा (दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम नौ विकेट पर 153 रन ही बना सकी। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कुलदीप यादव (नाबाद 35) दिल्ली की ओर से शीर्ष स्कोरर रहे जबकि उनके अलावा कप्तान ऋषभ पंत (27 रन) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

कोलकाता के गेंदबाजों ने बरपाया कहर

इस मैच में अक्षर पटेल ने 35, कुमार कुशाग्रा ने एक, रसिख सलाम ने आठ, कुलदीप यादव ने 35 और लिजाड ने एक रन बनाया। कुलदीप और लिजाड नाबाद रहे। केकेआर के लिए वरुण चक्रवर्ती ने तीन विकेट चटकाए जबकि वैभव और हर्षित को दो-दो सफलताएं मिलीं। वहीं, मिचेल स्टार्क और सुनील नरेन को एक-एक विकेट मिला।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
पृथ्वी साव का सॉल्ट बो अरोड़ा	13	07	3	0
मैकगर्क का वेंकटेश बो स्टार्क	12	07	1	1
अभिषेक पोरेल बो राणा	18	15	2	1
शाई होप बो अरोड़ा	06	03	0	1
पंत का श्रेयस बो चक्रवर्ती	27	20	2	1
अक्षर पटेल बो नारायण	15	21	2	0
स्टब्स का सॉल्ट को चक्रवर्ती	04	07	0	0
कुशाग्र का सॉल्ट बो चक्रवर्ती	01	03	0	0
कुलदीप यादव नाबाद	35	26	5	1
सलाम का श्रेयस बो राणा	08	10	1	0
लिजाड विलियम्स नाबाद	01	02	0	0

अतिरिक्त : 13, कुल : 20 ओवर में 153/9
गेंदबाजी : स्टार्क 3-0-43-1, अरोड़ा 4-0-29-2, राणा 4-0-28-2, नारायण 4-0-24-1, चक्रवर्ती 4-0-16-3, रसेल 1-0-10-0.

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
फिल सॉल्ट बो अक्षर	68	33	7	5
नारायण का मैकगर्क बो अक्षर	15	10	3	0
रिंकू का कुलदीप बो विलियम्स	11	11	1	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	33	23	3	1
वेंकटेश अय्यर नाबाद	26	23	2	1

अतिरिक्त : 04, कुल : 16.3 ओवर में 157/3
गेंदबाजी : विलियम्स 3-0-38-1, खलील 3-0-28-0, रसिक 2.3-0-30-0, अक्षर 4-0-25-2, कुलदीप 4-0-34-0.

खास खबर

तीरंदाज दीपिका टॉप्स में फिर हुई शामिल

नई दिल्ली। शंघाई में हाल ही में हुए विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली दुनिया की पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका कुमारी को पेरिस ओलंपिक से पहले टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम में फिर शामिल किया गया है। दिसंबर 2022 में मां बनने के बाद पिछले साल पूरे सत्र में बाहर रही दीपिका ने हाल ही में वापसी की है और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा खेल रही है। तीन बार की ओलंपियन रिकर्व तीरंदाज दीपिका ने इस साल एशिया कप में भी पदक जीता। खेल मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार तीरंदाज मृणाल चौहान को भी टॉप्स विकास ग्रुप में शामिल किया गया है जबकि प्रवीण जाधव को विकास से कोर ग्रुप में डाला गया है।

सेंथिल ने जीता बाश ओपन स्क्वाश

पेरिस। भारत के वेलावन सेंथिल कुमार ने बाश ओपन चैलेंजर टूर्नामेंट जीत लिया है जो प्रोफेशनल स्क्वाश एसोसिएशन टूर पर उनका आठवां खिताब है। दुनिया के 58वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिल कुमार ने फ्रांस के मेलविल स्कियानिमानिको को 11-6, 11-9, 11-6 से हराया। सेंथिल ने जीत के बाद कहा, 'मेलविल ने बेहतरीन खेल दिखाया। मुझे शुरू ही से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ा और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा कर सका।'

टी20 विश्व कप : न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, विलियमसन को कमान

एजेंसी ▸▸ आकलैंड

केन विलियमसन चौथी बार टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड की कमान संभालेंगे। अंगूठे की चोट से उबर रहे सलामी बल्लेबाज डेवोन कोंवे को भी जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

कोंवे अंगूठे की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर हैं। टीम में गेंदबाज मैट हेनरी और बल्लेबाजी हरफनमौला रचिन रविंद्र ही दो खिलाड़ी हैं जो पहले टी20 विश्व कप नहीं खेले हैं। विलियमसन छठी बार टी20 विश्व कप खेलेंगे। वहीं टिम साउदी का यह सातवां टी20 विश्व कप होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रहने वाले ट्रेंट बोल्ट को पांचवीं बार टी20 विश्व कप टीम में जगह मिली है।

न्यूजीलैंड टीम : केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलेन, ट्रेंट बोल्ट, मिशेल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कोंवे, लॉकी फर्ग्युसन , मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिम्मी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिचेल सेंटनेर, ईश सोढी, टिम साउदी। बेन सीयर्स (रिजर्व)।

आर्सनल और सिटी जीते, खिताब की दौड़ हुई रोचक

लंदन। आर्सनल ने टोटेनहम हॉट्सपर को 3-2 से हरा दिया जबकि गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने नॉटिंघम फोरेस्ट को 2-0 से शिकस्त देकर प्रीमियर लीग फुटबॉल खिताब की दौड़ को रोचक बना दिया है। आर्सनल ने एक बार 3-0 से बढ़त बना ली थी लेकिन आखिरी 20 मिनट में दो गोल गंवा दिए। पियरे एमिली एच के आत्मघाती गोल और साका तथा केइ हेवटर्ज के गोल के दम पर आर्सनल को बढ़त मिली लेकिन दूसरे हाफ में क्रिस्टियन रोमेरो और सोन हियुंग मिन ने टोटेनहम के लिए गोल कर दिए। आर्सनल ने आखिरी क्षणों में संयम बनाए रखकर बराबरी का गोल नहीं होने दिया। आर्सनल के अब दूसरे स्थान पर काबिज सिटी से एक अंक अधिक हैं लेकिन उसने एक मैच भी अधिक खेला है।

बृजेश, सागर और सुमित के पदक पक्के

अस्ताना। भारत के बृजेश तामता, सागर जाखड़ और सुमित ने एशियाई अंडर 22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश करके पदक पक्के कर लिए। बृजेश (48 किलो) ने उजबेकिस्तान के साबिरोव सैफिद्दीन को हराया। दोनों मुक्केबाजों ने एक एक दौर जीता लेकिन तीसरे दौर में भारतीय मुक्केबाज ने 4-3 से जीत दर्ज की। सागर (60 किलो) और सुमित (67 किलो) ने क्रमशः थाईलैंड के कलासीरम टी और कोरिया के होंग सियो जिन को 5-0 से हराया। जितेश को 54 किलोवर्ग में कजाखस्तान के टी नूरासिल ने 5-0 से मात दी।

न्यायालय कलेक्टर बलौदाबाजार-भाटापारा

-: सूचना :-

क्रमांक/5293/ कले./रीडर/2024

बलौदाबाजार, दिनांक 24.04.2024

आवेदक पंजाब नेशनल बैंक (सर्किल कार्यालय) बिलासपुर की ओर से प्राधिकृत अधिकारी दीप राज द्वारा अनावेदकगण मे. नीतू टेड्र्स द्वारा प्रो. नरेश कछेला पता ग्रासीम रोड ग्राम खोखली भाटापारा / पता दुकान नं. 101 सिटी सेंटर के. के. वार्ड मेन रोड भाटापारा, नरेश कछेला प्रो. मे. नीतू टेड्र्स पिता जमियतमल कछेला पता भगत सिंह वार्ड, मुसलमान गली भाटापारा / पता ग्रासीम रोड ग्राम खोखली भाटापारा, जयराम दास कछेला पिता पूरनामल कछेला सिंह पता भगत सिंह वार्ड, मुसलमान गली भाटापारा पता मुढ़ीपार पटपर खोखली भाटापारा तहसील भाटापारा जिला- बलौदाबाजार - भाटापारा, (छ.ग.), के विरूद्ध आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत बंधक संपति का भौतिक कब्जा पुलिस की सहायता से प्राप्ति प्रस्तुत किया गया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

एतद् द्वारा अनावेदकगण मे. नीतू टेड्र्स द्वारा प्रो. नरेश कछेला पता ग्रासीम रोड ग्राम खोखली भाटापारा / पता दुकान नं. 101 सिटी सेंटर के. के. वार्ड मेन रोड भाटापारा, नरेश कछेला प्रो. मे. नीतू टेड्र्स पिता जमियतमल कछेला पता भगत सिंह वार्ड, मुसलमान गली भाटापारा, / पता ग्रासीम रोड ग्राम खोखली भाटापारा, जयराम दास कछेला पिता पूरनामल कछेला सिंह पता भगत सिंह वार्ड, मुसलमान गली भाटापारा पता मुढ़ीपार पटपर खोखली भाटापारा भाटापारा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार- भाटापारा, (छ.ग.), को सूचित किया जाता है कि वे पेशी दिनांक 20.05.2024 को 3.00 बजे दोपहर को इस न्यायालय में सुनवाई हेतु उपस्थित होवें।

(मुहर)
बलौदाबाजार,
दिनांक 24.04.2024

संयुक्त कलेक्टर,
वास्ते, कलेक्टर
बलौदाबाजार-भाटापारा

हरिभूमि पाठक पुरस्कार योजना 2023 के प्रतिभागीयों के नाम

सांत्वना पुरस्कार इन्द्रजीत सिंह ध्रुव पिता/पति किशोर कुमार ध्रुव, सुदामा नगर क्रांति चौक टिकरापारा रायपुर, प्रेमलाल साहू पिता/पति शिवमराम साहू, छत्तीसगढ़ नगर रायपुर, भूपेंद्र कुमार तिवारी पिता/पति स्व. नन्द किशोर तिवारी, कृष्ण सखा सोसाइटी रोहनिपुरम डंगनिया रायपुर, पुनितराम सेन पिता/पति ब्रिजलाल सेन, पार्वती नगर रायपुर, लखन सिंह दीवान पिता/पति अवधराम दीवान, ब्लाक 60 एल आई जी 719 कबीर नगर रायपुर, अखिल अग्रवाल पिता/पति कन्हैया लाल अग्रवाल, राजीव आवास डी. के. अस्पताल रायपुर, कामिनी सोनकर पिता/पति शिवा सोनकर, मंदिर पारा भाटागाँव रायपुर, देविका देवांगन पिता/पति लखन देवांगन, शहीद भगत सिंह चौक रायपुर, अंजिता टांडे पिता/पति लक्ष्मीकान्त टांडे, क्वाटर न 10 FSL कॉलोनी पुलिस लाइन कॉलोनी पुजारी पार्क के पास रायपुर, अनीता कुशवाहा पिता/पति बिरेश कुशवाहा, F 119 आर डी ए कॉलोनी बोरियाखुर्द रायपुर, रामजी लाल थवाईत पिता/पति स्व. बी. आर. थवाईत, म न. 427/428 पुरानी बस्ती सरस्वती चौक रायपुर, कुश कुमार कुर्रे पिता/पति श्रीराम दयाल कुर्रे, काशीराम नगर कॉलोनी रायपुर, नौरतन तांडे पिता/पति नाथूराम तांडे, हल्का तालाब मठपुरेना रायपुर, इंद्रा कुमार वर्मा पिता/पति स्व. हेमू राम वर्मा, तरपोंगी रायपुर, प्रह्लाद जलछत्री पिता/पति तिलकराम, तरपोंगी रायपुर, दानीराम सेन पिता/पति हरिश्चंद्र सेन, तरपोंगी रायपुर, संतोष साहू पिता/पति शिवप्रसाद साहू, खैरखुंट रायपुर, अनिल कुमार वर्मा पिता/पति जनक राम वर्मा, तरपोंगी रायपुर, तुकाराम साहू पिता/पति बुध राम साहू, शुक्रवारी बाज़ार गुढ़ियारी, नोमिता दास पिता/पति सतीश दास, तरपोंगी रायपुर, प्रेमलता वर्मा पिता/पति ईश्वरी दयाल वर्मा, तरपोंगी रायपुर, गौतम देवांगन पिता/पति सुशील देवांगन, तुलसी नगर गुढ़ियारी रायपुर, मानस बाजपेयी पिता/पति निश्चय बाजपेयी, सेक्टर 1 शंकर नगर नगर निगम जोन 3 के सामने रायपुर, देवेन्द्र कुमार कुर्रे पिता/पति फगुआ दास कुर्रे, खंडवा उपरवारा अभनपुर, पंचु किराना स्टोर पिता/पति स्व. बुधारू बंजारे, रावांभाटा प्रेम नगर वार्ड 15 रायपुर, दीपक कुमार सेन पिता/पति जंतु राम सेन, मौलिपारा तेलीबांधा रायपुर, योगिता वैष्णव पिता/पति लोमस दास वैष्णव, नूतन चौक भिलाई 3 जिला दुर्ग, झुमुक लाल वर्मा पिता/पति गुलाब लाल वर्मा, शांति नगर भिलाई 3 जिला दुर्ग, सतीश मारकंडेय पिता/पति कार्तिक राम मारकंडेय, सत्यम चौक भिलाई 3 जिला दुर्ग, हेमंत पटेल पिता/पति स्व. बडकू पटेल, शीतला पारा भिलाई 3 जिला दुर्ग, प्रियांशु वैष्णव पिता/पति हरीश कुमार वैष्णव, सुभाष चौक राधाकृष्णा मंदिर के पास भिलाई 3 जिला दुर्ग, सूरज परगनिहा पिता/पति देवेन्द्र कुमार परगनिहा, शीतल पारा भिलाई 3 जिला दुर्ग, सिध्दांत वैष्णव पिता/पति उत्तम वैष्णव, सुभाष चौक भिलाई 3 जिला दुर्ग, शोभना वैष्णव पिता/पति उत्तम वैष्णव, सुभाष चौक भिलाई 3 जिला दुर्ग, उत्तम वैष्णव पिता/पति बिसाहू दास वैष्णव, सुभाष चौक भिलाई 3 जिला दुर्ग, नरेश पटेल पिता/पति बिसई पटेल, शीतला पारा भिलाई 3 जिला दुर्ग, केदार नाथ वर्मा पिता/पति विष्णु प्रसाद वर्मा, नूतन चौक भिलाई 3 जिला दुर्ग, मेघा साहू पिता/पति महेश साहू, नूतन चौक भिलाई 3 जिला दुर्ग, सुनीता चौहान पिता/पति राजकुमार चौहान, नूतन चौक भिलाई 3 जिला दुर्ग, प्रीती निर्मलकर पिता/पति अनुज निर्मलकर, वार्ड 49 जोगी नगर पद्मनाभपुर जिला दुर्ग, प्रकाश देवांगन पिता/पति स्व. काशी राम देवांगन, शंकर नगर गौर चौरा जिला दुर्ग, जातीन साहू पिता/पति केशर लाल साहू, धनोरा हनोद जिला दुर्ग, रणवीर कुमार परूथी पिता/पति स्व. धर्मबीर परूथी, कचहरी चौक जिला कांकेर, जगदीश चंद नेताम पिता/पति स्व. पचरु रतम नेताम, अघन नगर कांकेर जिला कांकेर, संतोषी यादव पिता/पति यशवंत यादव, कृष्णा फैंसी बजरंग चौक छुरा जिला गरियाबंद, प्रताप सिंह दीवान पिता/पति जैलालू राम दीवान, सारागांव छुरा जिला गरियाबंद, हितेश कुमार निषाद पिता/पति बुधारू राम निषाद, रानीपर्तेवा जिला गरियाबंद, नेतराम साहू पिता/पति समारू राम साहू, तर्रा सुरसाबांधा जिला गरियाबंद, उमेश कुमार यादव पिता/पति घनाराम यादव, चरौदा फिंगेश्वर जिला गरियाबंद, गोविन्द राम यादव पिता/पति सत्तू राम यादव, परसदा जिला गरियाबंद, रुपेश कुमार साहू पिता/पति जगतु राम साहू, संजय नगर वार्ड न 14 कुरूद जिला धमतरी, मेवा दास पिता/पति साधू दास, बगौद सेमरा जिला धमतरी, नरेश राम साहू पिता/पति जे आर साहू, कॉलोनी रुद्री म न जी 29 जिला धमतरी, सूर्याश शेंडे पिता/पति मुकेश शेंडे, बठेना वार्ड गली न 3 धमतरी जिला धमतरी, रूपसिंह कँवर पिता/पति पुराणिक कँवर, सोनपैरी मगरलोड जिला धमतरी, हेमिन भुआर्य पिता/पति रहिपाल भुआर्य, आमातालाब धमतरी जिला धमतरी, सुनील राव ठाकरे पिता/पति सरोज राव ठाकरे, थुहा मरौद जिला धमतरी, विजय लाल देवांगन पिता/पति खम्हन लाल देवांगन, रत्ना बाँधा रोड जिला धमतरी, तुलेश्वर सिन्हा पिता/पति आनंदराम सिन्हा, धौरा भाटा जिला धमतरी, जीतेन्द्र ठाकुर पिता/पति चन्द्रभान सिंह, अमेठी खरेंगा जिला धमतरी, उत्तम कुमार साहू पिता/पति देवनारायण साहू, भटगांव जिला धमतरी, विमल कुमार गोविन्दानी पिता/पति स्व. खयालदास गोविन्दानी, नया बस स्टैंड बलौदाबाजार जिला बलौदा बाजार, विक्रम मांडले पिता/पति रंजित मांडले, घिरघोल पलारी जिला बलौदाबाजार, घनश्याम दास साहू पिता/पति स्व. राम भरोसा साहू, कसही डौंडीलोहारा जिला बालोद, एशिका कश्यप पिता/पति सत्येन्द्र कुमार कश्यप, सिचाई कॉलोनी गुरुर जिला बालोद, राजेंद्र कुमार तिवारी पिता/पति नारायण प्रसाद तिवारी, वार्ड न 7 अर्जुन्दा जिला बालोद, विनोद दुबे पिता/पति छन्नू लाल दुबे, कबीर कुटी के सामने कर्वधा रोड वार्ड न 3 बेमेतरा जिला बेमेतरा, खेमराज पटेल पिता/पति भंवर लाल पटेल, नर्रा जिला महासमुंद, घनश्याम सेन पिता/पति झुमुक लाल सेन, बरेकेल कला नरतोरा जिला महासमुंद, कमलेश कुमार देवांगन पिता/पति प्रभु राम देवांगन, देवरी पोंढ़र कोंहका जिला राजनांदगांव, निरंजन साहू पिता/पति भिखारी राम साहू, 18 एकड़ पुलिस लाईन राजनांदगांव जिला राजनांदगांव, संगीता जैन पिता/पति अरविन्द कुमार जैन, हीराटोला लाईन जिला राजनांदगांव, संजय दास साहू पिता/पति चैनदास साहू, कुतुलबोड़ भाटागाँव जिला राजनांदगांव, बी. एल. साहू पिता/पति स्व. जगन्नाथ साहू, नाकापारा वार्ड न 3 डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव, अचित्य श्रीवास्तव पिता/पति विवेक श्रीवास्तव, मन 1 वरदान प्रकाश नगर कलेक्टर बंगला के पास राजनांदगांव जिला राजनांदगांव।

सांत्वना पुरस्कार की शेष सूची अगले अंक में देखें

चंद्रमा की भूवैज्ञानिक हिस्से से टूटी थी 'कामो ओलेवा' चट्टान

एजेंसी ▶▶| न्यूयार्क

चांद पर रहस्यमयी गड्ढों (क्रेटर) को लेकर कई तरह के दावे किए जाते हैं। अब वैज्ञानिकों ने चंद्रमा पर एक क्रेटर के निर्माण को लेकर बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि इसके निर्माण में एक अनोखे क्षुद्रग्रह का हाथ है। यह क्षुद्रग्रह वर्तमान समय में सूर्य की परिक्रमा कर रहा है। हालांकि, यह कभी भी चंद्रमा से टकराया नहीं है। वैज्ञानिकों ने एक नए अध्ययन में माना है कि चंद्रमा पर बने इस क्रेटर के निर्माण के लिए एक चट्टान जिम्मेदार है। बीते कई सालों से यह रहस्य बनी हुई थी।

अंतरिक्ष में घूम रही रहस्यमयी चट्टान को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

क्षुद्रग्रह का नाम रखा था कामो' ओलेवा

वैज्ञानिक पहले मान रहे थे कि यह क्षुद्रग्रह सौरमंडल के बाहर से आया होगा। अब उन्होंने कहा कि चंद्रमा पर उस क्रेटर का निर्माण इसी क्षुद्रग्रह की वजह से हुआ था। वर्ष 2016 में वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में एक रहस्यमयी चट्टान की खोज की थी, जिसका व्यास 130 से 328 फीट के बीच था। वैज्ञानिकों ने इस क्षुद्रग्रह का नाम कामो ओलेवा रखा था। सिंघुआ विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्री यिफेई जिओ के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की टीम ने एक संकेत दिया है। इसके मुताबिक, चंद्रमा की एक भूवैज्ञानिक हिस्से से यह चट्टान टूटी थी। इसे जियोर्डानो ब्रूनो क्रेटर के रूप में जाना जाता है। वैज्ञानिकों ने इस क्रेटर का नाम 16वीं सदी के इतालवी ब्रह्मांड संबंधी सिद्धांतकार के नाम पर रखा था।

एक करोड़ साल पहले अलग होने का अनुमान

शोधकर्ताओं ने कहा कि यह चट्टानी टुकड़ा कभी चंद्रमा का हिस्सा रहा होगा। स्पेक्ट्रम विश्लेषण के मुताबिक, यह चट्टान चंद्रमा की संरचना से भी पूरी तरह मिलती है। कम्प्यूटर मॉडल से शोधकर्ताओं ने पता किया एक टकराव से कामो' ओलेवा चंद्रमा से अलग हुआ होगा और उससे 12 मील का क्रेटर बना होगा। उन्होंने कहा कि चंद्रमा का जियोर्डानो क्रेटर इस गणना में सही पाया गया है। यह क्रेटर और चट्टान एक करोड़ साल पहले अगल हुए होंगे।

परिवार की तरह रहते हैं सभी लोग और एक -दूसरे से अपना सामान करते हैं शेयर

व्हिटियर एंकोरेज शहर में सारे लोग रहते हैं एक ही छत के नीचे, पर यहां पहुंचना बेहद मुश्किल

एजेंसी ▶▶| लंदन

जमीन के नीचे बसे शहरों के बारे में आपने बहुत सुना होगा। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पूरा शहर एक ही छत के नीचे रहता है। पुलिस स्टेशन, चर्च, स्कूल, दुकान और डाकघर सबकुछ एक ही छत के नीचे मौजूद है। लोग परिवार की तरह रहते हैं और सब एक- दूसरे से अपना सामान शेयर करते हैं। यहां की लाइफस्टाइल इतनी शानदार है कि देखकर आपको भी रंज हो सकता है। लेकिन यहां पहुंच पाना सबके लिए आसान नहीं है।

अलास्का के जंगल में एक छोटे से शहर बसा है जिसे वन रूफ सिटी के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यहां रहने वाले सभी लोग एक ही इमारत में निवास करते हैं। एंकोरेज से 60 मील दक्षिण में बसे इस शहर में सिर्फ एक इमारत है, जिसमें समुदाय के सभी 217 लोग रहते हैं। वे इस इमारत को ही अपना शहर बताते हैं। इस इमारत को बेगिच टावर्स नाम दिया गया है। इन लोगों की लाइफ स्टाइल बिल्कुल अलग है। आप इस जगह पर कार या ट्रेन से नहीं पहुंच सकते। शहर तक पहुंचने के लिए आपको बंदरगाह जाना होगा। वहां से फेरी लेकर जाना होगा। यह एक डरावनी सुरंग के अंदर से निकलता है, जो रात भर बंद रहती है और सुबह 5 बजे खुलती है।

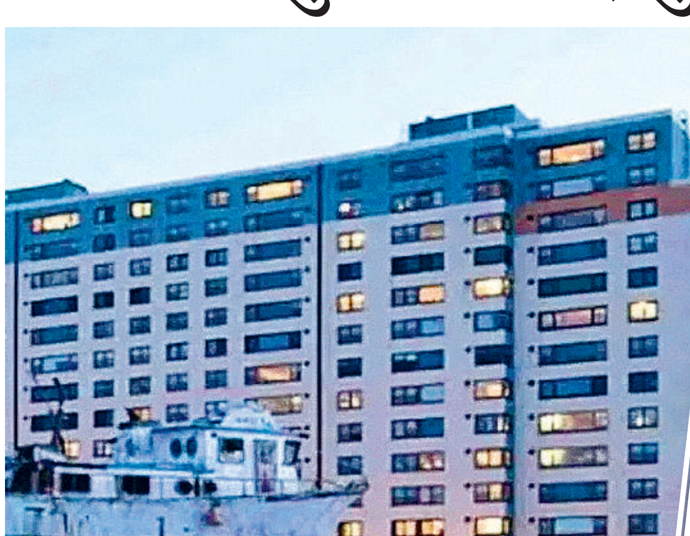

यहां नौकरी के अवसर बेहद कम

जब से इसके बारे में पता चला है, लोग इस जगह घूमने के लिए जाते हैं। वे लोग बताते हैं कि यहां नौकरी के अवसर बेहद कम हैं। यहां रहने वाले एक शख्स ने कुछ महीनों पहले इसके बारे में बताया था। उसने 1986 में व्हिटियर छोड़ दिया था। बताया था कि कैसे उसने बचपन में कोई इंटरनेट, टीवी नहीं देखा। एक रेडयो था, जिसका सिग्नल अक्सर खराब रहता था। लेकिन आज बेगिच टावर्स की विशाल 14 मंजिला इमारत में बहुत कुछ है। यहां अस्पताल है, तो थाना भी। दुकानें हैं, तो चर्च और स्कूल भी। बेगिच टावर्स में रहने वाले बच्चे एक स्कूल में पढ़ते हैं जो एक सुरंग के माध्यम से टावरों से जुड़ा हुआ है, जिसमें एक इनडोर खेल का मैदान भी है।

बेगिच टावर्स की दीवारों के भीतर रहते सभी निवासी

एंटोन एंडरसन मेमोरियल टनल नाम की यह सुरंग उत्तरी अमेरिका की सबसे लंबी सुरंग है, जो 2.5 मील तक फैली हुई है। यह इकलौता रास्ता है, जिसके जरिये आप व्हिटियर एंकोरेज शहर तक पहुंच सकते हैं। व्हिटियर के लगभग सभी निवासी बेगिच टावर्स की दीवारों के भीतर रहते हैं। वे कभी कभार ही बाहर निकलते हैं। कहते हैं कि पहले यह टॉवर सेना का बैरक हुआ करती थी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना यहां से गुप्त ऑपरेशन चलाया करती थी। लेकिन 1974 में इसे आवासीय बना दिया गया।

हाईकोर्ट ने धारा 306 के आरोपी को किया बरी

आत्महत्या के उकसावे के आरोपों के लिए स्पष्ट सबूतों की आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने आत्महत्या के उकसावे के आरोपी याचिकाकर्ता को बरी कर दिया है। जस्टिस संजय कुमार जायसवाल की कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि आत्महत्या के उकसावे के आरोपों को स्थापित करने के लिए स्पष्ट और सम्मोहक सबूतों की आवश्यकता होती है। इसे खास तौर पर रेखांकित किया गया है। याचिकाकर्ता लभो राम ने एडवोकेट विवेक त्रिपाठी के माध्यम से याचिका दायर की थी। याचिका में धारा 306 आईपीसी के तहत आत्महत्या के उकसावे के आरोप में अपनी सजा के खिलाफ यह अपील की गई थी। याचिका के अनुसार लभो राम ने पहले स्मृति सहोदरा बाई से विवाह किया। पहली पत्नी उसे छोड़कर अपने मायके लौट गई। इसके बाद लभो राम ने सीता बाई से दूसरी शादी की, जिसने बाद में आत्महत्या कर ली।

केवल प्रताड़ना का आरोप पर्याप्त नहीं

जस्टिस संजय कुमार जैसवाल ने अपने फैसले में कहा कि केवल प्रताड़ना या घरेलू जीवन में कलह, बिना उकसावे या जानबूझकर सहायता के जो आत्महत्या की ओर ले जाए, यह आत्महत्या के उकसावे के आरोप में किसी को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। अदालत ने आरोपी के कृत्यों और मृतक के जीवन को समाप्त करने के निर्णय के बीच सीधे संबंध की स्थापना के महत्व पर जोर दिया। हाईकोर्ट ने लभो राम को सभी आरोपों से बरी कर दिया, उन्हें संदेह का लाभ देते हुए अभियोजन पक्ष द्वारा अपना मामला संदेह से परे है।

सांपों के पीछा करने का दावा है सिर्फ एक भ्रम

इंसानों को शिकार के रूप में नहीं देखते कोई भी सांप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सांप धरती पर सबसे विषैले जीवों में से एक हैं। ब्लैक मांबा, इनलैंड ताइपन जैसे कुछ सांपों में तो इतना जहर होता है कि इनके एक बूंद जहर से भी दस से ज्यादा लोगों की जान जा सकती है। सांप सामने दिख जाए, तो लोग भाग लेना ही पसंद करते हैं। क्योंकि उन्हें डर बना रहता है कि कब हमला कर दे। लेकिन क्या सचमुच सांप लोगों का पीछा करते हैं? देखते ही तुरंत हमला कर देते हैं?

इंसान की ओर आना नहीं चाहता कोई सांप

कई लोगों को आपने कहते हुए सुना होगा कि सांप उनका पीछा कर रहा था। कुछ तो यहां तक कहते हैं कि वे साइकिल से जा रहे थे, तभी सांप पीछे लग गया। कुछ तो यहां तक कह जाते हैं कि सांप ने उनकी कार पर छलांग लगा दी। लेकिन क्या ये सब सच है? एक्सपर्ट ऐसा बिल्कुल भी नहीं मानते। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोई भी सांप कभी इंसान की ओर आना नहीं चाहता। वे इंसानों को शिकार के रूप में नहीं देखते, और उन पर हमला करने का उनका कभी इरादा नहीं रहता। सांपों के पीछा करने का दावा सिर्फ एक भ्रम है, जो फैलाया गया है। यही भ्रम किसी भी इंसान के अंदर "लड़ो या भागो" का डर पैदा कर देता है। ऐसी स्थिति में सांप की कोई भी हलचल से यही लगता है कि वह पीछा कर रहा है। हमला करना चाहता है। लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है।

अपनी जान बचाने के लिए भागता है सांप

एक्सपर्ट के मुताबिक, सांप आक्रामक नहीं होते। अगर आपको इसके बारे में और विस्तार से जानना है, तो आप अपनी आंखों में डर देखने से पहले सांप की आंखों में देखें। वह बिल्कुल भी आक्रामक नहीं दिखेगा। वह सिर्फ उस जगह से भागता नजर आता है, जहां उसे अपनी जान का खतरा नजर आने लगता है। सांप जब किसी इंसान को देखता है, तो उसे लगता है कि कोई शिकारी उसका शिकार करने के लिए आ रहा है। जैसे-जैसे शिकारी करीब आता जाता है, वह भागने की कोशिश करने लगता है। सबसे पहले वह पानी की खोज करता है, जहां जाकर छिप सके। लेकिन अगर इस बीच रास्ते में कोई इंसान आ गया, तो वह हमलावर हो जाता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, अगर सांप आप की ओर झपटने की कोशिश करता है, तो इसका सिर्फ इतना मतलब है कि वह यथाशीघ्र सुरक्षित स्थान पर पहुंचने का प्रयास कर रहा है। आप उसके रास्ते में आ जाएं, और वह हमला कर दे, यह सिर्फ संयोग है। सामने आ जाने के हालात में आप उसे भाग जाने दीजिए।

मसालों में टायफॉइड वाले बैक्टीरिया के चलते यूएस ने रोकी एंट्री, एक तिहाई शिपमेंट खारिज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

असली मसाले सच-सच, एमडीएच-एमडीएच! महाशियान दी हट्टी यानी एमडीएच की टैगलाइन भले ही असली मसाले बेचने की बात कहती हो, लेकिन फिलहाल ऐसा लग रहा है कि सच जैसा कुछ है नहीं। हाल ही में सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने भारतीय ब्रांड एवरेस्ट और एमडीएच पर मसालों में कीटनाशक होने के चलते कार्रवाई की थी। और अब ऐसा लगता है कि मसाला संकट बढ़ता जा रहा है। अब यूनाइटेड स्टेट्स द्वारा भी एमडीएच मसालों पर कार्रवाई का मामला सामने आया है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) से मिली जानकारी से खुलासा हुआ है कि अमेरिका ने अब तक एमडीएच एक्सपोर्ट का करीब एक तिहाई हिस्सा खारिज कर दिया। जबकि अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच इनकार की दर 15 फीसदी थी। संयुक्त राज्य अमेरिका के सीमा शुल्क अधिकारियों ने पिछले छह महीनों में साल्मोनेला मिले होने के चलते महाशियान दी हट्टी (एमडीएच) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्यात किए गए सभी मसाला शिपमेंट में से 31 प्रतिशत को अस्वीकार कर दिया। इसके अलावा डेटा से खुलासा हुआ है कि अक्टूबर 2020 से अब तक साल्मोनेला मिश्रण के चलते एमडीएच के सभी एक्सपोर्ट खारिज किए थे। अक्टूबर 2023 के बाद से खारिज किए गए शिपमेंट की दर 15 प्रतिशत से बढ़कर दोगुना हो गई है।

एफडीए डेटा से 'खुलासा'

पतंजलि की 14 उत्पादों के लाइसेंस कैंसल

नई दिल्ली। उत्तराखंड की लाइसेंसिंग अथॉरिटी ने सोमवार को पतंजलि समूह के 14 उत्पादों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से कैंसल कर दिए हैं। इनमें पतंजलि आयुर्वेद की दृष्टि आई ड्रॉप से लेकर दिव्य फार्मेसी की मधुमेह की दवा मधुनाशिनी वटी भी शामिल हैं। इसके अलावा जिन दवाओं के लाइसेंस कैंसल किए गए हैं, उनमें दिव्य फार्मेसी के श्वासरि गोल्ड, श्वासरि वटी, ब्रोंकोम, श्वासरि प्रवाही, श्वासरि अवलेह, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडोम, बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर, लिवामृत एडवांस, लिवोग्रिट और आईग्रिट गोल्ड भी शामिल हैं।

यहां बिकता है नाग का जूस शौक से पीते हैं लोग

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर हम तरह-तरह की चीज़ें देखते हैं और इसमें से कई चीज़ें ऐसी होती हैं, जिन्हें देखकर हमें यकीन ही नहीं होता है कि ये इसी दुनिया में मौजूद हैं। खाने-पीने की तरह-तरह की चीज़ें छोड़ दें तो कई बार कुछ ऐसा भी देखने को मिल जाता है, जो हमें दंग कर देता है। एक ऐसा ही वीडियो इस वक्त वायरल हो रहा है। जिन सांपों को देखकर ही हमारे शरीर में सिहरन हो जाती है, अगर किसी को उनका जूस या सिरका पीते हुए देखें, तो किसी का भी डर जाना लाज़मी है। जिस वीडियो की हम बात कर रहे हैं, उसमें कुछ ऐसा ही देखा जा सकता है। कमज़ोर दिल वाले तो इसे देखकर खौफ में आ जाएंगे। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बड़े से जार में शख्स ने एक ज़हरीले सांप को रखा हुआ है। उसका सिर वो ऊपर उठाकर दिखा रहा है। सांप को देखकर लग रहा है कि वो काफी समय पहले मर चुका है और उसे सिरके में डाला गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com